वर्ष : 04 :: अंक : 180
मुजफ्फरपुर
सोमवार, 05 मई 2025
प्रातः संस्करण
मूल्य : 2.00 रुपये

संवाद संचार

उत्तर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

पेज 12 पहलगाम हमलाः राजनाथ सिंह की पाक को वॉर्निंग, बोले- 'देश जैसा चाहता है, उसी भाषा में देंगे जवाब'

R.N.I. No. : BIHHIN/2021/82013 E.Mail :samvadsanchar@gmail.com

बूंद-बूंद के लिए तरसेगा पाक! सिंधु समझौते के बाद भारत का एक और कड़ा कदम; अब बगलिहार बांध से रोका चिनाब नदी का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल समझौता रद कर दिया था। वहीं अब, इस तरफ पहला कदम उठाते हुए बगलिहार बांध का पानी रोक दिया गया है। सूत्रों के अनुसार सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध का पानी बंद कर दिया है। सरकार जल्द ही झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध का पानी रोकने की भी योजना बना रही है।

सिंधु जल समझौता रद होने के बाद भारत सरकार पाकिस्तान में पानी के बहाव कंट्रोल कर सकती है। जम्मू कश्मीर के रामबन में बना बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में बना किशनगंगा बांध की मदद से भारत सरकार जब चाहे पानी का बहाव रोक सकती है और किसी भी समय बांध खोल सकती है।

बगलिहार और किशनगंगा बांध बंद करके भारत झेलम और चिनाब नदी का बहाव कम कर सकता है। इससे पाकिस्तान में सूखा पड़ने के आसार रहेंगे। यही नहीं, भारत किसी भी समय बांध को खोल भी सकता है, जिससे पाकिस्तान में बाढ़ आने की संभावना बनी रहेगी।

बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ही भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता रद कर दिया था।

सिंधु जल समझौता 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। इस समझौते के तहत ऊपर की तीन नदियों - सिंधु, चिनाब और झेलम का पानी पाकिस्तान को मिलना था और नीचे की तीन नदियों - रावि, व्यास और सतलज का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता था। हालांकि 23 अप्रैल को इस संधि को तत्काल प्रभाव से रद कर दिया गया है।

पहलगाम के गुनहगारों को सबक सिखाने की तैयारी, पीएम मोदी की बैक-टू-बैक बड़ी बैठकें; हलचल तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए तीनों सेनाओं के स्तर पर चल रही रणनीतिक तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह के साथ बैठक की।

वायुसेना प्रमुख के साथ पीएम की हुई इस बैठक की कोई जानकारी साझा नहीं की गई मगर समझा जाता है कि पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगारों तथा उसके संरक्षकों को सबक सिखाने के लिए वायुसेना की रणनीतिक तैयारियों पर इसमें चर्चा हुई।

वायुसेना प्रमुख से पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ बैठक कर नौसेना की रक्षा तैयारियों का जायजा लिया था। देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व तथा सेनाओं के प्रमुखों के बीच पिछले कई दिनों से जारी बैठकों के दौर का संकेत है कि पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए सामरिक-रणनीतिक तैयारियों की पुख्ता समीक्षा की जा रही है।

इस हमले पर भारत की जवाबी कार्रवाई की तैयारियों की हलचलों के बीच नियंत्रण रेखा पर पिछले 10 दिनों से पाकिस्तान की ओर से लगातार की जा रही गोलीबारी का भारतीय सेना रणनीतिक तरीके से

शेष पृष्ठ 11 पर

पाक से तनातनी के बीच भारत को मिला 'आसमान का रक्षक', रूस की मदद से पलभर में दुश्मन का होगा खात्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना को एक बड़ी सैन्य मजबूती मिली है। सेना को हाल ही में रूसी मूल की कँ-र वायु रक्षा मिसाइलें प्राप्त हुई हैं। ये मिसाइलें बहुत कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं और सेना की हवाई हमलों से रक्षा करने की क्षमता को और मजबूत करेंगी।

सरकार द्वारा सेना को दिए गए आपातकालीन खरीद अधिकारों के तहत यह सौदा किया गया था। लगभग 260 करोड़ रुपये की लागत वाले इस अनुबंध के तहत प्राप्त मिसाइलों को सीमा पर तैनात अग्रिम चौकियों को दिया जा रहा है ताकि दुश्मन के लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन से रक्षा की जा सके।

सूत्रों के अनुसार, ये मिसाइलें कुछ हफ्ते पहले सेना को मिली हैं और इन्हें पश्चिमी सीमाओं पर तैनात किया जा रहा है, जहां पाकिस्तान से खतरा बना हुआ है।

भारतीय वायुसेना ने भी इसी प्रकार के इन्फ्रारेड आधारित श्लडफ्थअ मिसाइलों की खरीद का फैसला किया है। सेना और वायुसेना दोनों पिछले कुछ वर्षों से आपातकालीन और फास्ट ट्रैक खरीद प्रक्रियाओं के जरिए अपने शस्त्रागार को मजबूत कर रहे हैं।

नई कँ-र मिसाइलों की तैनाती के साथ ही सेना ने 48 नए लॉन्चर और 90 अतिरिक्त मिसाइलों की खरीद के लिए भी निविदा जारी कर दी है। साथ ही सेना अब लेजर बीम-राइडिंग श्लडफ्थअ सिस्टम को भी जल्द ही हासिल करने की योजना बना रही है।

शेष पृष्ठ 11 पर

जदयू का नाराजगी और नुकसान पर विशेष जोर, जंबो राजनैतिक सलाहकार समिति ऐसे करेगी काम

पटना (का.स.)। शनिवार को जदयू की गठित जंबो राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्यों को विधानसभावार फीडबैक जुटाने का जिम्मा मिलेगा। जल्द ही प्रदेश नेतृत्व राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर उन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेवारी सौंपेगा। इस संबंध में जदयू प्रदेश कार्यालय में सभी सदस्यों की एक सामूहिक बैठक होगी।

बड़े स्तर पर दिखेगी सक्रियता

जदयू के संबंधित अधिकारी का कहना है कि राज्यस्तरीय राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्यों की सक्रियता बड़े स्तर पर दिखेगी। उन्हें जिस विधानसभा क्षेत्र में काम करने का जिम्मा दिया जाएगा वहां वह यह देखेंगे कि दल या फिर गठबंधन के लोगों के बीच आपस में समन्वय है या नहीं।

बताएंगे कि कैसे होना है काम

संभावित प्रत्याशी अपने क्षेत्र के लोगों के साथ किस तरह से मिलता-जुलता है इस बारे में भी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व व जिम्मेदार पदाधिकारियों को दिया जाएगा। इस बारे में यह परामर्श दिया जाएगा कि संबंधित क्षेत्र के लिए किस तरह से काम होना चाहिए।

243 विधानसभा क्षेत्रों में करना होगा काम

राजनैतिक सलाहकार समिति सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में अपना काम करेगा। ऐसा नहीं होगा कि केवल उन्हीं विधानसभा क्षेत्रों में इनकी सक्रियता रहेगी जहां से जदयू प्रत्याशी मैदान में रहेंगे। गठबंधन के भीतर संबंधित क्षेत्र में समन्वय की स्थिति क्या है इस बारे में भी इनकी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को मिलेगी।

एक-एक चीज टटोलेगी सलाहकार समिति

संगठन के स्तर पर किस तरह से काम हो रहा या फिर आपस में किसी तरह की नाराजगी है या नहीं इस बात को राजनैतिक सलाहकार समिति टटोलेगी।

किसी विधानसभा क्षेत्र में कौन सा मुद्दा नुकसान कर सकता है फिर कौन फायदा पहुंचाएगा इस बारे में राजनैतिक सलाहकार समिति अपना परामर्श उपलब्ध कराएगा। एक विधानसभा क्षेत्र में एक से अधिक सलाहकार समिति के सदस्यों को जवाबदेही मिल सकती है।

प्रदेश नेतृत्व करेगा बैठक

बता दें कि इसके लिए प्रदेश नेतृत्व राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर उन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेवारी सौंपेगा। इस संबंध में जदयू प्रदेश कार्यालय में सभी सदस्यों की एक सामूहिक बैठक आयोजित की जाएगी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्सः पीएम मोदी ने भोजपुरी में खिलाड़ियों का स्वागत किया, वैभव सूर्यवंशी की सराहना की

खेलो इंडिया यूथ गेम्सः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मशाल जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। पीएम मोदी ने भोजपुरी में खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि भारत में खेल अब एक संस्कृति के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने बिहार में हो रहे 'खेलो इंडिया गेम्स' के संदर्भ में कहा कि हमने कहा में बिहार के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन देखा है। वैभव ने कम उम्र में ही अद्वितीय रिकॉर्ड बनाए हैं। उनके खेल में मेहनत के साथ-साथ विभिन्न स्तरों पर खेलने का अनुभव भी शामिल है। इसका अर्थ है कि 'जो जितना खेलेगा, वह उतना ही खिलेगा।' खेलो इंडिया यूथ गेम्स इस दिशा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस बार खेल का बजट लगभग चार हजार करोड़ रुपये है। वर्तमान में देश में एक हजार से अधिक खेलो इंडिया सेंटर कार्यरत हैं, जिनमें से दो दर्जन से अधिक बिहार में हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि हमने खेल को शिक्षा में भी शामिल किया है, क्योंकि जीवन के हर क्षेत्र में खेल का महत्व है।

सीएम नीतीश कुमार ने समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में अब तेजी से कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिहार में खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। नीतीश कुमार ने कहा कि हम हमेशा एनडीए के साथ रहे हैं और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार को नरेंद्र मोदी सरकार से सड़क, उद्योग, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए काफी सहायता मिल रही है। इसके अलावा, मखाना बोर्ड जैसी कई योजनाएं भी लागू की गई हैं, जिसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया।

केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों में सबसे अधिक बिहार के होते हैं, लेकिन अब खेल के क्षेत्र में भी बिहार के लोग आगे बढ़ रहे हैं। 38वीं राष्ट्रीय खेल में बिहार के खिलाड़ियों ने एक दर्जन मेडल जीते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में इतना बड़ा खेल आयोजन हो रहा है, जो बदलते बिहार का प्रतीक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास के साथ-साथ खेल का इकोसिस्टम भी विकसित हो रहा है। यूथ इंडिया गेम्स के आयोजन से बिहार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। पीएम मोदी देश को 2047 तक विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं और खेल के क्षेत्र में भी भारत को दुनिया के पांच विकसित देशों में लाने की योजना बना रहे हैं।

डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि देश में खेल इकोसिस्टम विकसित करने और खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और क्षमता विकास के लिए योजनाएं बनाई गई हैं। इसके लिए यूथ इंडिया गेम्स, वाटर गेम्स और नॉर्थ-ईस्ट गेम्स जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी का दावा कर रहा है। 2036 ओलंपिक में देश का लक्ष्य मेडल तालिका में पहले दस स्थानों में आना है, जो

शेष पृष्ठ 11 पर

महागठबंधन की इस बैठक में बिना बोले बता दिया गया कौन होगा सीएम फेस! क्या मुकेश सहनी को साइड कर दिया गया?

पटना (का.स.)। बिहार के चुनावी समर में साथ मिल कर महागठबंधन इस कोशिश में है कि सीएम की कुर्सी पर नीतीश कुमार को इस बार बैठने नहीं दिया जाए, लेकिन ये भी साफ नहीं किया जा रहा कि ठउ्म को रोक दिया गया तो खाली हुई कुर्सी किसके लिए सिंहासन बनेगी।

भले ही नेता ये बोल नहीं रहे, पर हम आपको बिन बोले जो संदेश महागठबंधन की ओर से साफ साफ प्रसारित किया गया, कार्यकताओं तक पहुंचाया गया, और खुले मंच से मुंह बंद रख कर भी मानो बोल दिया गया, वो बता देते हैं, बताएं क्या चलिए दिखा ही देते हैं। इस तस्वीर को आप देख रहे हैं, तो जरा ध्यान से देखिए और बताइए कुछ खास दिखा क्या?

बिल्कुल सही देख रहे हैं आप, सबसे पहली बैठक के बाद का प्रेस कॉन्फ्रेंस जब हुआ था तब की तस्वीर याद कीजिए। चलिए आपकी सुविधा के लिए नीचे हम उस तस्वीर को भी लगा देते हैं, तो एक नजर इसपर भी डालिए, फिर अगली बैठक में भी कुछ ऐसी ही तस्वीर देखने को मिली थी। हम दिखाना ये चाह रहे हैं कि सेंटर में हर फ्रेम में तेजस्वी यादव हैं, इसमें कोई संदेह नहीं और इसका संकेत समझना भी मुश्किल नहीं।

रविवार को हुई बैठक में तेजस्वी यादव तो सेंटर में बन रहे, इससे पहले की बैठक और उससे पहले हर अवसर पर तेजस्वी सेंटर फ्रेम की जगह पर जमे दिखे, लेकिन उनके बगल की जगह जो रिक्त थी, जिस जगह पर रिक्त यानि कि विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी अपने लिए आरक्षित मान रहे थे, चुनाव के बाद तेजस्वी के सीएम बनने पर खुद के लिए डिप्टी सीएम की कुर्सी मांग रहे थे, वो रविवार को हुई बैठक में किनारे लगा दिए गए ! ये हम अपनी तरफ से नहीं कह रहे, बल्कि तस्वीर सामने आने के बाद सुनी जा रही फुसफुसाहट ही आपको बता रहे हैं। तेजस्वी के बगल वाली कुर्सी पर मुकेश सहनी के बजाए, प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और दूसरी ओर माले नेता दिपांकर भट्टाचार्य कुर्सी संभाले नजर आए। इसलिए चर्चा का बाजार गर्म है, पर यहां ये ध्यान देने जरूरी है कि तेजस्वी के बगल में इन दोनों नेताओं को उनके कद के अनुसार कुर्सी दे कर मंच की मर्यादा का पालन ही किया जाना कहा जाएगा, एक कांग्रेस प्रभारी, दूसरे वाम दल के केन्द्रीय स्तर के प्रमुख तो ऐसे में स्टेट के लीडर को मंच पर उनके बाद ही जगह मिलेगी, ये मंच की आम मर्यादा कही जा सकती है, लेकिन राजनीति में मौका मिला नहीं की चर्चा का बाजार गर्म हो जाता है। चलिए अब बिन बोले सीएम फेस का मैसेज कैसे दिया गया, इसपर भी बात कर लेते हैं, तो ये संदेश भी मंच से ही प्रसारित किया गया। एक बार फिर आपसे कहेंगे की मंच वाली तस्वीर को ध्यान से देखा जाए। नीचे आपकी सहूलियत के लिए पूरे मंच की तस्वीर लगा रहे हैं।

आपने किसी भी कार्यक्रम का कोई भी बैनर पोस्टर कहीं भी देखा होगा तो उसमें नेताओं की भरमार दिखी होगी, नहीं ध्यान दिया होगा तो आज जब सड़क पर कोई सियासी पोस्टर पर नजर जाए तो ध्यान दीजिएगा

बिहार में कांग्रेस को 70 नहीं 100 सीट मिले, पप्पू यादव ने बताई वजह, कहा- हमारा एक-एक कार्यकर्ता...

पटना (का.स.)। पटना में रविवार को पाटलिपुत्रा ऐक्सोटिका में पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जाप के पूर्व नेताओं के2 साथ बैठक की. जाप नेताओं ने कांग्रेस में शामिल होने की सहमति जताई. इसके बाद पप्पू यादव ने प्रेस वार्ता में इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि यह कदम बिहार में कांग्रेस को मजबूत करेगा और जनहित में काम करेगा. पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व से समय मांगा है. जल्द ही हम सब मिलकर गांधी मैदान में एक बड़ी रैली करेंगे.

रैली में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को आने का निमंत्रण दिया जाएगा. आज से हमारे एक-एक कार्यकर्ता कांग्रेस को मजबूत करने में लग जाएंगे. पप्पू यादव ने कहा कि इंडिया अलायन्स में कांग्रेस सबसे बड़ा घटक दल है. हमारी मांग है कि कांग्रेस कम से कम 100 सीटों पर चुनाव लड़े.

पप्पू यादव ने इस प्रेस वार्ता में राहुल गांधी को सामाजिक न्याय और देश के अंतिम व्यक्ति के हक की लड़ाई का प्रतीक बताया. उन्होंने जातिगत जनगणना, निजी क्षेत्र में आरक्षण, और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर जोर दिया. साथ ही बीजेपी और पीएम मोदी की नीतियों पर तीखा हमला बोला और बिहार में इंडिया गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प लिया.

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी देश की रक्षा के लिए हर तरह के अपमान सहने की ताकत दिखाई. उन्होंने 10 हजार किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से गरीब और उपेक्षित वर्गों की समस्याओं को समझने का प्रयास किया. देश के अंतिम व्यक्ति की हिस्सेदारी और साझेदारी की वकालत कर रहे हैं. देश के बेरोजगार, किसान, और पलायन करने वाले लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं.

पप्पू यादव ने शहीद जगदेव प्रसाद, कपूरी ठाकुर, राष्ट्रकवि दिनकर और बीपी सिंह जैसे नेताओं का जिक्र किया, जिन्होंने मंडल आयोग और सामाजिक-आर्थिक न्याय के लिए संघर्ष किया. आजादी के आंदोलन में सुभाष चंद्र बोस की अहम भूमिका को भी याद किया गया.

पप्पू यादव ने कहा कि जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी" का सिद्धांत लागू हो। राहुल गांधी ने तेलंगाना मॉडल की तर्ज पर देशभर में जातिगत जनगणना की मांग की है. पीएम नरेंद्र मोदी की जातिगत जनगणना की बात महज "जुमलेबाजी" है, क्योंकि अभी तक इसकी कोई समय-सीमा (डेडलाइन) तय नहीं की गई.

पप्पू यादव ने कहा कि जातीय जनगणना की मांग करने पर पीएम मोदी ने उन्हें अर्बन नक्सल कहा. क्या गोदी मीडिया इसका जवाब देगी. कांग्रेस नेता का जनेऊ पूछा गया, पिता का नाम हिमंत विस्वशर्मा ने पूछा. अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिसकी जात का पता नहीं वो जाति जनगणना की बात करता है.

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार मॉडल की तरह जातिगत जनगणना नहीं चाहते, बल्कि एक व्यापक और प्रभावी मॉडल तेलंगाना मॉडल की जातीय जनगणना होनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना का मुद्दा केवल

शेष पृष्ठ 11 पर

मांझी ने कार्यकताओं को दिया भरोसा, कहा विधानसभा चुनाव में दवाब बनाने भर सीटें आई तो.....

पटना (का.स.)। जिले के मोरवा विधानसभा के जोड़पुरा पंचायत स्थित मालपुर खेल मैदान में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) का कार्यकर्ता सम्मेलन सह समाजसेवी वीके सिंह का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए हिंदुस्तानी आवाम मोचर्चा (सेक्युलर) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई या सत्ता को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंची, तो सभी के लिए समान और सम्मानित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था में भारी असमानता है। अमीर तबका अपने बच्चों को लाखों रुपये खर्च कर निजी स्कूलों में पढ़ा रहा है, जबकि गरीब तबके के बच्चे सरकारी स्कूलों तक सीमित हैं। मांझी ने कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की प्राथमिकता है कि हर वर्ग के बच्चों को समान अवसर मिले। उन्होंने अपने मुख्यमंत्रीत्व काल की चर्चा करते हुए कहा कि जब वे 9 महीनों तक मुख्यमंत्री रहे तो उन्होंने विधानसभा और लोकसभा के माध्यम से समाज के हर वर्ग की आवाज को आगे बढ़ाया। सरकारी कार्यप्रणाली को लेकर उन्होंने कहा कि आज भी कई विभागों में अंग्रेजों के समय जैसी कार्यशैली कायम है। इससे किसी एक काम को पूरा करने में कई महीने लग जाते हैं। उनहोंने कहा कि यदि उनकी पार्टी को विधानसभा में पर्याप्त संख्या मल मिला, तो वोकेशनल एजुकेशन के क्षेत्र में भी आरक्षण लागू किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि फिलहाल उनकी पार्टी के केवल चार विधायक हैं, जिससे कभी-कभी ही उनको बातों को महत्व दिया जाता है, लेकिन यदि जनता का व्यापक समर्थन मिला तो ये व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम को प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक डॉ. अनिल कुमार सिंह, राजेश रंजन, प्रदेश महासचिव चंदन ठाकुर, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण, ईजी नंदलाल मांझी, केदार र चौधरी, हसन इकबाल, संजय शुक्ला, राजेश कुमार, जगन्नाथ ठाकुर, मनोज २ सदा, आकाश कुमार, अर्जुन सदा, धर्मेंद्र ३ ठाकुर सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

माथे पर तिरंगा लपेट बिहार की धरती से ओवैसी का पाकिस्तान पर तीखा हमला, कहा-'सौ बार सोचेगा पाकिस्तान क्योंकि हमारे पीएम मोदी...'

पटना (का.स.)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की जान गई, जिनमें लेफ्टिनेंट विनय नरवाल भी शामिल थे। यह हमला न केवल एक सुरक्षा चूक को दर्शाता है, बल्कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की नई रणनीति की भी ओर इशारा करता है। चश्मदीदों के अनुसार, आतंकियों ने लोगों से धार्मिक पहचान उजागर करने के लिए कलमा पढ़ने को कहा और जो नहीं पढ़ सका, उसे गोली मार दी गई। यह नफरत और कट्टरता का वह चेहरा है जिसे भारत दशकों से झेलता आ रहा है।

अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, जो अकसर अपने तीखे और स्पष्ट बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस बार पाकिस्तान और आतंकवाद पर सख्त रुख दिखाया है। बिहार के ढाका क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जो बातें कहीं, वे देश के सामूहिक आक्रोश और पीड़ा को प्रतिबिंबित करती हैं। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाना जरूरी है। हमारे सैनिकों और बेटियों की जान लेने वालों को जड़ से मिटाना चाहिए। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की शांति की अपील हम सभी के लिए प्रेरणा है। हमें पाकिस्तान की मुस्कान नहीं, भारत की एकता बढ़ानी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को ऐसा सख्त कदम उठाना चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी आतंकवादी भारत में आकर हमला करने से पहले सौ बार सोचे।

पाकिस्तान की तरफ से बार-बार आतंकवाद को प्रॉक्सी वॉर के तौर पर इस्तेमाल करना अब छिपी बात नहीं है। ऐसे में भारत के सामने अब कई रास्ते हैं। हालांकि, भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को खत्म कर पाकिस्तान में पहले ही हलचल पैदा कर दी है।

मोकामा में चल रहे बाबा परशुराम महोत्सव के राजकीय समारोह में रविवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पहुंचे

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने रविवार को मोकामा परशुराम मंदिर में पूजा अर्चना की. पटना से मोकामा पहुंचे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का भव्य स्वागत किया गया. उनके साथ जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और भाजपा के प्रोटोकॉल इंचार्ज मनोज कुमार सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे. परशुराम मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की उन्नति की कामना की. इस दौरान बिहार की सियासत पर भी ललन सिंह ने बड़ा बयान दिया.

पटना में हुई महा गठबंधन की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि यह बैठक टांय-टांय फिस है. दरअसल, आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना के आशियाना दीघा में महागठबंधन की एक बैठक हुई. बैठक में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, तीनो वाम दल के अलावा विकासशील पार्टी के शीर्ष नेतृत्वकर्ता मौजूद रहे. बैठक पर तंज कसते हुए ललन सिंह ने इसे टांय-टांय फिस कहा. दूसरी ओर बिहार के विकास के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

जी सिनेमा लेकर आ रहा है 'पुष्पा 2' का टेलीविजन प्रीमियर

- वर्ल्ड टीवी प्रीमियर नहीं, यह है वाइल्ड टीवी प्रीमियर
- अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की दमदार जोड़ी के साथ, यह ब्लॉकबस्टर फिल्म अब टीवी पर मचाएगी धूम, 31 मई को शाम 7:30 बजे

मुंबई। करने टीवी पर राज, आ रहा है पुष्पा राज! 'पुष्पा 2: द रूल' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमाई तूफान है! टीवी पर इस फिल्म को देखने के लिए महीनों से चली आ रही फैंस की उत्सुकता और इंतजार अब खत्म होने वाला है। जी सिनेमा पर 31 मई को शाम 7:30 बजे देखिए इस साल की सबसे बड़ी सिनेमाई पेशकश 'पुष्पा 2' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर! तो तारीख नोट कर लीजिए, और भारतीय सिनेमा के इस सबसे बड़े उत्सव का जादू अपने टीवी पर जीने के लिए तैयार हो जाइए!

सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन अपने अब तक के सबसे दमदार और धांसू अवतार में नजर आए हैं। उनके साथ हैं टैलेंट की मिसाल रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल और जगपति बाबू जैसे शानदार कलाकार। 'पुष्पा 2: द रूल' में वह सबकुछ है, जिनकी उम्मीद एक मेगा ब्लॉकबस्टर से की जाती है। इसमें धमाकेदार एक्शन, सीटीमार डायलॉग्स, गजब की केमिस्ट्री और एक दिल को छू जाने वाली, रोमांच से भरपूर कहानी शामिल है।

प्रोमोः

आईजीः https://www.instagram.com/reel/DJGibDcIG1i/?igsh=bXJ4cXViZHNoa2tz

एफबीः https://www.facebook.com/watch/?v=706034585216546&rdid=AI4j8G1XowpTyrP

यूट्यूबः https://youtu.be/YSZ7TPTKR2w

'पुष्पा 2: द रूल' ने इस फिल्म फ्रेंचाइजी को एक नए मुकाम पर पहुँचा दिया है और भारत में मास एंटरटेनमेंट की परिभाषा ही बदल कर रख दी है। नॉर्थ और साउथ की सारी दीवारें तोड़ते हुए इसने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी धाक जमाई कि हर गली, हर स्क्रीन और हर दिल में पुष्पा राज बस गया। ऐसे में, अल्लू अर्जुन अब सिर्फ एक हीरो नहीं, बल्कि पॉप-कल्चर के बादशाह बन चुके हैं। और अब दर्शक इस तूफानी रोमांच को अपने घर बैठे महसूस कर सकते हैं।

यह फिल्म एक दमदार फैमिली एंटरटेनर है, जो एक ही कहानी में एक्शन, इमोशन और म्यूजिक का जबर्दस्त मेल पेश करता है। इस कहानी की रूह है पुष्पा के पक्के इरादे, जहाँ वह किसी भी कीमत पर नहीं झुकेगा! चाहे कुछ भी हो जाए, वह अपनी पत्नी श्रीवल्ली, अपने लोगों और अपनी शान के लिए हर हाल में खड़ा रहेगा। इस फिल्म में 'अंगारों', 'किस्सिक', 'फीलिंग्स' और 'पुष्पा पुष्पा' जैसे चार्टबस्टर गाने दर्शकों के जोश को कई गुना बढ़ा देने का वादा करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने और सोशल मीडिया पर ट्रेंड्स का तूफान लाने के बाद अब यह धमाकेदार कहानी आ रही है जी सिनेमा पर। देखिए पुष्पा और भंवर सिंह शेखावत का वह जबर्दस्त आमना-सामना, जिसने पूरे देश को सिर्फ एक बात कहने पर मजबूर कर दिया- ''फायर नहीं, वाइल्डफायर है।''

तो इस मई, पुष्पा राज की दुनिया में धूम मचाने और अपने घर के सुकून भरे माहौल में उनका दमदार रूल देखने के लिए तैयार हो जाइए, 31 मई, शाम 7:30 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर।

एनबीडब्लू वारंटी को भेजा जेल

दिलीप कुमार ठाकुर

खानपुर /समस्तीपुर। बिती रात्रि खानपुर थाना पुलिस द्वारा एनबीडब्लू वारंट सीआर 1593/21,टीआर 43/25 के अभियुक्त कृष्णा शर्मा पिता लालबाबू शर्मा ग्राम मसीना थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को गिरफ्त में लेते हुए माननीय न्यायलय में उपस्थापन वास्ते भेजा गया की पुष्टि थानाध्यक्ष मनोजकुमार सिंह ने की है

महिलाओं में जागरूकता लाना और संस्थाओं से जोड़ना महिला संवाद का लक्ष्य

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। नावकोठी पंचायत के महादलित मुहल्ले में पायल और रचना जीविका महिला ग्राम संगठन के बैनर तले महिलाओं के उत्थान के लिए महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड परियोजना प्रबंधक मनोरंजन कुमार ने की तथा कार्यक्रम का उद्घाटन मेंटर रंजू, रेणु, किरण ने दीप प्रज्जवलित कर किया। बीपीएम मनोरंजन कुमार ने कहा कि महिला संवाद का उद्देश्य महिलाओं में जागरूकता लाना और उन्हें उन संस्थाओं एवं

अवसरों से जोड़ना है। जीविका से जुड़कर महिलाओं में जागृति आयी है।अपने हक के लिए महिलाएं आगे बढ़ रहीं हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी मिलने से उसका लाभ बढ़ चढ़कर ले रही हैं। सरकार भी महिलाओं को सहायता मुहैया करवा रही है। आयोजित महिला संवाद के माध्यम से महिलाओं के लिए आरक्षण, नशा मुक्ति अभियान, बाल विवाह, दहेज प्रथा, जीविका से संबंधित योजनाओं की विस्तुत जानकारी दी गयी। इस आयोजन के दौरान मेंटर रंजू कुमारी ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि समाज की महिलाओं को जीविका ने रोशनी दी है। महिलाएं आर्थिक रुप से भी समृद्ध हो रही है। मौके पर रोहित, रुपम, जनिता, रेखा, पुष्प लता, किरण, पिंकी, अन्नु, पूनम, रुक्मिणी आदि मौजूद थे।

दिल्ली काव्य पाठ कर लौटे कवि को किया गया सम्मानित

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। काव्य पाठ के बाद दिल्ली से बेगूसराय लौटे कवि मिन्टू कुमार झा का सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस समारोह में कवि मिन्टू कुमार झा को साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बताते चलें कि जिले के वीर रस के युवा कवि मिन्टू कुमार झा को बेगूसराय आगमन पर जेपी सेनानी व शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति की ओर से सभागार में भव्य स्वागत किया गया। सम्मानित करने वालों में जेपी सेनानी के प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह सम्मान बेगूसराय जिलेवासियों के लिए गौरव का सम्मान है। युवा कवि मिन्टू दिनकर साहित्य सम्मान से सम्मानित होकर सम्पूर्ण जिले को गौरवान्वित किया है। मिन्टू कुमार झा ने कहा कि हर घर में दिनकर है, उन्हें प्रोत्साहन की जरूरत है। दिनकर साहित्य सम्मान का श्रेय मिन्टू ने अपने पिता स्व. चंद्रदेव झा को दिया। बधाई देने वालों में जिलाध्यक्ष राजेंद्र महतो, महिला सेल का सचिव सुनीता देवी, डॉ. महेश चंद्र चौरसिया, राजा कुमार आदि शामिल हैं।

वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स से रिलीज हुआ निमार्ता रत्नाकर कुमार की फिल्म 'कन्यादान 2' का ट्रेलर

फिल्म निमार्ता व वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स म्यूजिक कंपनी के एमडी रत्नाकर कुमार ने मर्मस्पर्शी भोजपुरी फिल्म 'कन्यादान 2' का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म के ट्रेलर में दिग्गज अभिनेता सुशील सिंह चुनौतीपूर्ण किरदार में दिख रहे हैं। वे संतान ना पैदा होने की वजह से बहुत परेशान व बेचैन रहते हैं। इस वजह से उन्हें एक दो नहीं तीन शादियां करनी पड़ती है। मगर परिस्थितिवश पहली पत्नी मणि भट्टाचार्य और दूसरी पत्नी तनु श्री को सुशील सिंह अपनी पत्नी के अधिकार से मुक्त कर देते हैं और वह दोनों अलग जीवन यापन करना शुरू करती हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब मझली पत्नी से एक बेटी का जन्म होता है।

यह खबर जब सुशील सिंह को मिलती है तो वह बेटी का मुंह देखना चाहते हैं मगर दोनों पत्नियां उन्हें पिता का अधिकार नहीं देना चाहती हैं। किंतु बेटी माही श्रीवास्तव के बड़ी होने पर बेटी के इच्छा अनुसार उसे अपने पिता के पास जाने से दोनों पत्नियां रोक नहीं पाती हैं। पिता अपनी बेटी का कन्यादान धूमधाम से करना चाहते हैं। इस फिल्म के सभी कलाकारों ने अपना-अपना बेस्ट से बेस्ट किरदार निभाया है। फिल्म का ट्रेलर बहुत ही मार्मिक और हृदय स्पर्शी है, जोकि फैमिली ड्रामा से भरपूर है। यह ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म की पूरी शूटिंग उत्तर प्रदेश के जिला वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों में की गई है। इस फिल्म में भोजपुरी सिनेमा के नामचीन एक्टर और एक्ट्रेस ने शानदार भूमिका निभाई है। फिल्म की मेकिंग और शूटिंग बिग लेवल पर की गई है।

बता दें कि वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स के एमडी व फिल्म निमार्ता रत्नाकर कुमार ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपना अहम योगदान देकर

मिसाल कायम किया है और कीर्तिमान स्थापित किया है। भोजपुरी फिल्म 'कन्यादान 2' का निर्माण करके वे सुर्खियों में हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स लिमिटेड, रत्नाकर कुमार और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स लिमिटेड बैनर के तले भोजपुरी फिल्म 'कन्यादान 2' का निर्माण किया गया है। इस फिल्म के निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्मात्री निवेदिता कुमार हैं। इस फिल्म के निर्देशन की बागडोर फेमस निर्देशक सुशील कुमार उपाध्याय ने संभाला है। इस फिल्म के मुख्य कलाकार सुशील सिंह, मणि भट्टाचार्य, तनुश्री चटर्जी, माही श्रीवास्तव, श्वेता वर्मा, प्रकाश जैस, अनिल रस्तोगी, संदीप कुमार यादव, विद्या सिंह, रश्मी शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, सोनाली मिश्रा, कविता राज सिंह, धर्मेंद्र सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, शुभम तिवारी, योगेश पांडेय, लाडो गुप्ता (बाल कलाकार) आदि हैं। फिल्म के लेखक धर्मेन्द्र सिंह, संगीतकार ओम झा, साहिल खान, गीतकार शकील आजमी, प्यारेलाल यादव, कुमार सोना हैं। डीओपी अशोक कुमार पंडा, संपादक गुरजंट सिंह, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। कला रामबाबू ठाकुर का है। पोस्ट प्रोडक्शन 3 स्टुडियो में किया गया है। म्यूजिक राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स के पास है।

फिल्म 'कन्यादान 2' के बारे में पूछे सवाल पर रत्नाकर कुमार ने जवाब में कहा कि 'फिल्म 'कन्यादान 2' की कहानी बहुत ही मार्मिक और हृदयस्पर्शी है। इस फिल्म का ट्रेलर देखने से ही पता चल रहा है कि फुल मूवी दर्शकों का दिल छू लेने वाली है।' उन्होंने आगे बताया कि 'यह फिल्म ऑडियंस का मनोरंजन करने के साथ ही समाज में मैसेज भी देगी। इस फिल्म की कहानी जब मेरे पास आई तो सब्जेक्ट मुझे बहुत अच्छा लगा था, इसलिए मैंने इस फिल्म को बनाने का निर्णय लिया। यह फिल्म आडियंस को लास्ट तक बाँधकर रखेगी। यह फिल्म जब भी कसिनेमाघरों में और टीवी चैनल पर रिलीज की जाएगी तो हर ऑडियंस इस फिल्म को अपने आप से जोड़कर देखेगी।'

फिट इंडिया अभियान के तहत जीएनएसयू में निकाली गई साइकिल रैली

सासाराम। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय की एनसीसी एवं एनएसएस इकाई द्वारा 'फिट इंडिया' अभियान के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर से की गई जिसका नेतृत्व एनसीसी समन्वयक लेफ्टिनेंट डॉ. मयंक कुमार राय एवं जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए समाज में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत 29 अगस्त 2019 को भारत सरकार द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य देशवासियों को फिट रहने के लिए प्रेरित करना और उनकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस अभियान के तहत लोगों को नियमित रूप से व्यायाम, योग और साइकिलिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। रैली का संचालन एनसीसी प्रशिक्षक रौशन सिंह, सीनियर अंडर ऑफिसर पुरुषोत्तम एवं अंडर ऑफिसर सुमंत के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आदर्श ग्राम हेतु महिलाओं ने सुझाए करीब 16 हजार आकांक्षाएं

जिले में अब तक डेढ़ लाख महिलाओं ने लिया महिला संवाद में भाग 600 स्थानो पर आयोजित हुआ अब तक महिला संवाद

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। जिले में महिला संवाद का संचालन सफलतापूर्वक जारी है और ऐसे में डेढ़ लाख से ज्यादा महिलाएं इस आयोजन में शामिल हो चुकी हैं.उन्होंने अपने आकांक्षाओं का भी जिक्र किया है जिसे जीविका की टीम ने कलमबद्ध किया है. सभी विभागों से जुड़ी आकांक्षाओं को जिलाधिकारी के माध्यम से अलग-अलग विभागों के पास भेजा जाएगा. इसके बाद इनका निराकरण किया जाएगा. अब तक 16 हजार से ज्यादा आकांक्षाओं को कलमबद्ध किया गया है. अपनी आकांक्षाओं को लेकर महिलाएं महिला संवाद में जुट रही हैं ये वो महिलाएं हैं जो राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सफलता और फिर और नए हुए कार्यों और नीतियों के क्रियान्वयन के लिए एकत्रित हो रही हैं। राज्य सरकार ने इन्हें महिला संवाद कार्यक्रम के माध्यम से अपने अनुभव गाँव के विकास के लिए योजना बनाने, आकांक्षाएं प्रकट करने एवं अब तक हुए विकासात्मक कार्यों से इतर इच्छा प्रकट करने का अवसर प्रदान किया है। लिहाजा गाँव की हर महिला महिला संवाद कार्यक्रम के आयोजन स्थल को ओर निकल पड़ती है। गाँव की पगडंडियों पर सैकड़ों महिलाओं का एक साथ पुनित कार्य के लिए निकलना और फिर संवाद स्थापित करना राज्य के विकास को निश्चित तौर पर ऊँचाइयों तक ले जाएगा। इन महिलाओं को अब अपने बेटियों का भी साथ मिला है।

जिला के विभिन्न गांवों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़ते जा रही है। कार्यक्रम 18 अप्रैल से जारी है।

"महिला संवाद" कार्यक्रम का आयोजन आज केवल एक पहल नहीं, बल्कि ग्रामीण

महिलाओं के सामूहिक सशक्तिकरण हेतु मौन क्रांति बनती जा रही है। यह मंच महिलाओं की आवाज को सीधे नीति-निमाताओं और प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुँचाने का एक प्रभावी माध्यम बनते जा रहा है। इसके माध्यम से न केवल महिलाएं अपनी समस्याएँ और चुनौतियाँ बता रही हैं, बल्कि उनकी विचारों, आकांक्षाओं और समाधान के सुझावों को भी प्रमुखता मिल रही है, जिससे सामूहिक सामाजिक बदलाव की नींव रखी जा रही है।

महिला संवाद कार्यक्रम जीविका से संबद्ध महिला ग्राम संगठनो द्वारा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित है। लिहाजा गाँव की महिलाएं योजनाओं से मिले लाभ के बारे में बताने और फिर नई योजना हेतु मंथन करने के लिए पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम स्थल की ओर निकल पड़ती हैं। इन महिलाओं को महिला संवाद कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर आमन्त्रित किया गया है। ग्राम संगठनों ने महिलाओं को एकजुट कर, उन्हें सामूहिक निर्णय लेने की शक्ति दी है और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त बनाया है।

तकनीक का भी इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण उपयोग किया गया है। एलईडी स्क्रीन से लैस मोबाइल वाहनों के माध्यम से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को रोचक ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों में बदलकर गाँव-गाँव पहुँचाया गया। इससे जटिल विषयों को भी सहजता से समझाया जा सका, और महिलाएँ आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याओं और माँगों को सामने रखने में सक्षम हुईं।

महिला संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत गाँव की वृद्ध महिलाओं ने अपनी ओर से वृद्धा राशि में वृद्धि की माँग उठाई है, ताकि उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। छात्राओं ने गाँवों में उच्च शिक्षा सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता को जोरदार ढंग से सामने रखा, जिससे उन्हें शिक्षा प्राप्ति के लिए शहरों का रुख न करना पड़े। गृहिणियों ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की माँग की, ताकि वे परिवार के साथ रहकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त, सामूहिक रूप से बालिकाओं के लिए सुरक्षित खेल मैदानों की व्यवस्था, हर घर में नल जल और नालियों की सुनियोजित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के सुझाव भी सामने आए। साथ ही जीविका और गैर-जीविका समूहों की महिलाओं ने आपसी सहयोग बढ़ाकर नीतियों को अधिक व्यावहारिक और समावेशी बनाने पर बल दिया। खेती से जुड़ी महिलाओं ने खेत तक पानी पहुँचाने की माँग सरकार से की है।

"महिला संवाद" ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएँ एकजुट होकर अपनी आवाज उठाती हैं, तो नीति निर्माण की प्रक्रिया अधिक समावेशी और प्रभावी बन जाती है। महिला संवाद कार्यक्रम उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों के प्रति जागरूक कर रहा है।

थाना लॉक-अप में युवक की पिटाई के मामले में एसएसपी तलब

---बीएचआरसी ने आठ सप्ताह में माँगी रिपोर्ट

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। जिले के पानापुर करियात थाने की पुलिस द्वारा लॉक-अप में बंद कर युवक की बेरहमी से पिटाई के मामले में बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएसपी मुजफ्फरपुर को नोटिस जारी किया है। आयोग ने नोटिस जारी करते हुए एसएसपी मुजफ्फरपुर से आठ सप्ताह के अंदर रिपोर्ट की माँग की है। विदित हो कि पीड़ित रौशन प्रताप सिंह अपने साला अमन कुमार से मिलने थाना पहुँचे थे, जहाँ पुलिस ने अमन कुमार को बंद कर रखा था। पीड़ित परिवार के अनुसार थानाध्यक्ष राजवल्लभ यादव ने अमन कुमार को छोड़ने के एवज में जीजा रौशन प्रताप सिंह से एक लाख रुपये की माँग की थी और जब रौशन प्रताप सिंह ने इसका विरोध किया था तो आवेश में आकर थानाध्यक्ष राजवल्लभ यादव ने उन्हें भी हाजत में बंद कर दिया था और उनका मुँह, हाथ तथा पैर बाँधकर उनके साथ काफी बेरहमी से मार-पीट की गई थी। जब परिवार के अन्य सदस्य पहुँचे और दोनों को छोड़ने का आग्रह किया तो थानाध्यक्ष राजवल्लभ यादव ने एक लाख रुपये की माँग रखी तथा 70 हजार रुपये लेने के बाद दोनों को छोड़ा गया। रौशन प्रताप सिंह की अपाचे मोटरसाइकिल को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया, जिसे लौटाने के एवज में 30 हजार रुपये की माँग अलग से की। विदित हो कि मार-पीट में गंभीर रूप से घायल रौशन प्रताप सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कांटी ले जाया गया था, जहाँ से बेहतर ईलाज हेतु उन्हें एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया था। मामले में पीड़ित परिवार ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएसपी मुजफ्फरपुर को नोटिस जारी करते हुए 8 सप्ताह के अंदर रिपोर्ट की माँग की है।

मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि यह मामला मानवाधिकार उल्लंघन के अतिगंभीर श्रेणी का मामला है और ऐसे मामले में कानून तथा न्यायिक पारदर्शिता बनाये रखने के लिए उच्चस्तरीय जाँच की नितांत आवश्यकता है। उम्मीद है कि एसएसपी मुजफ्फरपुर मामले में अतिशीघ्र व निष्पक्ष रिपोर्ट आयोग को प्रेषित करेंगे। विदित हो कि आयोग में अगली सुनवाई 10 सितम्बर को होगी। बताते चलें कि रौशन प्रताप सिंह की माँ बीना सिंह आयोग में अपने अधिवक्ता के माध्यम से वाद दायर करवाई थी।

मध निषेध के तीन अभियुक्त को भेजा जेल

संवाद संचार संवाददाता
दिलीप कुमार ठाकुर

वारिसनगर /समस्तीपुर। विती रात्रि मथुरापुर थाना पुलिस द्वारा मिली गुप्त सूचना प्रणाम की गई छापामारी में थानाक्षेत्र के सारी विसनपट्टी किसन कुमार पेसर शशिरंजन चौधरी के दो तल्ला मकान के अंदर तीन लोग द्वारा शराब पीते हुए हो हंगामा करते गिरफ्त में लिया गया जिसमे किसन कुमार उम्र 24 वर्ष पेसर शशिरंजन चौधरी, अभिषेक कुमार उम्र 22 वर्ष पेसर स्व सुरेश सहनी एवं कुंदन कुमार उम्र 30 वर्ष पेसर हरिशंकर सहनी दोनों साकिन सिमरा थाना पियर जिला मुजफ्फरपुर के पास से 750 मिली के ओल्ड मोंक के बोतल में लगभग 300 मिली

अंग्रेजी शराब तथा प्लास्टिक के डिस्पोजल ग्लास में 400 मिली शराब बरामद किया गया

इस संबंध में मध निषेध की धारा 30 ए के तहत दर्ज किया गया की पुस्टि थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने की है

तप- त्याग व बलिदान के प्रति मूर्ति हैं भगवान परशुराम : अजीत

--ब्राह्मण मिलन समारोह में श्रद्धा व निष्ठा से सैकड़ो लोगों ने किया भगवान परशुराम को नमन

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। भगवान परशुराम के जयंती पखवाड़े के मौके पर रविवार को क्षेत्र के पानापुर बजरंगवली चौक के पास एक निजी सभागार में ब्राह्मण मिलन समारोह संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व मुखिया परशुराम झा तथा संचालन मुखिया इंद्र मोहन झा ने किया।

सम्मेलन का शुभारंभ राज्य के पूर्व मंत्री अजीत कुमार, बाबा गरीब नाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक व विष्णु कांत झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस शुभ अवसर पर पंडित नथुनी तिवारी के नेतृत्व में 21 पंडितों ने स्वस्तिवाचन किया। सम्मेलन के प्रारंभ में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगों ने भगवान परशुराम के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपना श्रद्धा व्यक्त किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने कहा भगवान परशुराम तप-- त्याग व बलिदान के प्रतिमूर्ति हैं। वे आज भी जीवित हैं, एवं अहस्य होकर अपने वंशजों व समाज के कल्याण के लिए निरंतर अपना आशीर्वाद प्रदान करते रहते हैं। आज उन्हीं के पुण्य प्रताप से इस समाज मे अत्याचारी --जुल्मी का पतन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें भगवान परशुराम के कृतित्व व्यक्तित्व से सीख लेकर गलत का प्रतिकार करना चाहिए। उन्होंने कहा की भूमिहार व ब्राह्मण दोनों भगवान परशुराम के ही संतान हैं।

हमें समाज की तरक्की के लिए अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा मैं हमेशा समरस समाज के निर्माण के लिए लड़ाई लड़ा हूं, आगे भी लड़ता रहूंगा। मिलन समारोह में 500 से अधिक ब्राह्मण समाज के प्रमुख लोग शामिल थे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंडित विष्णु कांत झा ने कहा कि ब्राह्मण समाज हमेशा दान, ज्ञान और समाज निर्माण के लिए अपनी अग्रणी भूमिका निभाया है और आगे भी निभाते रहेगा। पंडित विनय पाठक ने सामाजिक व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि अब भी यदि हम एकजुट नहीं हुए तो हमारे समाज का सर्वांगीण विकास कतई संभव नहीं है।

मौके पर सम्मेलन को पंडित अशोक झा, पंडित साकेत रमन पांडे, पंडित शंभू नाथ चौबे, पंडित मुरारी तिवारी, पंडित मुरारी झा, पंडित रामनरेश पाठक, पंडित नथुनी तिवारी, पंडित सुबोध पांडे, अभिनंदन पांडे, ओमप्रकाश तिवारी,चंदन पांडे, त्रिलोकी नाथ तिवारी, ओमप्रकाश झा,संतोष पांडे, रामबाबू पांडे, विनय कुमार झा, पप्पू मिश्रा,कौशल दुबे,पुतुल झा,सुबोध चौबे, राकेश चौबे, मंकू पाठक, नीरज प्रकाश, पंडित अंजनी झा, पंडित देवेंद्र झा आदि ने संबोधित किया एवं समाज से एकजुट होने का अपील किया।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा समाहरणालय सभागार में पूर्वाह्न 10:00 बजे से पूर्वाह्न 11:00 बजे शिकायत सुनेंगे

वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। उपमुख्यमंत्री, बिहार- सह -जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा 6 मई को समाहरणालय सभागार में जन कल्याण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें कोई भी परिवादी किसी भी विभाग से संबंधित शिकायत पूर्वाह्न 10:00 बजे से पूर्वाह्न 11:00 बजे तक समाहरणालय सभागार में कर सकते हैं। इस अवधि में उपमुख्यमंत्री परिवादी की शिकायतें सुनेंगे।

इसके उपरांत माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार -सह- जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) की बैठक समाहरणालय सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे से की जाएगी।

9 मई 2025 को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप और भामा शाह की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी

समस्तीपुर। आज दिनांक 04. 05. 25 को महाराणा प्रताप जयंती समिति की बैठक नरेन्द्र कुमार सिंह त्यागी की अध्यक्षता में आदर्श विद्या निकेतन, काशीपुर, समस्तीपुर में हुई, जिसमें निर्णय हुआ कि दिनांक 9 मई 2025 को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप और भामा शाह की जयंती धुमधाम से मनाई जाएगी। जयंती में अपना संपूर्ण जीवन बलिदान करने वाले वीरता, पराक्रम, त्याग और देशभक्ति के प्रतीक महान योद्धा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की महानता का गुणगान किया जायेगा।कार्यक्रम विद्या निकेतन काशीपुर, समस्तीपुरे में किया जायेगा। कार्यक्रम में समस्तीपुर जिला सहित आसपास के जिले के बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे।

इस अवसर पर एक नौसदस्यीय का गठन किया गया, जिसके संयोजक श्री जितेन्द्र प्रसाद सिंह चंदेल' बनाये गये हैं।

साथ में कमिटी के अन्य सदस्यें है डॉ विजय कुमार गुप्ता,आशुतोष सिंह, ललन कुमार राये,विजय कुमार सिंह,रवि रोशन कुमार, विमलेश कुमार कर्ण, ओम प्रकाश पप्पू, राम विनोद पासवान, धर्मेन्द्र सिंह,सुरेन्द्र रजक आदि बनाये गये हैं। जयंती समारोह के उद्?घाटन के लिए समाजसेवियों को निमंत्रित किया जायेगा।

उत्सव मार्च का आयोजन

केंद्र सरकार द्वारा जातिय जनगणना कराये जाने की घोषणा पर युवा जदयू के कार्यकताओं ने छोड़े पटखे, बांटी मिठाई निकाला उत्सव मार्च

समस्तीपुर। नगर युवा जदयू के बैनर तले रविवार शाम शहर से सटे सारी गांव में केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराई जाने की घोषणा पर उत्सव मार्च निकाला गया। उत्सव मार्च के दौरान लोगों ने पटाखा फोड़ कर खुशी का इजहार किया। वहीं उत्सव मार्च के दौरान लोगों के बीच मिठाई भी बांटी गई। उत्सव मार्च का नेतृत्व युवा जदयू के नगर अध्यक्ष राजदीप कुमार ने किया।

उत्सव जुलूस सारी चौक से मणिपुर दुर्गा स्थान होते हुए विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान लोगों ने जगह-जगह पटाखा

फोड़कर खुशी का इजहार किया।

मौके पर मुख्यालय प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को लेकर जो अपना कॉन्सेप्ट में रखा था। उन्हीं के कॉन्सेप्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंजूरी दी है।

इससे बड़ी खुशी की बात क्या हो सकती है। पूरे देश में जातीय जनगणना होने से सभी जाति की अपनी वास्तविक स्थिति का आकलन हो सकेगा। वस्तु स्थिति स्पष्ट होने पर उनके विकास के रास्ते भी खुलेंगे।

इस कार्यक्रम को राजकुमार महतो, संतोष कुमार शाह नगर उपाध्यक्ष राजीव कुमार, अनिल महतो, अमित कुमार, भार्गव यादव, सुरेश कुमार सिंह, पप्पू राय, संजय राय, पवन कुमार, बबलू यादव, तोहिद अहमद सुबोध कुमार, टिंकू पटेल, सज्जन कुमार राय आदि लोगों ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में जो जाति है जनगणना से देश में रहने वाले जातियों की वास्तविक स्थिति का आकलन हो सकेगा। इसके बाद जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी का सपना साकार होगा।

नंदीजी महराज की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान हुआ संपन्न

संवाद संचार संवाददाता
दिलीप कुमार ठाकुर

खानपुर /समस्तीपुर। प्रखंड में बाबा हरिहरनाथ अंकुरी महादेव मंदिर परिसर हरिहरपुर खेढ़ी धाम में 3 दिवसीय अनुष्ठान के साथ नन्दी भगवान जी का प्राण प्रतिष्ठ महा अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

नन्दी भगवान मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठ वास्ते तीन दिन पूर्व से मूर्ति का अधिवास कराया गया और विभिन्न नदियों के जल व पंचामृत से मूर्ती को स्नान कराया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर की तरह ही बाबा हरिहरनाथ अंकुरी महादेव मंदिर परिसर में भव्य नंदी भगवान की मूर्ति स्थापना किया गया हैं। मुख्य यजमान राम सेवक झा एवं पंडित संजीव झा,पंडित मणिकांत मिश्रा,पंडित रामानंद मिश्र,पंडित बादल झा,पंडित पंकज मिश्रा के द्वारा 3 दिवसीय अनुष्ठान में पूजा पाठ उपरांत नन्दी भगवान कि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठ संपन्न हुआ हैं। बाबा हरिहरनाथ अंकुरी महादेव मंदिर में स्वयं भू अंकुरी शिवलिंग है,जो लगभग 150 वर्ष पूर्व हरिहरपुर खेढ़ी गांव में चरवाहा स्थल पर प्रगट हुए रहे। तब से मंदिर में छोटी नंदी भगवान ही रहे, फिर ग्रामीणों के विचार स्थानीय ग्रामीण रामसेवक झा के सहयोग से काशी विश्वनाथ की नगरी बनारस के प्रसिद्ध मूर्तिकार से मूर्ति लाकर मंदिर परिसर में स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठ किया गया हैं।

मौके पर भूषण झा,कामेश्वर झा,विजय कुमार चौधरी,चंदन कुमार झा, संतोष झा, सुमंत झा, कमलाकांत चौधरी, राम उदित चौधरी, जयराम चौधरी,दयानंद झा,रामविलास चौधरी,आदित्य कुमार चौधरी, सुनील कुमार चौधरी, चंद्र भूषण चौधरी,मनोज चौधरी, शुभम कुमार झुना, चंद्रभूषण चौधरी विक्की, दीपक कुमार चौधरी, गंगा प्रसाद चौधरी, अमरेश कुमार चौधरी, राम शंकर झा, यशवंत कुमार चौधरी दिलीपकुमार ठाकुर आज पत्रकार आदि उपस्थित रहे है

एक कथित यूट्यूबर के माया जल में फंस कर कई लोग हुए हैं ठगी का शिकार

गुलाम साबिर

नरकटियागंज। शहर से एक अजीबो गरीब खबर सामने आई है जहां एक कथित यूट्यूबर अपनी धाक जमाने के लिए लगातार एक पक्षीय खबर चलाता है जब मजबूर और अपनी प्रतिष्ठा धूमिल होते देख कुछ इसके बहकावे में आकर पैसे दे देते है वैसे लोगों का खबर भी यूट्यूब से डिलीट कर दोनों पैरों को स्पर्श कर दंडवत करता है इसके साथ ही कथित यूट्यूबर अन्य राज्य का दौरा कर वहां भी राजनीतिक पार्टियों के नेता के साथ फर्जीवाड़ा किया जिसके बाद बढ़ती दबिश देख भाग खड़ा हुआ इसके बाद अपने गृह क्षेत्र में तमाम फर्जीवाड़ा कर सफेदपोश बनकर फर्जी पत्रकारिता का धौंस दिखाकर वसूली करता है यहीं नहीं अपनी मां,बाप,भाई पत्नी और खुद का फर्जी तबियत खराब होने का हवाला देकर लाखों की वसूली की है कथित यूट्यूबर ने 2020 में अपनी सास का बर्निंग का हवाला देकर एक युवा नेता से 10 हजार,माता जी का तबियत खराब होने का हवाला देकर एक दांत के डॉक्टर से 20 हजार,बेटे के आर्मी इंस्टीट्यूट में दाखिला वास्ते रोते हुए गोपाला रोड स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर से 20 हजार व वर्मा चौक स्थित प्रॉपर्टी डीलर से 10 हजार का वसुली किया यहीं नहीं दो-दो पूर्व मुखिया को ब्लैंक चेक देकर हजारों रुपए का वसुली किया यहीं नहीं ऐसे सैकड़ों मामला है जिसका उद्भेदन करते करते खुद थक जायेंगे लेकिन इसकी जालसाजी खत्म नहीं होंगे। इसके अलावा दिसंबर माह में कॉस्मेटिक दुकान में छापेमारी हुई थी जिसमें से लैक्मे ब्रांड के नकली समान को जब्ती की कार्रवाई की गई थी छापेमारी के बाद कथित यूट्यूबर ने स्थानीय थाने में मामला को रफा दफा करने के वास्ते देकर दर्जनों दुकान से करीब 80 हजार रुपए की वसूली प्रति दुकान से पांच हजार की दर से किया। दुकानदारों को जब ठगी की जानकारी लगी तो पैसे मांगने गए दुकानदारों से तरह-तरह के बहाने बताकर पैसा देने में अनाकानी किया इसके अलावा कथित यूट्यूबर फर्जीवाड़ा मामला में जेल से भी आ गया है। हाल ही में एक निजी अस्पताल में मरीज के मौत मामले में खुद अस्पताल में रहकर मैनेजिंग कराया और चिकित्सक से तीन हजार का डिमांड किया नहीं देने पर खबर चलाकर कार्रवाई करवाने का धमकी भी दिया यही नहीं इसके बाद नगर परिषद के एक बड़े अधिकारी को फर्जी तरीके से दावत देकर गुमराह किया और अधिकारी के पहुंचने के बाद यूट्यूबर भोजन परोस कर कई तरह के कार्यों का डिमांड करने लगा जैसे की बेटी की शादी करना है खुद का तबियत खराब होना जैसे तमाम कार्यों का हवाला देकर उगाई की कोशिश की गई हालांकि समझदार अधिकारी किसी तरह हामी भरते हुए अधूरे भोजन खाकर बैरंग लौट गए यही नहीं रिश्तेदार का शादी का हवाला देकर समाजसेवियों और नेताओं से हजारों रुपए की वसूली भी किया है।

छेड़ छाड़ मामले में शिक्षक दीपक के गिरफ्तारी के बाद सड़क जाम कर पक्ष में उतरे स्कूली बच्चे और अभिभावक।

घंटों मशक्कत के बाद पुलिस ने सड़क से हटवाया जाम

संवाद संचार संवाददाता

समीउल्लाह कासमी

बगहा। मध्य विद्यालय महुअर के शिक्षक दीपक की गिरफ्तारी के बाद शिक्षक के पक्ष में उतरे स्कूली बच्चों ने रविवार की सुबह करीब 9 बजे बगहा सेमरा मुख्य पथ को महुअर चौक के पास जाम कर दिया। स्कूली बच्चों का कहना था कि उनके शिक्षक दीपक को जानबूझकर फसाया जा रहा है। बच्चों के द्वारा सेमरा बगह पथ को जाम करने की सूचना पर पहुंची सेमरा थाने की पुलिस ने स्कूली बच्चों को समझा कर मामले में जांच का आश्वासन दिया। जिसके बाद बच्चे एवं ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ और भी सड़क से हटे। जिसके बाद उक्त सड़क पर आवागम शुरू हुआ। इस दौरान करीब 1 घंटे तक बगहा सेमरा मुख्य पात्र जाम रहा। गौरतलब हो कि की शनिवार को स्कूल की पहली क्लास की एक छात्रा कि अभिभावकों ने शिक्षक दीपक पर छात्र के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगाकर स्कूल में जमकर हंगामा किया इस दौरान छात्रा के परिजनों ने शिक्षक के साथ मारपीट भी किया में स्कूल में ही उसे कैद कर दिया एवं इसके बाद इसकी सूचना पर पहुंचे शिमला थाने की पुलिस ने शिक्षा दीपक कुमार को हिरासत में लेकर उसे पूछताछ के लिए महिला थाने को सुपुर्द कर दिया। देर शाम महिला थाने में शिक्षक पर एफआईआर दर्ज किया गया।

रविवार को जब इसकी सूचना स्कूल के बच्चों को मिली तो वे एकजुट होकर अपने शिक्षक को मुक्त करने की मांग करते हुए सड़क को जाम कर दिया। स्कूली बच्चों का कहना था कि उनके शिक्षकों को एक षड्यंत्र के तहत फसाया जा रहा है। इस बावत सेमरा थानाध्यक्ष वाल्मिकीनगर प्रसाद में बताया कि बच्चों को समझा बूझकर सड़क से हटा दिया गया है। आवागमन से चालू हो गया है एवं मामले में जांच पड़ताल की जा रही है

ठकराहा प्रखंड के कोइरपट्टी में महिला संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महिला संवाद में महिलाओं ने जिलाधिकारी के सामने रखी अपनी आकांक्षाएं।

संवाद संचार संवाददाता

सोनू भारद्वाज

बेतिया। आज ठकराहा प्रखंड के कोइरीपट्टी पंचायत में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय, पुलिस अधीक्षक, बगहा, सुशांत कुमार सरोज, उपविकास आयुक्त, सुमित कुमार, अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों एवं स्थानीय महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

महिला संवाद कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय महिलाओं के साथ बैठकर सरकार की योजनाओं से हुए लाभ को जाना वहीं महिलाओं ने अधिकारियों के सामने अपनी अपेक्षाएँ रखीं।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार के द्वारा बहुत कार्य किये गए हैं। सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत और पंचायती राज संस्थान में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा बहुत आवश्यक है। मात्र शिक्षा से आप अपनी दशा और दिशा बदल सकते हैं। अपने घर में समृद्धि ला सकते हैं। आज महिलाएं समाज में हर एक क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं। चाहे वो गांव समाज का प्रतिनिधित्व हो या खेल, सभी क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रही हैं।

जिला पदाधिकारी के द्वारा अपना मोबाइल नम्बर साझा करते हुए किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत बेहिचक करने का अनुरोध किया गया।

पुलिस अधीक्षक बगहा ने महिलाओं को जानकारी दी कि सरकारी विद्यालाओं में सारी सुविधाएं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही। उन्होंने बताया कि अगर महिला शिक्षित होती है तो पूरे घर को अच्छे से संभाल लेती है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क बना हुआ है जहां बिना संकोच के महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने सरकारी लाभ लेकर आगे बढ़ रही महिलाओं के सोच, जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि खूब आगे बढ़िए।

उप विकास आयुक्त ने महिलाओं को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि बालिकाओं के शिक्षा स्वास्थ्य के लिए कल्याणकारी योजना चला रही है,जिसका नतीजा है बेटियां आत्मनिर्भर बन रही है और हर क्षेत्र अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि यहाँ के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यहाँ के पाँच पंचायतों में खेल मैदान बनने का काम जारी है।

एडीएम राजीव कुमार ने महिलाओं की आकांक्षाओं को जिलाधिकारी महोदय के सामने रखा। महिलाओं की माँग थी कि उनके यहाँ डिग्री कॉलेज नहीं जिस कारण यहाँ बच्चे पढ़ने के लिए पड़ोस के राज्य में जाने के लिए मजबूर है।

जिलाधिकारी द्वारा महिला संवाद में दीदियों के द्वारा उठाए गए बिंदुओं के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना और ग्राम परिवहन योजना चलाया गया है। इसमें वाहन क्रय करने में सरकार सब्सिडी देती है। उन्होंने महिलाओं से उक्त योजना का लाभ लेने का सुझाव दिया गया। आर्थिक विकास के लिए मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना की जानकारी सुलभ कराई गई। पंचायतों के वार्ड में नल-जल योजना को क्रियान्वित कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि आवास सर्वे का कार्य किया गया है। उसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि सरकार द्वारा डिग्री कॉलेज की डिमांड स्वीकृत हो चुकी है। संवाद कार्यक्रम में उप स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक की माँग पर जानकारी दी कि सरकार द्वारा डॉक्टर की नियुक्ति जल्द ही की जा रही है। जिस कारण जल्द ही उनकी मांग पूरी होने की संभावना है। उन्होंने रोजगार के लिए जीविका समूह से कर्ज ले कर और पीएमएफएमई योजना का लाभ उठा कर अभिरुचि के अनुसार रोजगार करने की सलाह दी।

इस कार्यक्रम में संगीता निषाद ने जानकारी दी कि उन्होंने सरकार की मेधावृत्ति योजना का लाभ उठा कर स्नातक तक की शिक्षा हासिल की है और उनकी तमन्ना है की डी.एल एड. प्रशिक्षण ले कर शिक्षक बने।

रीता चौधरी की आवाज में आत्मविश्वास था जब उन्होंने डीएम के सामने सरकारी बस की माँग रखी, ताकि ठकराहा के लोग सुरक्षित और समय पर जिला मुख्यालय तक पहुँच सकें। उनके साथ-साथ कई अन्य महिलाओं ने मांग रखी–लाइब्रेरी, कृषि यंत्र, कुटीर उद्योग, गन्ना अनुसंधान केंद्र, डेयरी यूनिट इत्यादि की और जिलाधिकारी ने हर बात को ना सिर्फ सुना, बल्कि ठोस आश्वासन भी दिया।

कांति कुमारी की कहानी ने सबका दिल छुआ। औरंगाबाद की निवासी और ठाकराहा थाने में कार्यरत महिला पुलिसकर्मी कांति कुमारी ने जब यह कहा कि "आरक्षण ने मुझे यह मौका दिया, लेकिन मेरी उड़ान अभी बाकी है... मैं सब-इंस्पेक्टर बनूंगी," तो हर महिला की आँखों में सपना और गर्व दोनों चमकने लगे। इसी तरह अनिता राम, रम्भा देवी, गुलाबी देवी, गीता देवी, संजना देवी आदि महिलाओं ने सरकार से मिले विभिन्न लाभों से अवगत कराया तथा सरकार को साधुवाद दिया।

संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र में राहगीरों को मिलेगा शीतल पेयजलः गरिमा

==गर्मी के मौसम को लेकर प्रत्येक वार्ड से लगेंगे तीन सौ फिट तक गहराई वाले चार चार समर्शेबल बोरिंग व मोटर से कनेक्ट शीतल स्थाई प्याऊ सेट,

संवाद संचार संवाददाता

सोनू भारद्वाज

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में बेतिया के संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र के वासियों और राहगीरों को भी शीतल पेयजल सुलभता पूर्वक मिलेगा। जनसाधारण की सुलभ सुविधा के लिए गर्मी के जारी मौसम को लेकर प्रत्येक वार्ड के सार्वजनिक चौक चौराहों और चयनित सड़कों पर तीन सौ फिट तक गहराई वाला चार चार समर्शेबल बोरिंग व उच्च शक्ति के मोटर से कनेक्ट शीतल प्याऊ सेट लगाने की स्वीकृति नगर निगम बोर्ड ने दे दी है।

महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि दो दो कर के दो चरणों में पूरी होने इस योजना के प्रथम चरण के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा जारी कर दी गई है। महापौर ने बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा गवर्मेंट ई.मार्केट

पोर्टल पर योजना से जुड़ी निविदा की अर्हता का डिटेल अपलोड कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि 80-80 लिए क्षमता वाला वॉटर कुलर, यूवी फिल्टर, 2 एचपी का मोटर पंप सेट के साथ, छह लेयर और 500 लीटर क्षमता वाले पानी टंकी, दो नल, टाइल्स का बेसिन, सिविल एवं प्लंबिंग का कार्य कराते हुए 200 स्थाई प्याऊ का अधिष्ठापन कराया जाएगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने इस योजना में गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर 'जेम पोर्टल' पर निर्बाधित संवेदकों से ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

बगहा में पहली बार मिला अनुमंडलीय अस्पताल को शव वाहन

विधायक ने फीता काटकर किया आम जनता के लिए समर्पित

संवाद संचार संवाददाता

समीउल्लाह कासमी

बगहा। बगहा की जनता की लम्बे अरसे की मांग आज पुरी हुई और बगहा अनुमंडलीय अस्पताल को एक अदद शव वाहन मिल गया। जिसका बगहा विधायक राम सिंह ने फीता काटकर आम जनता के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया की शव वाहन मिलने से शवो को बाहर से अस्पताल लाने और अस्पताल से शव को घर भेजने में काफी सहूलियत होगी। उनके अथक प्रयास एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के योगदान से अस्पताल को यह सुविधा उपलब्ध हुई है। इसके लिए मै स्वास्थ्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। प्रभारी अस्पताल उपाधीक्षक डा.एसपी अग्रवाल ने बताया की सरकार से अस्पताल की बहु प्रतीक्षित मांग थी।

जो अब जाकर पुरा हुआ है। उन्होंने बताया की शव वाहन नहीं होने के कारण आये दिन अस्पताल प्रबंधन एवं अस्पताल कर्मियों को आये दिन शव को लाने और ले जाने के लिए आम जनता का कोपभाजन बनना पड़ता था। यह शव वाहन पुरी तरह से वातानुकूलित है तथा इसमे डिप फ्रिजर भी लगा है। जिससे शव को कही बाहर भेजने में भी सुविधा होगी। मौके पर जिलाध्यक्ष अचिन्त्य कुमार लल्ला, नगर अध्यक्ष राजन गुप्ता, मनोज कुमार सिंह, विजय कुमार साह, रीतू जायसवाल, दीपू तिवारी, विशाल पाण्डेय, शिपु चौबे सहित अन्य कार्यकर्ता एवं अस्पताल के कर्मी मौजूद रहे।

निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन

शारीरिक सुरक्षा पर कैंप के माध्यम से दिया गया सलाह

संवाद संचार संवाददाता

सोनू भारद्वाज

बेतिया। फिजियोथेरेपी एसोसिएशन पश्चिम चंपारण के द्वारा बगहा पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कार्यालय में निःशुल्क कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 पुलिस कर्मीयो को शारिरिक सुरक्षा हेतु मुख्य बिन्दुओ पर सलाह दिया गया जिसमे कमर दर्द, गर्दन दर्द, गठिया आदि रोगों का इलाज किया गया। उक्त बातें पश्चिम चंपारण फिजियो एसोसिएशन के संगठन सचिव डॉ अश्विनम सिंह और उप संगठन सचिव डॉ आदर्श गुप्ता ने दी। इस कैम्प का उद्घाटन सदर पुलिस उपाधीक्षक कुमार देवेन्द्र ने किया ' इस कैम्प का सफल आयोजन

हेतु डॉ आशीष कुमार को सहृदय धन्यवाद मौके पर डॉ निशा सिन्हा, डॉ मिथलेश वर्मा (कन्वेनर महराजगंज) डॉ हर्ष विश्वकर्मा (संयुक्त सचिव) इत्यादि मौजूद रहे।

मौन भी देता है उत्तर–बेतिया में 'उत्तर देता मौन' काव्य-संग्रह का लोकार्पण साहित्यिक गरिमा का अनूठा क्षण बना

संवाद संचार संवाददाता

सोनू भारद्वाज

बेतिया। साहित्य की भूमि पश्चिम चम्पारण ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि कलम की शक्ति प्रशासन और समाज सेवा के साथ भी गहरे तालमेल में आगे बढ़ सकती है। इसका जीवंत उदाहरण तब देखने को मिला जब चन्दन कुमार झा द्वारा रचित काव्य-संग्रह "उत्तर देता मौन" का भव्य लोकार्पण समारोह होटल सिद्धार्थ, बेतिया में संपन्न हुआ। दो सत्रों में विभाजित इस आयोजन ने साहित्य, प्रशासन और सामाजिक चेतना का दुर्लभ संगम प्रस्तुत किया।

लोकार्पण एक भावपूर्ण संवाद बना

समारोह का पहला सत्र पुस्तक के लोकार्पण को समर्पित था, जहां पश्चिम चम्पारण के जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि "शब्दों से परे जो मौन है, वही जीवन का सबसे सशक्त उत्तर है।" उन्होंने लेखक की लेखनी को हृविवेक और संवेदना का मेलह बताया। उन्होंने भगवान बुद्ध से जुड़ी एक कहानी को बताते हुए मौन किस प्रकार से सभी प्रश्नों का उत्तर दे सकता है को श्रोताओं को बताया। उन्होंने कहा कि पुस्तक का शीर्षक काफी पारदर्शी है। इससे प्रेरणा मिलती है कि मन में उठने वाले हजारों प्रश्न का उत्तर एक मौन से दिया जा सकता है। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों की व्यस्तता के बीच साहित्यिक सृजन करने वाले चन्दन कुमार झा के बारे में बताया कि ये समाहरणालय में कार्यरत हैं लेकिन तमाम व्यस्ताओं के बीच भी साहित्य का सृजन कर रहे हैं, ये अनुकरणीय है। उन्होंने पुस्तक के बारे में बताया कि इस किताब में प्रेम को केंद्रित रखते हुए अच्छी कविताएं लिखी गई हैं। वहीं समसामयिक और संवेदनशील विषयों पर भी मार्मिक कविताएं लिखी गई हैं। उन्होंने चन्दन झा को भविष्य के लिए अग्रिम बधाई दी।

लोकार्पण मंच पर श राजीव कुमार सिंह (अपर समाहर्ता), कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता विभागीय जांच, अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता लोक शिकायत, विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर, सुजीत कुमार, जिला पदाधिकारी के ओ एस डी सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने लेखक की साहित्यिक दृष्टि और सामाजिक प्रतिबद्धता की

भूरि-भूरि प्रशंसा की।

लोकार्पण सत्र के प्रारंभ में डॉ किशोर आनंद, उप निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण के द्वारा कविता मंचन करते हुए कार्यक्रम की रूप-रेखा और किताब के प्रकाशन की यात्रा पर प्रकाश डाला।

कविता और विवेक का समन्वय

डॉ परमेश्वर भक्त के द्वारा पुस्तक के संदर्भ में अपने विचार प्रकट करते हुए लेखक को बधाई दी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार यादव ने लेखक के भीतर छिपे संवेदनशील मनुष्य को उजागर करते हुए बताया कि "चन्दन झा का मौन, केवल मौन नहीं – आत्मचिंतन की एक जीवंत प्रक्रिया है।" डॉ विनय कुमार सिंह ने उत्तर देता मौन को समकालीन हिन्दी कविता के परिप्रेक्ष्य में रखते हुए इसकी शैली और अभिव्यक्ति की आलोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत की। जिला नाजिर और साहित्यकार जय किशोर जय के द्वारा अपनी एक कविता के माध्यम से पुस्तक पर विचार प्रकट किया गया।

कैवल्य प्रकाशन के प्रकाशक अंकित देव अर्पण ने बताया कि यह पुस्तक न केवल पाठकों को भीतर तक छूती है, बल्कि उन्हें अपने मौन से भी संवाद करना सिखाती है। यह संग्रह 50 से अधिक कविताओं का संकलन है, जिसमें जीवन, संघर्ष, प्रेम, आत्मचिंतन और समकालीन विसंगतियों की अनुभूत झलक मिलती है।

द्वितीय सत्रः कविता गोष्ठी में बही संवेदना की धारा

कार्यक्रम का दूसरा सत्र कविता गोष्ठी को समर्पित रहा, जिसकी अध्यक्षता डॉ परमेश्वर भक्त ने की। इस सत्र में मंच पर खुशबू मिश्रा, शालिनी रंजन, डॉ जफर इमाम जफर, डॉ गोरख मस्ताना, अरुण गोपाल, सत्येंद्र गोविंद, चंद्रिका राम, प्रशांत सौरभ, प्रफुल्ल तिवारी सहित अनेक कवियों ने भावपूर्ण कविताएँ प्रस्तुत कीं।

इस सत्र की विशेषता यह रही कि यह गोष्ठी केवल कविता पाठ नहीं, बल्कि कवि और श्रोता के बीच संवेदना के आदान-प्रदान का माध्यम बनी। कई रचनाएँ श्रोताओं को मौन की शक्ति और शब्दों की मर्यादा पर पुनः विचार करने के लिए प्रेरित करती रहीं।

क्षण भर को थमा समय, जब कविता ने मौन से बात की

यह आयोजन "क्षितिज झा साहित्यिक-सांस्कृतिक वितान" के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसने एक बार फिर यह प्रमाणित किया कि बेतिया जैसे नगरों में साहित्यिक चेतना कितनी सशक्त और जीवंत है। डॉ किशोर आनंद, जय किशोर जय, ज्योति शंकर गिरी सहित कई सक्रिय साहित्य-सेवियों की उपस्थिति ने आयोजन को स्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में लेखक चन्दन कुमार झा ने कहा – "यह पुस्तक मेरे भीतर के मौन की यात्रा है, जो कभी संवाद बनकर फूटी, कभी अश्रु बनकर बही। यदि पाठक इसमें अपना मौन पहचान पाएं, तो वही मेरा सृजन सार्थक है।"

एक निष्कर्ष : जब शब्द मौन को सुनते हैं...

"उत्तर देता मौन" केवल एक काव्य संग्रह नहीं, बल्कि हमारे समय की सबसे बड़ी सच्चाई का रेखांकन है – कि अब शब्दों के कोलाहल में मौन ही सच्चा उत्तर है। यह आयोजन उस मौन की सार्वजनिक उद्घोषणा था, जिसमें कविता ने समाज से कहा –"मैं अब भी बोलती हूँ, भले ही चुप हूँ।"

मिश्रा मोटर्स सुनहरी ई रिक्शा एजेंसी का उदघाटन

संवाद संचार संवाददाता

चौतरवा। चौतरवा- लौरिया एन एच 727 मुख्य मार्ग में चौतरवा कोट माई स्थान के समीप मिश्रा मोटर्स सुनहरी ई रिक्शा एजेंसी का उदघाटन पतिलार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अभिषेक मिश्रा एवं जिला परिषद क्षेत्र संख्या छह प्रतिनिधि सोनू यादव ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उदघाटन किया,प्रोपराइटर त्रियुगी नारायण मिश्रा एवं दुर्गा शंकर मिश्रा ने बताया की यह कंपनी का ई रिक्सा काफी मजबूत और लम्बी से लम्बी दूरी तय कर सकती हैं इसमें कई तरह की किम्मते वाले ई रिक्सा हैं इन सभी का बैट्री भी काफी मजबूत एवं टिकाऊ है,वहीं ई रिक्सा एजेंसी खुल जाने से ग्राहकों को काफी सहूलियत होगी क्षेत्र के बुद्धिजीवी,समाजसेवी लोगो का कहना है की यह बहुत जरूरी थी लोगो को काफी दूरी तय कर ई रिक्सा खरीदने जानी पड़ती थी जिससे निजात मिली है सबसे बड़ी बात यह है की इस एजेंसी में मरम्मती का भी व्यवस्था एवम इसका पार्ट भी मिलेगी ग्राहको को इसकी समस्या दूर करने की कोशिश की जाएगी मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी लोग काफी संख्या में मौजूद थे।

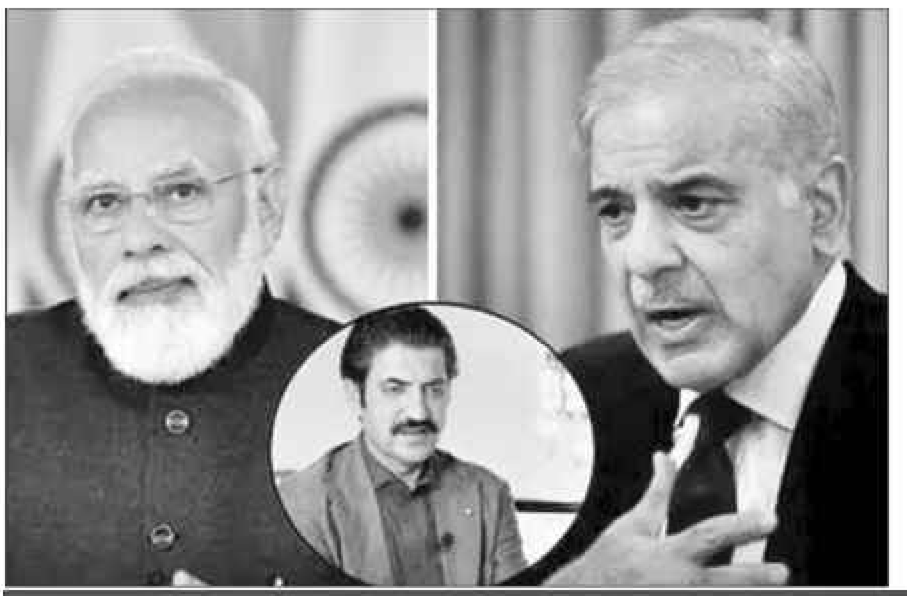

पाक सांसद बोले-पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं, जो मेरा कहना मान जाएंगे

इस्लामाबाद

भारत की ताकत और युद्ध की तैयारियों को देखकर पाकिस्तान डरा हुआ है और वहां के नेता भागने की फिराक में हैं। पाकिस्तानी सांसद शेर अफजल खान मारवत ने साफ कह दिया कि हम तो इंग्लैंड चले जाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तानी सरकार पीएम नरेंद्र मोदी से बात करके रास्ता निकाल ले। इस पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं हैं जो हमारे कहने पर शांत हो जाएंगे। बता दें कि भारत ने हाल ही में पाकिस्तान से होने वाले सभी आयात पर प्रतिबंध, पाकिस्तान के स्वामित्व वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों पर डॉकिंग पर रोक और देश में पाकिस्तानी डाक और पार्सलों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंकाएं गहराती जा रही हैं। इस बीच पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य शेर अफजल खान मारवत के एक बयान ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि यदि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ जाए, तो वे क्या करेंगे। मारवत ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, अगर युद्ध बढ़ा तो मैं इंग्लैंड चला जाऊंगा।यह बयान कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने पाकिस्तान की राजनीति पर तंज कसते हुए कहा कि जब नेताओं को अपनी सेना पर भरोसा नहीं है, तो आम जनता क्या उम्मीद करे

एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तनाव कम करने के लिए संयम बरतना चाहिए तो मारवत ने व्यंग्यपूर्ण अंदाज में कहा, मोदी क्या मेरा खाला का बेटा है जो मेरे कहने से पीछे हट जाएगाशेर अफजल खान मारवत पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से जुड़े रहे हैं, लेकिन हाल के समय में उन्होंने पार्टी और नेतृत्व की आलोचना की। इससे नाराज होकर इमरान खान ने उन्हें पार्टी के कई अहम पदों से हटा दिया था। बता दें कि शनिवार रात पाकिस्तान की सेना ने जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों जिनमें कुपवाड़ा, बारामुला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर शामिल हैं, में छोटे हथियारों से फायरिंग कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। यह लगातार दसवीं रात है जब सीमा पर पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की गई।

न्यूज़ ब्रीफ

एफबीआई डायरेक्टर ऑफिस में कम नाइटक्लबों में ज्यादा बिता रहे समय

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिष्ठित जांच एजेंसी एफबीआई पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खासतौर से भारतीय मूल के एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल सुर्खियों में है। उन पर आरोप है कि वे अपने ऑफिस के बजाय नाइटक्लबों में ज्यादा समय बिता रहे हैं। दावा एफबीआई के पूर्व सहायक निदेशक और खुफिया मामलों के विशेषज्ञ फ्रैंक फिग्लियुज्जी ने किया है। फ्रैंक ने कहा कि एफबीआई मुख्यालय के अंदर इस समय माहौल पूरी तरह 'अराजक' है। एफबीआई के पूर्व सहायक निदेशक ने काश पटेल पर लगाए गंभीर आरोप भारतीय मूल के काश पटेल को फरवरी 2025 में एफबीआई का निदेशक बनाया गया था। यह पद बहुत अहम होता है, क्योंकि एफबीआई अमेरिका की सबसे बड़ी जांच एजेंसी है, लेकिन हाल ही में फ्रैंक ने दावा किया कि काश पटेल अपने ऑफिस में कम और नाइटक्लबों में ज्यादा समय बिताते हैं। उन्होंने कहा कि काश पटेल को वाशिंगटन डीसी में एफबीआई मुख्यालय की सातवी मंजिल पर कम ही देखा जाता है। इसके अलावा, यह भी बताया गया कि काश पटेल अक्सर लास वेगास में अपने घर से काम करते हैं और वहां से ही कई बार ऑफिस का काम संभालते हैं। अब काश पटेल को दी जाने वाली ब्रीफिंग्स की संख्या घटाकर सप्ताह में सिर्फ दो बार कर दी गई है। रिपोर्टों के मुताबिक काश पटेल पिछले कुछ हफ्तों से वाशिंगटन डीसी में कम और अपने लास वेगास स्थित घर में समय बिता रहे हैं। कुछ खबरों में यह भी कहा गया कि वे सरकारी विमानों का इस्तेमाल निजी यात्राओं के लिए कर रहे हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने बदले सुर, कहा-युद्ध हुआ तो किसी के पक्ष में नहीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि यदि दक्षिण एशिया में दो देशों के बीच में युद्ध हुआ तो नेपाल किसी भी एक देश का पक्ष नहीं लेगा। नेपाल किसी एक देश के लिए दूसरे देश से दुश्मनी नहीं कर सकता। रविवार की सुबह अपनी पार्टी की संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि नेपाल हमेशा ही शांति के पक्ष में रहा है और आगे भी रहेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री की यह अभिव्यक्ति चिंताजनक है। भारत-पाकिस्तान को बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की दी नसीहत उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में युद्ध का माहौल बन रहा है। ऐसे में नेपाल न किसी देश के पक्ष में रहने वाला है और न ही किसी देश के खिलाफ रहने वाला है। नेपाल असंलग्न विदेश नीति का समर्थन करता है, इसलिए युद्ध की अवस्था में वो किसी भी सैन्य गठबंधन का समर्थन नहीं कर सकता है।

प्रजनन क्षमता पर गंभीर असर डाल रही विटामिन डी की कमी

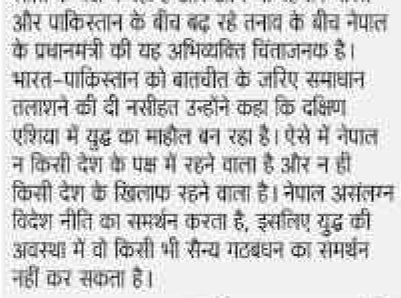

वॉशिंगटन। यूएस स्थित नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, विटामिन डी को केवल हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि प्रजनन स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए भी जरूरी माना गया है। इस विटामिन की कमी महिलाओं में ओवुलेशन को प्रभावित करती है, जिससे प्रेग्नेंसी कंसीव करना मुश्किल हो सकता है। शोध में पाया गया है कि विटामिन डी का स्तर महिला के एग की गुणवत्ता और ओवुलेशन की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। यही नहीं, इसकी कमी से एंडोमेट्रियोसिस और पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) जैसी समस्याएं भी हो सकती है, जो फर्टिलिटी को और बिगाड़ देती हैं। पुरुषों के लिए भी विटामिन डी उतना ही जरूरी है। एक अध्ययन में सामने आया कि जिन पुरुषों में इस विटामिन की कमी थी, उनमें स्पर्म काउंट और स्पर्म मोटिलिटी यानी गतिशीलता काफी कम थी। यह सीधे तौर पर टेस्टोस्टेरोन हार्मोन को भी प्रभावित करता है, जो यौन क्षमता और फर्टिलिटी दोनों के लिए अहम होता है। जब टेस्टोस्टेरोन का स्तर गिरता है, तो इससे पुरुषों की प्रजनन शक्ति पर बुरा असर पड़ता है। विटामिन डी भ्रूण के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है, इसलिए इसकी कमी को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सिंगापुर आम चुनाव 2025 : पीएम लॉरेंस वोंग की पीएपी को मिला दो-तिहाई बहुमत

सिंगापुर में सत्तारूढ़ पार्टी को बहुमत, सत्ता में छह दशक का विस्तार

सिंगापुर

सिंगापुर में हुए आम चुनावों में सत्तारूढ़ पीपल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने एक बार फिर भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज की है, जिससे उसका छह दशकों से चला आ रहा सत्ता का सिलसिला और मजबूत हुआ है। यह चुनाव प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व में पार्टी का पहला चुनाव था, जिन्होंने मई 2024 में ली सीन लूंग के स्थान पर पदभार संभाला था। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व वाली पीपल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया है। पीएपी ने 97 में से 87 सीटों पर जीत हासिल की, जिसमें से 5 सीटें बिना विरोध के जीती गई। जबकि मुख्य विपक्षी दल वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) ने अपनी 10 सीटों को बरकरार रखा। यह परिणाम 2020 के चुनावों से बेहतर है, जब पीएपी ने 83 सीटें जीती थीं। पीएपी की यह ऐतिहासिक जीत देश की स्थिरता और राजनीतिक भरोसे को दर्शाती है, जहां पार्टी आजादी के बाद से सत्ता में बनी हुई है। इस चुनाव में कुल 2.6 मिलियन (26 लाख) नागरिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 65.57 प्रतिशत मत पीएपी के खाते में गए। चुनाव परिणाम आने के बाद, प्रधानमंत्री वोंग ने मार्सिलिंग-यू टी जीआरसी सीट से मिली जीत को अपने लिए एक विनम्र अनुभव बताया। उन्होंने देशवासियों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम आपके मजबूत जनादेश के लिए कृतज्ञ हैं। हम इस विश्वास को निभाने के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे।

52 वर्षीय वोंग ने ऐसे समय पर यह चुनाव लड़ा जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों की वजह से दबाव में है। उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण वातावरण में देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने का भरोसा दिया। वोंग ने युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया का प्रभावी इस्तेमाल किया। चुनाव में उनके नेतृत्व को व्यापक जनसमर्थन मिला, जिससे पीएपी की मजबूत पकड़ एक बार फिर सिद्ध हुई है।

भारत से डरे पाकिस्तान ने अब लगाई तुर्किये के सामने गुहार

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा दिखाए जा रहे कड़े रुख से पाकिस्तान खासा भयभीत है। अंतर्राष्ट्रीय जगत से लगातार गुहार लगा रहा है। अब पाकिस्तान ने तुर्किये के सामने घड़ियाली आंसू बहाते हुए मदद की गुहार लगाई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने शनिवार की देर रात इस्लामाबाद में तुर्किये के राजदूत डा. इरफान नेजिरोग्लू से बात की। सफाई देते हुए कहा कि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। साथ ही प्रस्ताव रखा कि वह इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय देशों की टीम से जांच को तैयार हैं। इस जांच टीम में तुर्किये भी शामिल हो और पाकिस्तान को न्याय दिलाए। पाकिस्तान अखबार डान के मुताबिक तुर्किये के राजदूत से बात कर पाकिस्तान ने अपना पक्ष उनके सामने रखा है गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक ओर सेना को कार्रवाई की कड़ी छूट दे दी है, वहीं सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया है। इसके अलावा भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों को निकाल बाहर किया है। सभी व्यापारिक गतिविधियों के साथ ही डाक सेवा और हवाई उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके चलते पाकिस्तान में कोहराम मच गया है।

पहलगाम पर पाकिस्तान बोला-निष्पक्ष जांच हो, यूएनएससी में भी मामला उठाने की हो रही बात

इस्लामाबाद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की जान जाने के बाद भारत के कड़े रुख के संकेत मिले, जिससे पाकिस्तान में भी राजनीतिक और सैन्य हलचल मची हुई है। भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई के बीच पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामले को ले जाने और सहानुभूति जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा था, कि वह सुरक्षा परिषद में इस मामले को उठाने का अधिकार रखता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर नजर रखे हुए है और यदि जरूरी हुआ तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। यह बात असीम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कही थी और बताया था कि यह स्पष्ट है कि पहलगाम में एक गंभीर घटना घटी है, लेकिन अब जो स्थिति बनी है, वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन सकती है। परिषद के किसी भी सदस्य के लिए इस विषय पर चर्चा की मांग करना पूरी तरह से उचित होगा। इसके साथ ही पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ भारत में सुरक्षा एजेंसियों को इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के संलिप्त होने के स्पष्ट संकेत मिले हैं। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा तीसरे पक्ष से 'निष्पक्ष जांच' की मांग को भारत छलावा मान सकता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान जुलाई 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। ऐसे में वह इस मंच का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने और भारत पर दबाव बनाने के लिए करना चाहता है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस पुराने बयान को लेकर भी सवाल उठे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान तीन दशक तक अमेरिका और पश्चिम के लिए गंदा काम करता रहा है।

पाकिस्तान ने भारत को फिर दी परमाणु हमले की गीदड़ भभकी

मास्को

पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत को परमाणु हमले की गीदड़ भभकी दी है। रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने कहा कि यदि भारत हमला करता है तो उनका देश परमाणु हमला करेगा। रसिया टीवी के मुताबिक पाकिस्तान के राजदूत ने दावा किया है कि भारत जल्द ही उनके देश के कुछ हिस्सों पर हमला कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तान मूकदर्शक नहीं रहेगा। पाकिस्तान भी पूरी ताकत के साथ इसका मुकाबला करेगा। जरूरत पड़ने पर परमाणु हमले का भी विकल्प खुला है। गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी भी भारत पर परमाणु हमले की धमकी दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि शाहीन, गौरी और गजनवी जैसी मिसाइलें चौराहों पर सजाने के लिए नहीं रखी हैं। यह सभी भारत के लिए ही हैं।

पोप बनने की ख्वाहिश के बीच ट्रंप का बन गया तमाशा, सोशल मीडिया पर हंगामा

वाशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक एआई- जनरेटेड तस्वीर साझा की जिसमें वह पोप की वेशभूषा में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि उनके गले में क्रॉस लटका हुआ है और सिर पर सफेद टोपी लगी हुई है। इस तरह ट्रंप पूरी पोप जैसी पोशाक में नजर आए हैं।

खास बात यह है कि एआई-जनरेटेड यह फोटो व्हाइट हाउस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से भी साझा की गई, जिससे विवाद और बढ़ गया। यह तस्वीर तब सामने आई जब पोप फ्रांसिस के निधन को कुछ ही दिन हुए थे (22 अप्रैल को, 88 वर्ष की उम्र में)। 26 अप्रैल को ट्रंप उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। लेकिन इसके बाद उनका यह कदम राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर सवाल उठा रहा है।

इस विवाद के पीछे की पृष्ठभूमि यह है कि एक पत्रकार को जवाब देते हुए ट्रंप ने कुछ दिन पहले मजाक में कहा था- कि मैं अगला पोप बनना पसंद करूंगा। इस टिप्पणी को पहले हल्के हास्य के रूप में देखा गया था, लेकिन अब एआई-फोटो के साथ यह बयान अहंकार और असंवेदनशीलता के रूप में देखा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर आ रहीं प्रतिक्रियाएं

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस फोटो को लेकर कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। एक यूजर ने लिखा, यह चर्च और खुद भगवान का अपमान है। ट्रंप शैतान हैं। वहीं एक अन्य यूजर लिखता है, यह बेहद आत्ममुग्ध और असम्मानजनक है, रिपब्लिकन ऐसे व्यक्ति को वोट देते हैं हास्य-व्यंग्य वाली प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इसमें कुछ हंसने-हसाने वाले मीम्स वायरल हुए हैं। कुछ समर्थकों ने इसे राजनीतिक व्यंग्य और सत्ता की महत्वाकांक्षा के प्रतीक के रूप में देखा है।

रूस की विक्ट्री परेड में शामिल होने वाले मेहमानों को हो सकता है खतरा: जेलेंस्की

कीव

रूस में नौ मई को होने जा रही 80वीं विक्ट्री परेड में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए जान का खतरा हो सकता है। इस तरह की धमकी यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने दी है। उन्होंन रूस द्वारा तीन दिवसीय सीज फायर के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है।

आरबीसी न्यूज पोर्टल के मुताबिक जेलेंस्की ने साफ तौर पर चेतावनी भी दी है कि रूस की विक्ट्री परेड में आने वाले मेहमानों की सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। विक्ट्री परेड के दौरान यदि कुछ हुआ तो उसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी। पुतिन द्वारा नाजी जर्मनी के ऊपर जीत के उपलक्ष में तीन दिन का युद्ध विराम का प्रस्ताव देना एक मजाक भर है। यह प्रस्ताव रूस द्वारा एक धोखा देने के सिवाय कुछ भी नहीं हैं।

गौरतलब है कि दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर अपने जीत के 80 साल पूरे होने पर रूस द्वारा विक्ट्री परेड का आयोजन किया जा रहा है।

इसका मुख्य कार्यक्रम मास्को रेड स्क्वायर पर होगा। इस आयोजन को देखते हुए रूस द्वारा तीन दिन के सीज फायर का प्रस्ताव बीते दिन दिया गया था। उधर इस परेड में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी न्यौता मिला है, लेकिन वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। उसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जाने की बात आई थी, लेकिन वह भी इसमें भाग नहीं लेंगे।

अलौकिक खूबसूरती की वजह से चर्चा में चाइनीज लड़की

बीजिंग। चीन की 20 वर्षीय लड़की अपनी अलौकिक खूबसूरती की वजह से चर्चा में है। सिचुआन प्रांत की रहने वाली इस लड़की का नाम शेन्यु है। हाल ही में एक इवेंट में वह जब वेडिंग ड्रेस पहनकर पहुंची तो लोगों की नजरें उस पर थम गई। वह स्कूल ऑफ स्पेशल एजुकेशन आर्ट की एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स में पढ़ाई कर रही है। सोशल मीडिया पर जैसे ही उसकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, लोग हैरान रह गए। उसकी खूबसूरती को देखकर बहुत से लोगों ने यह तक कह दिया कि यह कोई असली इंसान नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार की गई तस्वीर है। शेन्यु के चेहरे की चमक, त्वचा की नमी, बालों की लंबाई और आंखों की गहराई को देखकर कई यूजर्स को विश्वास ही नहीं हुआ कि ऐसा लुक किसी असली लड़की का हो सकता है। देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया और इसे 3 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग उसकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठा रहे हैं कि क्या ये तस्वीरें असली हैं या फिर एआई की देन इस वायरल होते वीडियो के बीच शेन्यु की असली कहानी ने लोगों को भावुक कर दिया। दरअसल, वह न सुन सकती है और न ही बोल सकती है। वह दो साल की उम्र से ही श्रवण बाधित है और इसी वजह से एक विशेष स्कूल में पढ़ाई कर रही है। उसने बताया कि लोग उसकी तस्वीरों को देखकर उसे नकली समझ रहे हैं जबकि उसने सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव कराए हैं। उसने साफ किया कि उसने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई है। उसने केवल डबल आईलिड सर्जरी, राइनोप्लास्टी, चीक फिलर्स और हेयर ट्रांसप्लांट जैसे कॉस्मेटिक प्रोसीजर अपनाए हैं। लेकिन उसकी मूल संरचना पूरी तरह प्राकृतिक है।

संपादकीय

विरासत सहेजने में संजीदगी का सवाल

किसी भी देश या समाज की धरोहर उसके लिए न केवल गर्व का विषय, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी होती है। ये धरोहरें ही हैं जो राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आदि सभी क्षेत्रों में नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। वैसे ये मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं- मूर्त और अमूर्त। मूर्त धरोहर हमारी वे विरासत होती हैं, जो दृश्यमान होती हैं, जिन्हें हम देख सकते हैं, यानी विशाल भवन, मंदिर, ऐतिहासिक स्थल, स्मारक, हस्तशिल्प, साहित्य, किले आदि। वहीं, अमूर्त धरोहरें हमारी समृद्ध परंपरा, लोकगीत, लोक-कथाएं, विश्वास, ज्ञान, भाषा और संस्कार आदि होती हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक परिषद (यूनेस्को) ने धरोहर ने धरोहरों को तीन प्रकार का बताया है- प्राकृतिक विश्व धरोहर श्रेणी, सांस्कृतिक विश्व धरोहर श्रेणी और मिश्रित विश्व धरोहर श्रेणी । इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और हमारी पहचान को बनाए रखने में इन धरोहरों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए इनके संरक्षण का दायित्व केवल सरकारों या यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्थाओं का नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इनके संरक्षण को लेकर सावधान और र जागरूक रहने की आवश्यकता है।

देखा जाए तो ये धरोहरें किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की नींव होती हैं। ये हजारों वर्षों के ज्ञान, अनुभव और स्मृतियों का अनमोल उपहार या कहें कि खजाना होती हैं। मानव है। समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक का परिचायक भी होती हैं।

हमारी धरोहर हमें इतिहास से जोड़ती विविधता का है। । किसी भी देश और समाज की पहचान, वहां की सभ्यता, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास आदि को न केवल जानकारी इन धरोहरों के माध्यम से प्राप्त होती है, बल्कि ये उन्हें हमेशा सजीव बनाए रखने का कार्य भी करती हैं। मानव सभ्यता और संस्कृति की 'मूल' ये धरोहरें अब हमारे गौरव और पहचान का ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी जरिया बन रही हैं। दरअसल, इन धरोहरों को देखने और समझने के लिए र लाखों पर्यटक प्रति वर्ष एक राज्य से दूसरे राज्य और एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं। इतना ही नहीं, ये धरोहर विभिन्न देशों, महाव भिन्न देशों, समाज, समुदायों, सभ्यताओं और संस्कृतियों के बीच बेहतर संबंध बनाने में भी बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कई बार तो दो देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों को भी ये मधुर एवं सुगम बनाने में सहायक साबित होती हैं। सच कहा जाए तो, इन सभी विशेषताओं के कारण ही आज दुनिया भर में धरोहरों के प्रति लोगों की ओर से प्रायः सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने लगे हैं। ड्ड विश्व धरोहर दिवस की की स्वीकार किए गए एक परत आत यूनेस्को द्वारा 1983 के अप्रैल महीने में से ई थी। इसके अंतर्गत 'अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद' (आइसीओएमओएस) की ओर से यह मांग की गई थी कि विश्व की सभी सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं मिश्रित धरोहरों के संरक्षण और उनके प्रति सामान्य स्तर पर मानवीय जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाने का प्रावधान किया जाए। यूनेस्को ने भविष्य की पीढ़ियों को अपने पुरखों से मिली सांस्कृतिक धरोहरों से परिचय कराने तथा उनके प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए इस दिवस की रूपरेखा तैयार की और 'विश्व विरासत या धरोहर दिवस' के रूप । इसे मान्यता प्रदान की थी तब से प्रति वर्ष 'विश्व धरोहर दिवस' या 'विश्व स्मारक एवं स्थल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

सामान्यतः यूनेस्को द्वारा प्रति वर्ष एक खास दिन यानी 18 अप्रैल को विश्व के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है और लोगों को इनके संबंध में बताया जाता है। इनके संरक्षण एवं संवर्द्धन पर चर्चा की जाती है। साथ ही, इसी भावना के अनुरूप यूनेस्को द्वारा दुनिया भर की विभिन्न धरोहरों को चिह्नित कर उनकी एक 'विश्व धरोहर सूची' भी बनाई जाती है। इस सूची में शामिल की जाने वाली धरोहरों के संरक्षण के लिए यूनेस्को की ओर से सहायता भी दी जाती है।

हालांकि, विश्व धरोहर दिवस मनाने को लेकर पहला प्रयास 1972 स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किया गया, जब संयुक्त राष्ट्र की मौजूदगी में विश्व प्रसिद्ध भवनों एवं प्राकृतिक स्थलों की रक्षा के लिए चर्चा की गई। फिर एक प्रस्ताव पारित हुआ और विश्व के लगभग सभी देशों ने मिल कर दुनिया भर के ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को बचाने की शपथ ली। इस प्रकार, 'यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर' अस्तित्व में आया। उसके बाद 18 अप्रैल, 1978 को पहली बार विश्व कुल बारह स्थलों को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया। तब इस दिन को 'विश्व स्मारक दिवस' के रूप में मनाया जाता था। मैं यूनेस्को द्वारा स्वीकृत कुल 43 विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें से 35 सांस्कृतिक महत्त्व के लिए नामित हैं, जबकि सात स्थल प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व भर में पहचाने जाते हैं। वहीं, एक अन्य विश्व धरोहर स्थल को संस्कृति एवं प्रकृति के मिश्रित स्वरूप के लिए दुनिया भर में सराहा जाता है, और वह है- कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान दुनिया में केवल पांच देश ऐसे हैं, जिनके पास भारत से अधिक विश्व धरोहर स्थल मौजूद हैं। हमारे लिए गर्व की बात यह भी है कि यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के छियालीसवें सत्र का आयोजन पिछले वर्ष भारत की राजधानी दिल्ली में किया गया, जिसकी अध्यक्षता भारत ने की।

पिछले वर्ष 26 को 'असम में मोइदाम' को विश्व धरोहर समिति द्वारा भारत के तैंतालीसवें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में चिह्नित किया गया। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल होने वाले असम के ये मोइदाम राज्य के पहले सांस्कृतिक स्थल हैं। चराइदेव या चराइदेउ जिले में स्थित मोइदाम, अहोम राजवंश के अहम स्थल हैं, जिनमें ताई- अहोम के राजाओं और राजघराने के सदस्यों के अवशेष दफन हैं। ये मोइदाम पिछली छह शताब्दियों में अहोम राजवंश की सांस्कृतिक एवं वास्तु कला की प्रगति के प्रमाण रहे हैं।

अपनी सैन्य क्षमताओं में वृद्धि कर रहा भारत!

सुनील कुमार महला

भारत अपनी सैन्य क्षमताओं में लगातार वृद्धि कर रहा है। इस क्रम में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारत और फ्रांस ने हाल ही में राफेल मरीन विमान के ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने इस डील को हरी झंडी भी दिखा दी है। गौरतलब है कि आईजीए पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के सशस्त्र सेना मंत्री सेबास्टियन लेकोर्नु ने हस्ताक्षर किए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह भारत की फ्रांस के साथ अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील है, जिसके अंतर्गत भारत, फ्रांस से 26 राफेल मरीन विमान खरीदेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों(भारत-फ्रांस) के बीच यह डील 63000 करोड़ रुपए में साइन की गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस राफेल डील में हथियार, उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और क्रू ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट भी शामिल होगा। कहना गलत नहीं होगा कि भारत की फ्रांस से 26 राफेल एम (मरीन) की खरीद के समझौते पर हुए हस्ताक्षर रणनीतिक रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारत और फ्रांस के बीच जो डील(सौदा) हुआ है उसके मुताबिक भारतीय नौसेना को फ्रांस द्वारा 26 राफेल मरीन फाइटर जेट उपलब्ध कराए जायेंगे, तथा इनमें से 22 फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे। वहीं, नौसेना को चार ट्विन-सीटर वेरिएंट के ट्रेनिंग राफेल विमानों की डिलीवरी भी दी जाएगी। कहना गलत नहीं होगा कि भारत और फ्रांस के बीच यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ(पहलगाम हमले के बाद) सख्त रुख अपनाया है, जिसके चलते पाकिस्तान में काफी बेचैनी है। पाकिस्तान इन दिनों नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है और भारतीय सेना पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है। इसी बीच भारतीय नौसेना के बेड़े में राफेल विमान शामिल हो जाने से भारत की शक्ति और अधिक बढ़ जाएगी गौरतलब है यह देश के नौसैनिक बलों के लिए पहला बड़ा लड़ाकू विमान अपग्रेड है। हालाँकि, यह बात अलग है कि अभी इन विमानों की डिलीवरी में कुछ वर्षों का समय लगेगा। जानकारी के अनुसार पहले राफेल (एम) फाइटर जेट की डिलीवरी वर्ष 2028-29 में होगी। इसके बाद वर्ष 2031-32 तक नौसेना को सभी विमानों की आपूर्ति कर दी जाएगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन्हें(राफेल विमानों को) मुख्य रूप से, स्वदेशी रूप से निर्मित विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किए जाएंगे। वास्तव में इन विमानों

को युद्ध पोत पर तैनात करने के हिसाब से ही डिजाइन किया गया है तथा फ्रांस की सेना पहले से ही इनका इस्तेमाल कर रही है। इससे (इस सौदे से) जहां एक ओर भारत जहां हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नजर रख सकेगा। वहीं, दुसरी ओर भारत पाकिस्तान की हरकतों का भी मुंहतोड़ जवाब और अधिक शक्ति से दे सकेगा। इन विमानों की सहायता से भारत न केवल पाकिस्तान बल्कि पड़ोसी चीन के नापाक मंसूबों पर भी भारत पानी फेर सकेगा, जैसा कि चीन भी समय समय पर सीमा पर भारत को आंख दिखाता रहता है और घुसपैठ की वारदातों को अंजाम देता रहता है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे भारतीय नौसेना की समुद्री हमले की क्षमताओं को और अधिक मजबूती मिल सकेगी गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना के पास भी राफेल विमानों के बेड़े है। वास्तव में, भारत के पास पहले से ही 36 राफेल विमान हैं। पाठकों को बताता चलूं कि साल 2016 में ही इन विमानों के लिए फ्रांस की कंपनी के साथ डील हुई थी तथा भारत की फ्रांस के साथ इस नई डील के बाद भारत में राफेल की संख्या बढ़कर 62 हो जाएगी। आज भारत 'मेक इन इंडिया' पर लगातार जोर दे रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने पिछले एक दशक में अपनी सैन्य ताकत को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित किए गए घातक हथियार न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि पड़ोसी देशों विशेषकर पाकिस्तान और चीन के लिए एक बड़ी चुनौती भी पेश करते हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों की बात करें तो इनमें क्रमशः अग्नि-5 मिसाइल(8,000 किमी तक मार करने की क्षमता),ब्रह्मोस(दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल),एच एसटीडीवी (7 मैक गति वाली हाइपरसोनिक मिसाइल),प्रलय मिसाइल(दुश्मन के बंकरों और कमांड सेंटरों के लिए घातक),निर्भय क्रूज मिसाइल(छुपकर हमला करने में माहिर),के-9 वज्र(स्वचालित तोपों का राजा),पिनाका(बारूद की बारिश करने वाला सिस्टम),अर्जुन टैंक(जमीनी युद्ध का विशेषज्ञ),एंटी-सैटेलाइट मिसाइल(अंतरिक्ष में दबदबा) शामिल हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज भारत रक्षा ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक हथियारों (अस्त्र-शस्त्र) का निर्माण आज भारत में होने लगा है और भारत इनका निर्यात भी करने लगा है, लेकिन हमारी सैन्य सामग्री की आवश्यकताओं के चलते अब भी अरबों रुपयों की खरीद(हथियारों/विमानों) विदेशों से करना जरूरी है। यही कारण है कि साल 2016 में फ्रांस से 60,000 करोड़ रुपयों में 36 मल्टीरोल राफेल लड़ाकू विमान खरीद लेने के नौ साल बाद अब साल 2025 में भारत ने एक नये रक्षा सौदे के अंतर्गत फ्रांस से ही 26 राफेल एम विमानों की खरीद पर 63,000 करोड़ रुपये खर्च करने का समझौता किया है। वास्तव में,भारतीय पोतों और उनके कार्मिकों की सुरक्षा तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप एवं हजारों मीलों तक फैले तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता में लगातार वृद्धि जरूरी है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आज की तारीख में दुनिया के नौ देशों के पास परमाणु हथियार हैं और इन नौ देशों में रूस, अमेरिका, चीन, भारत, पाकिस्तान, फ्रांस, यूके, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया शामिल हैं। एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार ग्लोबल फायरपावर 2025 के अनुसार, दुनिया के 145 शक्तिशाली देशों की सूची में चीन तीसरे स्थान पर है, वहीं भारत का स्थान चौथा है। यहां पर यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारतीय सेना के पास 4201 टैंक हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 6800 टैंक हैं।भारतीय सेना के पास 148594 आर्मर्ड व्हीकल हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 144017 आर्मर्ड व्हीकल हैं।भारतीय सेना के पास 3975 टो आर्टिलरी हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 1000 टो आर्टिलरी हैं।भारतीय सेना के पास 264 रॉकेट लॉन्चर हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 2750 रॉकेट लॉन्चर हैं।भारतीय सेना के पास 264 रॉकेट लॉन्चर हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 2750 रॉकेट लॉन्चर हैं।भारतीय वायुसेना के पास कुल विमानों की संख्या 2229 है।

वहीं, चीनी वायुसेना के कुल विमानों की संख्या 3309 है। हिंदी दैनिक लिखता है कि भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमानों की संख्या 513 है। वहीं, चीनी वायुसेना में लड़ाकू विमानों की संख्या 1212 है।भारतीय वायुसेना में हमलावर विमानों की संख्या 130 है। वहीं, चीनी वायुसेना में हमलावर विमानों की संख्या 371 है।भारतीय नौसेना की फ्लीट स्ट्रेंथ 293 है। वहीं, चीनी नौसेना की फ्लीट स्ट्रेंथ 754 है।भारतीय नौसेना के पास 18 पनडुब्बियां हैं। वहीं, चीनी नौसेना के पास 61 पनडुब्बियां हैं।भारतीय नौसेना के पास 13 विध्वंसक हैं। वहीं, चीनी नौसेना के पास 50 विध्वंसक हैं। जाहिर है कि यह खाई पाटना कोई एकाध दिन की बात नहीं है। भारत को विभिन्न स्तरों पर इसके लिए प्रयास करना है। इस दृष्टि से भारत का फ्रांस से राफेल एम की खरीद का निर्णय सामरिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण व बड़ा कदम है। हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि भारत की सैन्य क्षमता पाकिस्तान के मुकाबले पहले से ही बहुत मजबूत है, लेकिन आज की स्थितियों में भारत को अपनी सैन्य क्षमता इसलिए भी बढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि भारत अनेक मोर्चों पर आज चीन की विस्तारवादी नीतियों और पाकिस्तान की साम्प्रदायिकता मानसिकता की ताकतों का लगातार मुकाबला कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हिंद महासागर में चीन की गतिविधियां, विशेष रूप से उसकी नौसैनिक और रणनीतिक उपस्थिति, काफी बढ़ रही हैं। पाठक जानते होंगे कि जब श्रीलंका आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा था, उस समय हंबनटोटा को 99 साल के लिए चीन को पट्टे पर दिया जाने ने यह दिखाया कि बीजिंग किस तरह से बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव को हथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि चीन को कड़ा संदेश देने की दृष्टि से भी भारत को अत्याधुनिक हथियारों की संख्या बढ़ाने की आज आवश्यकता है। गौरतलब है कि चीन म्यांमार में क्यौकप्यू में एक गहरे समुद्र बंदरगाह का निर्माण कर रहा है। यह परियोजना भारत के लिए एक रणनीतिक चिंता का विषय है क्योंकि यह चीन के 'मोतियों की माला' रणनीति के तहत बनाई जा रही है, जिसका उद्देश्य भारत को घेरना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि 'मोतियों की माला' के तहत चीन भारत के आसपास के देशों में बंदरगाहों का निर्माण कर रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन पहले ही पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में निवेश कर चुका है। इतना ही नहीं, चीन द्वारा मालदीव के मराओ अटोल में भी बंदरगाह का निर्माण किया गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे चीनी नौसेना की उपस्थिति से भारत की तटीय सुरक्षा पर कहीं न कहीं चिंता पैदा हुई है। अतः वर्तमान में भारत की फ्रांस के साथ यह राफेल डील बहुत ही महत्वपूर्ण और जरूरी थी। निश्चित ही इस डील से भारत रक्षा के क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान को कड़ी टक्कर (यदि जरूरत पड़ती है तो) दे सकेगा। हालांकि भारत हमेशा शांति, संयम और सौहार्द को तवज्जो देता आया है और वह पंचशील के सिद्धांतों (एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना,आक्रामक कार्रवाई से बचना,एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना,समानता और पारस्परिक लाभ की नीति तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व)में विश्वास करता है।

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

ललित गर्ग

'कबाड़ से जुगाड़' सिर्फ एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। 'कबाड़ से जुगाड़' का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां 'कबाड़ से जुगाड़' के उपक्रम को दर्शाती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ग्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण हैं। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड़ से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाड़ू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर यह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सार्वजनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है।

खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ग्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह 'जुगाड़' मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं की ओर तेजी से बढ़ रही है, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एवं इलेक्ट्रोनिक क्रांति ने लोगों के जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था एवं जीवन का डिजिटल अवतार इलेक्ट्रोनिक कचरे की शक्ल में एक नयी चुनौती एवं जटिल समस्या को लेकर आया है। घरों में इस्तेमाल होनेवाले कूलर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं के अलावा कार्यालय में लैपटॉप, कम्प्यूटर, मोबाइल, डिजिटल घड़ी, टीवी तय समय के बाद ई-कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं। इस ई-कचरे का निपटान बड़ी समस्या है। इसी क्रम में पूर्व दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

बदलती जीवनशैली के साथ बदल गये हैं रसोई के बर्तन !

सुनील कुमार महला

खान-पान के लिहाज से भारतीय संस्कृति बहुत ही धनवान या यूं कहें कि बहुत ही 'रिच'(समृद्ध) रही है।जब भी हम खान-पान करते हैं तो किसी न किसी बरतन में करते हैं। दरअसल, बर्तनों और खान-पान के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध पाया जाता है। हम चाहे घर में हों, यात्रा में हों या कहीं भी बाहर, विभिन्न धातुओं और सामग्रियों से बने बर्तनों का प्रयोग खाना खाने-पीने के लिए करते हैं। समय के साथ जैसे जैसे हम विकास की ऊंचाइयों को छूते चले जा रहे हैं, वैसे-वैसे ही हम नये युग में प्रवेश करते हुए अपने खान-पान के बर्तनों को भी बदलते चले जा रहे हैं। प्राचीन काल में मिट्टी, तांबे,कांसे, लोहे, पीतल से बने बर्तनों का प्रयोग किया जाता था, यहां तक जानकारी मिलती है कि प्राचीन काल में लोग लकड़ी तक से बने बर्तनों, जैसे कि कटोरे और प्लेटों का उपयोग भी करते थे,लेकिन आज हम प्लास्टिक, एल्युमिनियम, चीनी मिट्टी (बोन चाइना क्रॉकरी), डिस्पोजेबल आदि का प्रयोग करने लगे हैं। प्राचीन काल में भोजन परोसने और खाने के लिए बड़े पत्तों का प्रयोग किया जाता था। आज भी केले के पत्तों का प्रयोग भोजन परोसने में किया जाता है, लेकिन यह समय के साथ बहुत ही सीमित हो चुका है।सच तो यह है कि जैसे-जैसे सभ्यताएं विकसित हुईं, लोगों ने अनेक प्रकार की धातुओं से बने बर्तनों का उपयोग करना शुरू कर दिया, जो भोजन परोसने और खाने के लिए अधिक सुविधाजनक, सुंदर और अच्छे थे। दरअसल, प्राचीन समय में भोजन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन और तरीकों में बहुत ही विभिन्नता थी, जो उनकी संस्कृति, जलवायु, और उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करती थी, आज विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए आधुनिक जरूर हो गए हैं, लेकिन आज बहुत सी धातुएं ऐसी आ चुकी हैं जो हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहीं हैं। मसलन, आज कुकवेयर पर नॉन-स्टिक कोटिंग, एल्युमिनियम के बर्तन, डिस्पोजेबल के बढ़ते उपयोगों से और अन्य रासायनिक उपचारों के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं और हमें अनेक प्रकार की बीमारियों का शिकार बना रहीं हैं। बढ़ते प्रदूषण, बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण के बीच आज हमारे खान-पान की संस्कृति, हमारे बर्तन बदल चुके हैं, और हम प्रकृति के सानिध्य से दूर केवल अपनी सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इन बर्तनों का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन हमें इन बर्तनों के प्रयोग,इनके फायदे और नुकसान आदि के बारे में जानकारी होनी चाहिए, ताकि हम एक सुखी, संतुलित और बेहतर जीवन जी सकें।

मिट्टी: इन बर्तनों में पोषक तत्व नष्ट नहीं होते और भोजन अधिक स्वादिष्ट बनता है। मिट्टी के बर्तन में पके हुए खाने से आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने से 100% पोषक तत्व मिलते हैं, जो हर बीमारी को शरीर से दूर रखते हैं।आयुर्वेद के अनुसार यदि भोजन को पौष्टिक और स्वादिष्ट बनाना है, तो उसे धीरे-धीरे ही पकना चाहिए और ढक्कन को हटाकर ही खुले में पकाना चाहिए, जिससे भोजन को सूर्य और पवन का स्पर्श मिल सके। भले ही मिट्टी के बर्तनों में खाना बनने में समय थोड़ा ज्यादा लगता है, परंतु इससे सेहत को पूरा लाभ मिलता है।

सोना: पहले राजा-महाराजाओं/अमीर और शाही लोगों द्वारा सोने के बर्तनों में खाना खाया जाता था, इससे तन मजबूत होता है, हमारे पाचन में सुधार होता है, हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, और मन को शांत रखने में सहायता मिलती है। आयुर्वेद में सोने को सात्विक धातु भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है शुद्ध या योग्य। सोने के बर्तन में खाना खाने से याददाश्त तेज होती है, जो कि अल्जाइमर जैसी बीमारियों में भी फायदेमंद हो सकता है। इतना ही नहीं,सोने के बर्तन में खाना खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। दरअसल,सोने के बर्तन में खाना खाने से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है, क्योंकि सोना एक निष्क्रिय धातु है, लेकिन सोने के बर्तन महंगे होते हैं, इसलिए ये सभी के लिए सुलभ नहीं होते हैं।

चांदी: चांदी के बर्तनों में खाने से मन मजबूत होता है, रक्त का प्रवाह संतुलित रहता है। चांदी के बर्तनों में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो भोजन को हवा में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया से बचाए रखते हैं।चांदी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है तथा चांदी में गैर-विषैले गुण होने के कारण, इसके बर्तनों में भोजन सुरक्षित होता है। यह खाने को ताजा रखती है।बच्चों को चांदी के बर्तन में खाना खिलाने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता रहता है, इसलिए अन्नप्राशन के समय आज भी गांव घरों में ननिहाल से चांदी के बर्तन आते हैं। इतना ही नहीं ,स्थायित्व के दृष्टिकोण से भी चांदी के बर्तन सिरेमिक और कांच के बर्तनों की तुलना में अटूट व अच्छे होते हैं।

कांसा: ऐसे अनेकों गुण हैं जो इसे आयुर्वेद में मूल्यवान बनाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, कांसा को 'सात्विक' धातु माना जाता है, जो बुद्धता, स्पष्टता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। कांसे के बर्तनों में खाना पकाने और खाने से तीन दोषों (वात, पित्त और कफ) को संतुलित करने में मदद मिल सकती है, जिससे पाचन में सुधार होता है, प्रतिरक्षा में वृद्धि होती है और अम्लता और सूजन में कमी आती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कांसे के बर्तन में खाना बनाने से केवल 3 प्रतिशत ही पोषक तत्व नष्ट होते हैं। रक्त शुद्ध होता है।कांसा कुकवेयर अम्लीय खाद्य सामग्री के साथ मिलकर भोजन को थोड़ा क्षारीय बनाता है, जो बदले में पेट के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। कांस्य में पाए जाने वाले ट्रेस मिनरल, जैसे कि तांबा और टिन, हमारी रक्त वाहिकाओं की लोच बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मिनरल रक्तचाप को नियंत्रित करने और हृदय रोग के विकास के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

तांबा : बुजुर्ग बताते हैं कि ताम्बे के बर्तन में रखा पानी पीने से व्यक्ति रोग मुक्त बनता है, जठराग्नि शांत रहती है। लीवर सम्बन्धी समस्याएं दूर होती हैं, ताम्बे का पानी शरीर के सभी विषैले तत्वों को नष्ट कर देता है।दरअसल, तांबा हमारे शरीर के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को नुकसान से बचाते हैं और एजिंग प्रोसेस को धीमा करते हैं। यही कारण है कि पुराने जमाने में इन बर्तनों का उपयोग काफी देखने को मिलता था।

पीतल: पीतल के बर्तन तांबे और जस्ते का मिश्रण होता है, जो शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। इसके अलावा, पीतल में रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं । उपलब्ध जानकारी के अनुसार पीतल के बर्तनों में भोजन पकाने और खाने से कृमि रोग, कफ और वायुदोष की बीमारी नहीं होती है। शोध बताते हैं कि पीतल के बर्तनों में खाना बनाने से केवल 7 प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट होते हैं। पीतल हमारे शरीर को ठंडा रखता है,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है तथा पीतल में पाया जाने वाला मेलानिन, सूर्य की हानिकारक किरणों से त्वचा की रक्षा करता है।

लोहा: लोहे के बर्तनों में खाना पकाने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ती है, जैसा कि लोहे के बर्तन में फोलिक एसिड पाया जाता है,जिससे शरीर में आयरन की कमी दूर होती है।लोहे के बर्तन प्राकृतिक रूप से नॉन-स्टिक होते हैं, जिससे खाना चिपकता नहीं है। लोहे के बर्तनों का खाना स्वादिष्ट और स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर होता है।

स्टील: स्टील के बर्तन स्वास्थ्य की दृष्टि से नुकसानदायक नहीं होते हैं, क्योंकि ये न ही गर्म पदार्थों से कोई क्रिया ही करते है और न ही ठंडा होने पर, लेकिन इनका अधिक फायदा(स्वास्थ्य के लिहाज से) भी नहीं होता है। सच तो यह है कि ये टिकाऊ, गैर-प्रतिक्रियाशील और जंग प्रतिरोधी होते हैं।

एल्युमिनियम: एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने से एल्युमीनियम खाने में मौजूद आयरन और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को अवशोषित कर लेता है, जिससे शरीर में इन तत्वों की कमी हो सकती हैऔर कुछ मामलों में, मानसिक बीमारियाँ भी हो सकती हैं।अधिक एल्युमीनियम के सेवन से टीबी और किडनी,लीवर फेल होने, कैंसर, डायबीटिज आदि का खतरा भी बढ़ सकता है।एल्युमीनियम के संपर्क में आने से त्वचा पर खुजली, डैंड्रफ और एक्जिमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यहां तक कि पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कि अतिसार, अति अम्लता, खट्टी डकार, पेट में दर्द और कोलाइटिस भी जन्म ले सकती हैं। आजकल सभी घरों में कुकर का इस्तेमाल बहुत होता है, जो कि एल्युमिनियम से ही बना होता है।

प्लास्टिक: आज घरों में इसका प्रयोग होता है।प्लास्टिक में मौजूद रसायन और माइक्रोप्लास्टिक भोजन और पानी के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। प्लास्टिक का पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह विघटित नहीं होता है और मिट्टी और पानी को दूषित करता है। वास्तव में हमें प्लास्टिक के बर्तन में खाना खाने से बचना चाहिए और विशेषकर गर्म भोजन उसमें खाने से अवश्य ही बचना चाहिए, क्यों यह कैंसर जैसी घातक बीमारी को जन्म देता है।

नॉनस्टिक: आजकल इनका प्रयोग भी भारतीय रसोई में बहुतायत में होने लगा है। यह ठीक है कि नॉनस्टिक बर्तनों का प्रयोग करने से ऑयल कम लगता है, खाना जलता नहीं है, लेकिन ऐसे बर्तनों के प्रयोग से हमारे स्वास्थ्य को कई प्रकार की गम्भीर समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। दरअसल, नॉन-स्टिक बर्तन अक्सर पॉलीटेट्राफ्लूरोएथिलीन या टेफ्लॉन से बने होते हैं, जो उच्च तापमान पर हानिकारक रसायन छोड़ सकते हैं। इन रसायनों से थायरॉइड डिसऑर्डर, किडनी की समस्या, और कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।

सद्बुद्धि देना भगवानः भारत-पाक संबंधों पर संभावित युद्ध के बादल और आतंकी हमले की पृष्ठभूमि

विनोद कुमार सिंह

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले ने न सिर्फ देश की आत्मा को झकझोर दिया है, बल्कि भारत-पाक संबंधों में युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। इस अमानवीय हमले में निर्दोष 26 लोगों की नृशंस हत्या ने 2019 के पुलवामा हमले की भयावह यादें फिर से ताजा कर दी हैं।

इस हमले की क्रूरता ने पूरे देश को हिला दिया। कुछ सिरफिरे आतंकियों ने मासूम नागरिकों पर जिस बेरहमी से हमला किया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद अब भी सीमापार से पोषित हो रहा है। इस घटना ने पुलवामा के उस मनहूस दिन की पुनरावृत्ति कर दी, जब 44 सीआरपीएफ जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे।

हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त लहजे में आतंकियों और उनके सरपरस्तों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ह्हमारे सुरक्षा बलों को पूरी स्वतंत्रता दी गई है और हम दुश्मनों को उनकी कल्पना से भी अधिक सजा देंगे।ह्न यह वक्तव्य केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि भारत की आतंक के खिलाफ नई रणनीति का संकेत भी है।

सरकार की प्रतिक्रिया बहुआयामी रही। पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग से सैन्य सलाहकारों को तत्काल वापस बुला लिया गया।

दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग के समकक्ष अधिकारियों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित कर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया। दोनों देशों के राजनयिक स्टाफ की संख्या 55 से घटाकर 30 की गई। पाक नागरिकों के लिए सभी प्रकार की वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गईं। सार्क वीजा छूट योजना (एसएएस) को रद्द कर दिया गया और पहले से जारी वीजा भी अमान्य घोषित कर दिए गए। अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को बंद कर सीमापार आवाजाही रोक दी गई।

भारत ने 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाली जल आपूर्ति को रोकने की चेतावनी दी। यद्यपि पूर्ण रूप से रोक लगाने की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन भारत का यह रुख भविष्य की कड़ी कूटनीतिक चुनौती की ओर संकेत करता है।

नियंत्रण रेखा पर फाइटर जेट्स की गर्जना ने पाकिस्तान में भय का वातावरण बना दिया है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रीनगर का दौरा कर हालात की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिए हैं।

देश की जनता आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है, वहीं मीडिया के कुछ वर्ग युद्धोन्माद फैलाते नजर आ रहे हैं। समाचार चैनलों के कुछ उद्घोषक युद्ध और सैन्य शक्ति की भाषा में बोलते हैं, जिससे जनमत युद्धोन्मुख हो सकता है – जबकि यह समय विवेक, संयम और रणनीतिक समझ का है।

बिहार के मधुबनी में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भावुक होकर कहा, ह्हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं, देश की आत्मा पर हुआ है। हम यह लड़ाई जीतने के लिए लड़ रहे हैं।ह्न यह वक्तव्य न केवल एक राजनीतिक घोषणा था, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान भी।

इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता है – विवेकपूर्ण निर्णय, सशक्त कूटनीति और आतंकी तंत्र के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की। साथ ही, मीडिया, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को भी संयम बरतने की आवश्यकता है। युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि एक त्रासदी है। देश को अपने सैनिकों, कूटनीतिज्ञों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा रखना होगा।

ईश्वर से यही प्रार्थना है – सद्बुद्धि देना भगवान, ताकि संभावित युद्ध पर विराम लगे और विकास का मार्ग प्रशस्त हो।

भय बिनु प्रीत ना हो, गुसाई..!!

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान को भारत से भयभीत होना ही चाहिए । उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरितमानस में लिखा है भय बिनु ना हो प्रीत.. गोसाई ह्न पहलगाम में आतंकी घटना पर शेखावत ने कहा कि ये नया भारत है और पहलगाम का बदला हर हालत में लिया जायेगा

शेखावत ने अपने एक बयान में कहा कि मुझे लगता है कि जब भारत ने उरी और पुलवामाके बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर संदेश दिया था किभारत की भूमि और बाहर से हमारे विरुद्ध चलने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, उसके बाद पिछले पांच-छह साल से कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हो पाई थी। भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है,समर्थ भी है, सशक्तभी है और स्वतंत्र भी है।

शनिवार को जोधपुर में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान में भय के माहौल से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि अब एक बार फिर ऐसी कायराना हरकत की गई है। शेखावत ने कहा कि ये नया भारत है।पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात का खुले में इजहार कर चुके हैं।

पाकिस्तान के नेताओं के गौरी-गजनवी मिसाइल और एटम बम की धमकी देने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि गौरी-गजनवी पहले भी थी।गौरी-गजनवी तो भारत में आकर अनेक बार चोट खाकर गए थे,जब हमने एयर स्ट्राइक की थीतब भी गौरी-गजनवी मिसाइल थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज से हजार साल पहले भी हमारे पूर्वजों ने इनको ठीक सबक सिखाया था, एक बार फिर गौरी-गजनवी को हमारी अग्नि और ब्रह्मोस प्रतिकूल जवाब देंगी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि दुनिया के देश, जिन्होंने आतंकवाद का दर्द और दंश झेला है, इस समय भारत के साथ में खड़े हैं। विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में पलित पोषित और सिंचित होरही हैं। अमेरिका ही नहीं,दुनिया के सभी देश पूरी ताकत के साथ भारत के साथ खड़े हैं, लेकिन मैं ये कहूंगा कि कोई खड़ा हो या न हो, भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है,सशक्त भी है और स्वतंत्र भी है।

सिंधु जल संधि निलंबित करने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि पिछले सभी युद्धों के समय भी हमने सिंधु जल संधि की पवित्रता पर आंच नहीं आने दी थी,लेकिन प्रधानमंत्री जी का स्पष्ट कहना है कि अब समय आ गया है,जब रक्त और पानी, दोनों एक साथ नहीं बहेंगे। आजादी के 75 साल बाद हमको इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है कि किस दबाव में,क्यों भारत के हितों के साथ, भारत के किसानों के हितों के साथ भारत के लोगों के हितों के साथ समझौता करते हुए इस संधि को किया गया था। उन्होंने कहा कि संधि निलंबित होने से पाकिस्तान में बौखलाहट स्वाभाविक है। अब ये घबराहट बनी रहेगी, सिंधु का जल राजस्थान तक लाने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं मानता हूं कि यही भारत के हित में होगा। हालांकि,इस पर जल्दबाजी की मुझे लगता है कि न तो आवश्यकता है और न ही उसका समय है।

जाति जनगणना और महिला आरक्षण के सवाल पर शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद जिस तरह से देश में परिवर्तन हुआ,देश विकसित हुआनिश्चित रूप से इस समय में एक नए सिरे से इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

इतिहास का बोझः कब तक हमारी पीढ़ियाँ झुकती रहेंगी ?

मुझे यह सोचकर पीड़ा होती है कि आज भी हमारे बच्चों को इतिहास के नाम पर मुगल शासकों की गाथाएँ पढ़ाई जाती हैं, जबकि चाणक्य, चित्रगुप्त और छत्रपति शिवाजी जैसे हमारे महान विचारकों और योद्धाओं को पाठ्यक्रम में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। मेरा मानना है कि इतिहास केवल जानने का विषय नहीं, बल्कि आत्मगौरव और पहचान का आधार है। मैं चाहता हूँ कि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ें और उन्हें वह शिक्षा मिले जो उनके भीतर आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति जगाए। ह्जय सनातनह्न मेरे लिए केवल नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संकल्प है।

प्रियंका सौरभ

ह्इतिहास केवल अतीत का आईना नहीं होता, वह आने वाली पीढ़ियों की दृष्टि का आधार भी होता है।ह्न पर अफसोस, भारत के वर्तमान शैक्षणिक ढाँचे में यह आईना धुंधला कर दिया गया है। मुगल दरबारों की चमक, विदेशी आक्रांताओं की वीरता और गुलामी के प्रतीकों को जिस तरह से भारतीय इतिहास के केन्द्र में रखा गया है, वह न केवल बौद्धिक अन्याय है बल्कि सांस्कृतिक आत्महीनता का भी बीज है।

आखिर कब तक हमारे बच्चों पर मुगल शासकों का बोझ लादा जाएगा? कब तक हमारी नई पीढ़ी औरंगजेब, बाबर, और खिलजी की तलवारों को आदर्श समझेगी, और अपने महान पूर्वजों की गाथाओं से अनजान रहेगी? यह प्रश्न केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं है, यह हमारी आत्मा और पहचान का प्रश्न है।

चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, कोई साधारण राजपुरुष नहीं थे। वे राजनीति, अर्थशास्त्र और कूटनीति के मनीषी थे। 'अर्थशास्त्र' जैसा ग्रंथ लिखने वाला यह विचारक, केवल एक राजा का गुरु नहीं था, वह सम्राटों को राष्ट्रधर्म का बोध कराने वाला मार्गदर्शक

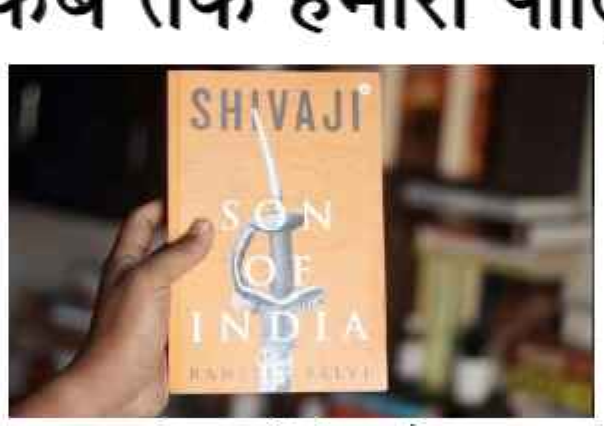

था। पर क्या हमारे पाठ्यक्रम में चाणक्य के सिद्धांतों को वह स्थान मिला है, जो वह वास्तव में रिरे९ं करते हैं?

किसी भी राष्ट्र की नीतिगत समझ अपने विचारशील नेताओं के दर्शन से बनती है। चाणक्य के सिद्धांत आज भी शासन, कूटनीति और प्रशासन के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। लेकिन जब इतिहास की किताबों में चाणक्य के नाम पर केवल 2-3 पंक्तियाँ मिलती हैं, तब समझ आता है कि ज्ञान के सूर्य को कितनी कृत्रिम छायाओं में ढक दिया गया है।

चित्रगुप्तः धर्म और कर्म के प्राचीन लेखाकार

चित्रगुप्त – एक ऐसा नाम, जो केवल धार्मिक आस्थाओं तक सीमित कर दिया गया है, परन्तु उनका महत्व एक अत्यंत उच्च कोटि के सामाजिक व्यवस्थापक का था। वे कर्म का लेखा-जोखा रखने वाले देवता माने जाते हैं, पर इसका व्यापक आशय आज की पीढ़ी को नहीं सिखाया जाता। चित्रगुप्त न्याय और दायित्व की उस परंपरा का प्रतीक हैं, जो भारतीय दर्शन की रीढ़ है।

अगर हम अपने बच्चों को यह नहीं बताएँगे कि हमारे पूर्वजों ने न्याय, विवेक और उत्तरदायित्व को कितनी ऊँचाई दी थी, तो वे विदेशी न्यायशास्त्रों को ही 'आधुनिक' और 'सर्वोत्तम' मानते रहेंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराजः राष्ट्र के स्वाभिमान की तलवार

छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं थे; वे भारतीय राष्ट्रवाद की जीवंत प्रतिमा थे। उनकी युद्धनीति, उनकी प्रशासनिक सूझबूझ, और उनके धर्मनिरपेक्ष व्यवहार ने उस दौर में भी हिन्दुस्तान की अस्मिता को एक नई परिभाषा दी, जब भारत टुकड़ों में बँटा हुआ था।

पर आज भी कई राज्यों के स्कूली पाठ्यक्रमों में शिवाजी का नाम केवल एक 'मराठा योद्धा' तक सीमित कर दिया गया है। क्या यही है हमारी ऐतिहासिक दृष्टि? क्या यह न्याय है उस नायक के साथ, जिसने 'हिंदवी स्वराज्य' की कल्पना को तलवार की धार पर जिया?

इतिहास के पन्नों से बहिष्कृत गौरव

इतिहास सिर्फ. वो नहीं होता जो घटित हुआ, इतिहास वो होता है जिसे बताया गया, पढ़ाया गया और दोहराया गया। जब पाठ्यपुस्तकों में तैमूर और गोरी को विस्तार से पढ़ाया जाए और पृथ्वीराज चौहान, राणा प्रताप, गुरुगोबिंद सिंह, झाँसी की रानी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को हाशिये पर डाल दिया जाए, तो पीढ़ियाँ गुलाम मानसिकता की पाठशाला से ही निकलेंगी।

भारत का इतिहास वेदों में है, उपनिषदों में है, रामायण और महाभारत में है, नालंदा और तक्षशिला में है, आर्यभट्ट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य के विज्ञान में है। पर अफसोस, बच्चों को इनकी जगह सिखाया जाता है कि किस विदेशी ने भारत में 'रेल लाया', 'डाकघर लाया' और 'कानून सिखाया'।

खूबसूरती बढ़ाने न करें सेहत से खिलवाड़

कई लोगों के सिर पर हल्के और कम बाल होते हैं या फिर बाल झड़ चुके होते हैं। इसके लिए वह हेयर ट्रांसप्लांट करवा लेते हैं, लेकिन हेयर ट्रांसप्लांट के भी बहुत सारे साइड इफेक्ट होते हैं। यह अलग-अलग लोगों में अलग प्रकार के होते हैं। आज हम आपको हेयर ट्रांसप्लांट के बारे में कुछ ऐसे साइड इफेक्ट बताएंगे जो विश्वभर के कई लोगों द्वारा महसूस किया गया है।

रक्तस्राव और संक्रमण

रक्तस्राव आमतौर पर सिर पर अनुभवहीनता के कारण ही होता है। इसलिए ऐसी सर्जरी करवाने से पहले अनुभवी कॉस्मेटिक सर्जन की सलाह दी जाती है। अनुचित और गंदे उपकरणों के उपयोग से भी अक्सर ऐसी संभावना हो सकती है। यह तब भी हो सकता है सर्जरी एक अशुद्ध जगह पर की गई हो।

हो सकता है अल्सर

यह घाव उन रोगियों को होता है जो स्ट्रिप प्लान्टेशन करवाते हैं। यह निशान कभी-कभी भयंकर हो सकता है, खासकर के तब जब हेयरस्टाइल शॉर्ट हो। सिस्ट या अल्सर तब होता है जब बालों की जड़ें डैमेज हो जाती हैं और त्वचा के एक दम अंदर तक धंस जाती हैं। वह एक पिंपल के साइज का होता है। हांलाकि अल्सर कभी भी घातक नहीं होता। पर इसे बिना देरी किए हुए डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

खुजली और सूजन...

सिर पर बाल लगाते वक्त कुछ बाल ठीक तरह से नहीं लग पाते, जिस वजह से वह बाद में पतले हो कर झड़ना शुरू हो जाते हैं। अक्सर ट्रांसप्लांट के बाद खुजली की समस्या भी हो जाती है। अगर ठीक से इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो खुजलाहट भयंकर भी हो सकती है। यह खुजली सिर पर पपड़ी बनने की वजह से होती है। वैसे यह समस्या कुछ दिनों में शैंपू करने से ठीक भी हो जाती है। पर अगर समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर को दिखाना ही सही रहता है। जिन लोगों की खराब स्किन टोन होती है उन्हें सिर पर सूजन की शिकायत आ सकती है। हांलाकि एक्सपर्ट की सलाह से इसे दूर किया जा सकता है। अगर सूजन बढ़ गई तो यह आंखों और माथे पर साफ दिखाई देने लगती है।

वेब पत्रकारिता में युवाओं के लिए बढ़ते अवसर

देश में बड़ी संख्या में समाचार-पत्र तथा पत्रिकाएं छपती हैं। बदलती तकनीक की वजह से सूचना एवं समाचार की दुनिया में भी आमूलचूल परिवर्तन आया है। अब समाचार-पत्रों के प्रकाशन में अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। जब से इंटरनेट की दुनिया लोकप्रिय हुई है, पीन-दुनिया की खबरों को जानने के लिए इंटरनेट का खूब सहारा लिया जाने लगा है। इंटरनेट के आगमन तथा लोकप्रिय होने के बाद से इंटरनेट संबंधी पत्रकारिता यानि वेब जर्नलिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से विकास हुआ है। अब अधिक से अधिक समाचार-पत्र एवं पत्रिकाओं से लेकर टीवी न्यूज चैनल तक इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में वेब जर्नलिज्म के क्षेत्र में कॅरियर के व्यापक अवसर पैदा हुए हैं।

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के पास सबसे पहले तो संबंधित भाषा पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए। साथ ही उन्हें इंटरनेट सहित सभी जरूरी कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर एवं तकनीकों का ज्ञान भी होना चाहिए। वैसे जर्नलिज्म के किसी भी क्षेत्र में कदम रखने से पहले मास कम्युनिकेशन या जर्नलिज्म में डिप्लोमा या डिग्री करना बेहतर होता है। इससे इस क्षेत्र में सफलता को काफी हद तक पक्का किया जा सकता है। इसमें शुरुआत में ही 10-15 हजार रुपए के करीब वेतन मिल जाता है।

अपॉर्चुनिटीज...

वेब पत्रकारिता के क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य बनाने के बहुत अधिक अवसर है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए खबरों को समझकर उन्हें प्रस्तुत करने की कला, तकनीकी ज्ञान, भाषा पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। न्यूज पोर्टल के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली वेबसाइटों की संख्या फिलहाल भारत में अन्य कई देशों से कम है। ऐसी वेबसाइट्स की संख्या ज्यादा है जो अपने वेब पोर्टल के लिए सामग्री अपने चैनलों या अखबारों से लेती हैं परंतु वहां भी वेब जर्नलिस्ट्स या एडिटर्स की काफी जरूरत होती है।

स्टडी सेंटर्स...

मास कम्युनिकेशन या जर्नलिज्म में डिग्री या डिप्लोमा देश भर में स्थित अनेक कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में उपलब्ध हैं। कई संस्थानों में अब वेब जर्नलिज्म पर केंद्रित विशेष कोर्स भी करवाए जा रहे हैं। वैसे देश के प्रमुख संस्थानों में जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली, आईआईएमसी, नई दिल्ली, माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय। इन संस्थानों से आप जर्नलिज्म की डिग्री लेकर वेब जर्नलिस्म में कॅरियर बना सकते हैं।

फिर लौटा स्ट्राइप्स फैशन का रिवाज

स्ट्राइप्स कभी भी फैशन से बाहर नहीं होतीं। इनका फैशन कुछ-कुछ दिनों बाद रंग बदलकर वापस आ जाता है। कहा जाता है कि स्ट्राइप्स सिर्फ पतले लोगों पर ही अच्छी लगती है जबकि यह गलत है। आप यदि अपनी फिगर को ध्यान में रखकर स्ट्राइप्स पहनेंगी तो यह किसी पर भी जंच सकती है। आइए जानते हैं डिफरेंट फिगर को ध्यान में रखते हुए स्ट्राइप्स पहनने की कला।

फैशन हर दिन बदलता है। आज स्लीवलैस का तो कल फुलस्लीव का फैशन ट्रैंड में होता है। इन दिनों स्ट्राइप फैशन जोर-शोर से चल रहा है। वैसे यह स्ट्राइप पहले भी चलते थे लेकिन अब यह फिर से फैशन में नजर आ रहे हैं। हॉलीवुड सितारें हो या बॉलीवुड, उनके आऊटफिट्स में भी स्ट्राइप फैशन की झलक देखने को खूब मिलती है। स्ट्राइप में भी आपको डिफरेंट-डिफरेंट स्टाइल देखने को मिलेंगे। आप अपनी पसंद और पर्सनैलिटी के हिसाब से हॉरिजॉन्टल, वर्टिकल, रैक्टेंगुलर, डाइगनल, जिग-जैग और नॉटिकल स्ट्राइप का चुनाव कर सकती हैं। नॉटिकल स्ट्राइप में ड्रैस और टॉप महिलाओं को खूब पसंद आते हैं। स्ट्राइप में आप वन पीस, क्रॉप टॉप, गाऊन, साड़ी पहन सकती हैं। अब तो आपको स्ट्राइप स्टाइल पेंट्स में भी आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप स्पोर्टी लुक चाहती हैं तो स्ट्राइप ड्रैस बेस्ट हैं।

स्किनी बॉडी

स्किनी महिलाओं के पास तो स्ट्राइप्स पहनने के बहाने नहीं होने चाहिए, वे जब चाहें स्ट्राइप्स पहन सकती हैं। चाहें तो पतली स्ट्राइप्स पहनें या फिर कम चौड़ी, आपकी पसंद पर निर्भर करता है। गहरे चटख रंगों की हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स वाली मैक्सी आज ही खरीद डालिए, आप पर बहुत फबेगी। चाहें तो इसके साथ लाइट जैकेट या वेस्टकोट ही पहन लें। यह लुक आपको एक्स्ट्रा एज देगा।

पीयर बॉडी

इस तरह की बॉडी शेप वाली महिलाओं को फिटेड स्ट्राइप्स वाला टॉप पहनना चाहिए। चाहें तो पतली स्ट्राइप्स का चयन कीजिए या चौड़ी, यह पूरी तरह से आप पर निर्भर करता है। इन दिनों खूबसूरत रंगों में स्ट्राइप्स वाले टीज और टॉप की बहार आई हुई है। इसके साथ ए लाइन या प्लीट्स वाली स्कर्ट आप पर अच्छी दिखेगी।

एप्पल बॉडी

हेवी फिगर वाली महिलाओं को पतले से लेकर मध्यम हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स वाले कपड़े पहनने पर ध्यान देना चाहिए। अनचाहे मोटापे को छिपाने के लिए बैगी स्टाइल वाली शर्ट या टी शर्ट पहनिए। यह आप पर कमाल की दिखेगी। इस स्ट्राइप वाली टीज के साथ गहरे एक ही रंग की स्कर्ट, ट्राउजर या शॉर्ट्स पहन लें।

एक्सेसरीज जरूरी नहीं

स्ट्राइप के साथ आपको कुछ ज्यादा करने की जरूरत नहीं है। इसके साथ केवल आप अपने बाल खोल लें, ज्यादा कोई एक्सेसरीज लेने की भी जरूरत नहीं है। आप देखेंगे कि आप साधारण लुक में आकर्षक लगेंगी। यह जरूरी नहीं है कि आप ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप डिजाइन चूज करें। आप फ्लोरल कलर में कन्ट्रास्ट मैचिंग भी कर सकती है। स्ट्राइप ड्रैस वियर करने की सबसे खास बात यह है कि इसके साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज और हेयर स्टाइल बनाने की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि यह साधारण लुक में भी काफी ग्रैसफुल लगती है। आप इसके साथ सिंपल, फ्रैंच या फिश टेल बना सकती है। आप बालों को लूज भी छोड़ सकती है। गले में कुछ न भी पहनें तो भी आप आकर्षक ही दिखेंगी।

ड्रैसिंग रूल

वैसे स्ट्राइप साधारण जरूर है, लेकिन इसे सही तरीके से व ड्रैसिंग रूल के साथ पहना जाए, तब ही अच्छा लगेगा। स्ट्राइप का सबसे पहला रूल यही है कि आप इसे अपने शरीर के हिसाब से पहनें। इसे पहनते समय इन बातों को अपने दिमाग में जरूर ध्यान से रखें- जो लोग लंबाई में छोटे और थोड़े मोटे हैं, वे वर्टिकल स्ट्राइप ही पहनें। इसमें वे लंबे व पतले लगेंगे। वहीं दूसरी तरफ अगर आप हॉरिजान्टल स्ट्राइप पहन लेंगे तो उसमें लंबाई कम और आप मोटे लगेंगे। इसके साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज नहीं पहननी हैं। अगर आप लेना ही चाहते हैं तो आप चंकी एक्सेसरीज और स्कार्फ ले सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा कर देंगे।

सही स्ट्राइप का चुनाव

स्ट्राइप आपके शरीर के साथ मिक्स हो जाता है। अगर आप अपनी टॉप को बदलना चाहती हैं, तो आप उसमें हॉरिजान्टल पट्टियों वाली टॉप ले सकती हैं। इसमें आप लाल, पीले जैसे गहरे रंग ले सकती हैं। तिरछी रेखाओं वाली टॉप बहुत ही स्टाइलिश लगती है। अगर आपके कंधे चौड़े हैं, तो आप ढीली-ढाली ड्रेस ले सकती हैं। इसके साथ गोल छल्ले, जैसे ईयररिंग पहनें तो ये ज्यादा अच्छे लगेंगे। अगर आपको स्ट्राइप पसंद नहीं है, तो आप टीशर्ट के साथ फिट जींस और बैली पहन सकती हैं। फिट जींस के साथ सीधे स्ट्राइप वाली टॉप का जोड़ा, एक्सेसरीज और बैग ले सकती हैं। अगर आप पार्टी के लिए कुछ खास लेना चाहती हैं, तो आप चेन लगी स्ट्राइप टॉप ले सकती हैं। स्ट्राइप टॉप को आप ऑफिस में भी पहन कर जा सकती हैं। फिट ट्राउजर और लैदर के बैग के साथ इस टॉप को पहन सकती हैं। अगर रात की पार्टी के लिए कुछ लेना है तो आप रंगीन प्रिंटेड मैक्सी ले सकती हैं, वह भी नेक लेस।

इन बातों का रखें ख्याल

- स्ट्राइप आऊटफिट को परफैक्ट ड्रैसिंग रूल के अनुसार पहना जाए, तभी यह अच्छी लगती है। अपने फिगर और पर्सनैलिटी के हिसाब से स्ट्राइप स्टाइल चूज करें।
- अगर आपकी हाइट छोटी और आप हैल्दी हैं तो हॉरीजेन्टल स्ट्राइप्स पहनने की गलती न करें क्योंकि उसमें आप फैटी और छोटे दिखेंगी बल्कि वर्टिकल स्ट्राइप का चुनाव करें। वहीं अगर आप बहुत ज्यादा पतली हैं तो हॉरीजॉन्टल स्ट्राइप्स चूज करें।
- स्ट्राइप ड्रैस के साथ ज्यादा एक्सेसरीज न पहनें। अगर आप कुछ पहनना ही चाहती हैं तो चंकी एक्सेसरीज पहनें।
- अगर आप ड्रैस या फिर जींस के साथ टॉप वियर करना चाहती हैं तो नॉटिकल स्ट्राइप बेस्ट है। बाजार में आपको ढेरों नॉटिकल स्ट्राइप प्रिंट मिल जाएंगे। नॉटिकल स्ट्राइप में आप स्टाइलिश लुक में नजर आएंगी।
- डायगनल यानी तिरछी रेखाओं वाले टॉप भी बहुत ही स्टाइलिश लगते हैं। आप स्ट्राइप टॉप के साथ प्लेन स्कर्ट या जींस वियर कर सकती हैं। अगर आपके कंधे चौड़े हैं तो आप इसमें लूज ड्रैस का चुनाव कर सकती हैं।

मुश्किल नहीं पियर्सिंग

पियर्सिंग कराना या न कराना सबकी अपनी निजी पसंद होती है। हालांकि कुछ लोगों के लिए यह एक परंपरा का हिस्सा होती है तो वहीं कुछ लोग इसे फैशन स्टेटमेंट के रूप में देखते है। जबकि पियर्सिंग कराना मुश्किल नहीं है लेकिन इसकी देखभाल के लिए आपको धैर्य और समर्पण की जरुरत होती है तो एक बार जब आपने पियर्सिंग करा ली तो आपको रखरखाव करना जरुरी है ताकि दर्द जल्द से ठीक हो जाए और आप संक्रमण से कोसों दूर रहे। यहां कुछ स्टेप्स हैं जिनको फॉलो कर आपकी पियर्सिंग का दर्द और उसमें हुआ संक्रमण जल्द ठीक हो जाएगा।

एंटीबैक्टेरियल सोप वॉश

जिन्होंने हाल ही पियर्सिंग करवाई हो वो एंटीबैक्टेरियल साबुन लें और उसे पानी में घोल लें और उस पानी से उस हिस्से को साफ करें। कुछ लोग सुझाव देते हैं कि एल्कोहल से साफ कर लेना चाहिए लेकिन उससे आपकी त्वचा ड्राय हो जाती है। इसलिए ऑयल वाले एंटीबैक्टेरियल साबुन सबसे बेहतर रहते है। इससे आपकी पियर्सिंग किटाणुओं से दूर रहती है। दिन में दो बार पियर्सिंग साफ करना पर्याप्त है।

सी सॉल्ट स्प्रे

सी सॉल्ट स्प्रे के जरिए भी आप अपने नोज पियर्सिंग की साफ सफाई रख सकती है। यहां हम उस सी सॉल्ट स्प्रे की बात नहीं कर रहे जिसे आप बालों में इस्तेमाल करती है, हम यहां घर के बनाए हुए स्प्रे की बात कर रहे हैं। सी सॉल्ट स्प्रे बनाने के लिए आपको दो चम्मच सी सॉल्ट लेना है फिर उसमें 250 मिली लिटर पानी मिलाना है। ध्यान रखें की पानी छना हुआ हो, फिर उस घोल को एक स्प्रे बोतल में डाल दें। फिर इस स्प्रे को दिन में दो बार इस्तेमाल करें इससे ज्यादा न करें।

इन चीजों से बचें

कुछ चीजें ऐसी हैं जो आपकी पियर्सिंग को जलन या परेशान कर सकती है। जैसे की आपके बाल, हेयरस्प्रे, परफ्यूम, हेडफोन्स और बहुत कुछ। इसके अलावा फोन पर बात करते वक्त सावधानी बरतें क्योंकि आप के फोन के किटाणु भी आपकी पियर्सिंग पर आ सकते हैं।

आपकी इयररिंग

एक स्वस्थ पियर्सिंग के लिए आप किस तरह का इयररिंग पहनेंगी वो बहुत जरुरी है। पियर्सिंग के लिए आप सर्जिकल स्टेनलेस स्टील, निकल-फ्री गोल्ड, टाइटेनियम या प्लेटिनम ही पहनें। जिन मेट्लस में लीड हो उसको बिल्कुल भी न पहनें, ऐसे मेटल घाव भरने की प्रक्रिया को बाधित करता है और पियर्सिंग को बिगाड़ देता है।

स्विमिंग और वर्कआउट

स्विमिंग और वर्कआउट करने के बाद पसीना आता है जिसकी वजह से आपकी पियर्सिंग को संक्रमण से खतरा रहता है। इसलिए हमेशा पियर्सिंग वाले हिस्से को पसीना बाद जरूर साफ कर लें। क्योंकि स्विमिंग पूल वाले पानी में क्लोरीन मौजूद होता है जो आपकी घाव की प्रक्रिया को बाधित कर सकता है।

डॉक्टर से संपर्क करें

अगर आपकी पियर्सिंग संक्रमित हो गई है या फिर उसमें सूजन आ गई है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके लक्षण बेहद गंभीर हो सकते है और यह लक्षण संक्रमण की ओर इशारा करता है। इसलिए अच्छा है कि आप समय से पहले इसे दिखा लें।

पियर्सिंग गन को कहे ना

पियर्सिंग गन भले ही एक नई खोज हो लेकिन इसका इस्तेमाल करना बेहद नुकसानदायक है। यह पारंपरिक तरीके की तुलना में बेहतर विकल्प है लेकिन यह आपके लिए खतरे से खाली नहीं है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि गन से पियरसिंग कराने से आपको चोट जैसे निशान हो सकते हैं और इससे आपके कान की नरम हड्डी में भी छेद हो सकता है।

ज्यादा सफाई करना

कुछ भी ज्यादा करना हानिकारक होता है। इसी प्रकार पियर्सिंग की सफाई करना अच्छी बात है लेकिन जरुरत से ज्याद सफाई करने से आपकी पियर्सिंग में जलन हो सकती है और इससे उस जगह से प्राकृतिक तेल भी निकल सकता है। हाल ही में कराई हुई पियर्सिंग मे और जिसमें घाव की प्रक्रिया चल रही हो उसे सही होने के लिए हवा चाहिए होती है तो अगर आप उसमे टाइट इयरिंग पहनती हैं तो उसे ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। इसके साथ ही उसका खून, पस, गंदगी वहीं की वहीं रहती है जो कि आपके लिए मुसीबत का कारण बना सकता है। इसलिए थोड़ी सी हवा के लिए जगह छोड़ना बेहद जरुरी है।

...तो ज्वैलरी न निकालें

अगर आपकी पियरसिंग में संक्रमण हो गया है तो आप अपनी पहनी हुई ज्वैलरी को बिल्कुल न निकालें। इस स्थिति में आपको धैर्य रखना होगा और उस हिस्से को साबुन, सी सॉल्ट स्प्रे से साफ रखना जारी रखना चाहिए। अगर फिर भी आपका दर्द और सूजन 4 से 5 दिनों तक रहे तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इस तथ्य पर कई बार लोगों की बहस होती है कि घाव की प्रक्रिया के दौरान आपको अपनी ज्वैलरी को घुमाना चाहिए या नहीं तो आपको बता दें कि घुमाने से गंदगी और कीटाणु चारों तरफ फैल सकते है। जबकी न घुमाने से गंदगी एक ही जगह टिकी रहेगी। हाल ही में हुई पियर्सिंग को सही होने के लिए थोड़ा समय देना चाहिए फिर उसके बाद उसे हल्के हाथ से घुमाना चाहिए। वो भी तब जब आपने अपने पियर्सिंग वाले हिस्से पर सफाई कर ली हो।

कन्फ्यूशियस जब चकित हुए...

अब से सैंकड़ों वर्ष पहले की घटना है। एक बार चीन के महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस अपने कुछ शिष्यों के साथ ताई नामक पहाड़ी से कहीं जा रहे थे। एक स्थान पर वे सहसा रुक गए। शिष्यों ने जिज्ञासु नेत्रों से उनकी ओर देखा। वे बोले, ''कहीं पर कोई रो रहा है।'' इतना कहकर वे रुदन को लक्ष्य करके चल पड़े। शिष्यों ने उनका अनुगमन किया। कुछ दूर जाकर उन्होंने देखा एक स्त्री रो रही है। उन्होंने बड़ी सहानुभूति से रोने का कारण पूछा। स्त्री ने बताया कि इस स्थान पर उसके पुत्र को एक चीते ने मार डाला। कन्फ्यूशियस ने कहा कि किन्तु तुम अकेली ही नजर आ रही हो, तुम्हारे परिवार के अन्य लोग कहां हैं? स्त्री ने कातर होकर बताया अब उसके परिवार में है ही कौन। इसी पहाड़ी पर उसके ससुर और पति को भी चीते ने फाड़ डाला था। कन्फ्यूशियस ने बड़े आश्चर्य से कहा, ''तो तुम इस भयंकर स्थान को छोड़ क्यों नहीं देती?'' स्त्री बोली, ''इस

स्थान को इसलिए नहीं छोड़ती कि यहां पर किसी अत्याचारी का शासन नहीं है।'' महात्मा कन्फ्यूशियस यह सुनकर चकित हो गए। उन्होंने शिष्यों की ओर उन्मुख होकर कहा, ''यद्यपि, निश्चित रुप से यह स्त्री करुणा और सहानुभूति की अधिकारिणी है। यद्यपि इसकी बात ने हम लोगों को एक महान सत्य प्रदान किया है। वह यह कि अत्याचारी शासक एक चीते से अधिक भयंकर होता है। अत्याचारी शासन में रहने की अपेक्षा अच्छा है कि किसी पहाड़ी अथवा वन में रह लिया जाए किन्तु यह व्यवस्था सार्वजनिक नहीं हो सकती। जनता को चाहिए कि वह अत्याचारी शासन का समुचित विरोध करे और सत्ताधारी को अपना सुधार करने के लिए विवश करने का उपाय करे। अत्याचारी शासन को भय के कारण सहन करने वाला समाज किसी प्रकार की उन्नति नहीं कर पाता। विकासहीन जीवन बिताता हुआ वह युगों तक नारकीय यातना भोगा करता है तथा सदा-सर्वथा अवनति के गर्त में ही पड़ा रहकर जिस तिस प्रकार जीवन व्यतीत करता रहता है। अतः दुशासन को पलटने के लिए जनता सदैव जागरूक रहे।

सरसों तेल, सोयाबीन तिलहन को छोड़कर अन्य तेल–तिलहन गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों तेल और सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम पहले 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था, बीते सप्ताह वह घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन रह गया।

इसी प्रकार, सोयाबीन डीगम का जो दाम पहले 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन था वह

कच्चे पामतेल का 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन हुआ

बीते सप्ताह घटकर 1,090-1,095 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश में मूंगफली, सोयाबीन की बिजाई का समय निकट आने के साथ सहकारी संस्था नेफेड द्वारा इन दोनों फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम हाजिर दाम पर की जा रही बिकवाली की वजह से तेल तिलहन में गिरावट रही।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,275-6,375 रुपये प्रति क्विंटल पर, जबकि सरसों दादरी तेल का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,360-2,460 रुपये और 2,360-2,485 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एक ओर जहां सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमश: 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 450 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये घटकर क्रमश: 13,050 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

न्यूज़ ब्रीफ

निर्मला सीतारमण करेंगी एडीबी की वार्षिक बैठक में भारत का नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं

वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह बैठक 4 से 7 मई तक इटली के मिलान शहर में आयोजित की जा रही है। निर्मला सीतारमण इस बैठक मे वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारियों के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसमें एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भाग लेंगे। वित्त मंत्री बैठक के मुख्य सत्रों में हिस्सा लेंगी। वे गवर्नर्स के बिजनेस सेशन और गवर्नर्स प्लेनरी सेशन मे भाग लेंगी। इसके अलावा वे भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग विषय पर गवर्नर्स सेमिनार मे पैनलिस्ट के रूप में शामिल होंगी। बैठक के दौरान निर्मला सीतारमण एडीबी के अध्यक्ष से द्विपक्षीय बातचीत करेंगी। वे आईएफएडी के अध्यक्ष और जेबीआईसी के गवर्नर से भी मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वे इटली, जापान और भूटान के वित्त मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगी। मिलान प्रवास के दौरान वे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगी। वे वैश्विक थिंक-टैंकों, व्यापारिक नेताओं और प्रमुख सीईओ से भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री बोकोनी विश्वविद्यालय में आर्थिक और जलवायु लचीलेपन मे संतुलन विषय पर आयोजित नेक्स्ट मिलान फोरम के पूर्ण सत्र मे भी भाग लेंगी। इस दौरे से भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही मे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामो को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा मे 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों मे वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा मे कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छी खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस मे भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

डिफेंस कंपनी करेगी आईडीएल एक्सप्लोसिव्स का अधिग्रहण, सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर, भाव 120 रुपये से कम

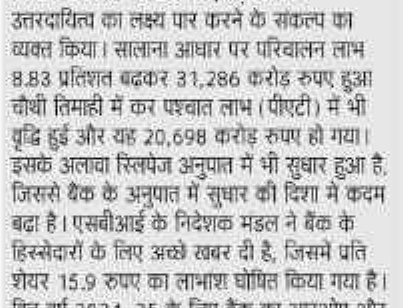

मुंबई। देश के डिफेंस सेक्टर में एक बड़ी और महत्वपूर्ण घटना सामने आई जिससे अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को तेजी से उछलेंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज ने आईडीएल एक्सप्लोसिव्स को खरीदने का फैसला किया है और इसके लिए 107 करोड़ रुपये का खर्च करेगी। एक विशेष बैंक के अनुरोध के बाद, 2 मई को यह डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया के पूरा होने में 2 महीने का समय लग सकता है। इस डील के माध्यम से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने उत्पादन क्षमता में वृद्धि की उम्मीद दिखाई और घरेलू डिमांड के साथ एक बड़ी डील की घोषणा की। यह अधिग्रहण से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में मजबूती और स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

अगले सप्ताह दो नए आईपीओ की लॉन्चिंग, पांच शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली

सोमवार पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में दो नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह लॉन्च हुए दो आईपीओ में भी इस सप्ताह छह मई यानी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह एथर एनर्जी समेत पांच कंपनियों के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे।

सोमवार को श्रीजी डीएलएम लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 94 से 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, वहीं इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी।

पांच मई को ही मनोज ज्वेलर्स का 16.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 54 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, जबकि इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी।

इनके अलावा पिछले सप्ताह 29 अप्रैल को खुले केनरिक इंडस्ट्रीज के 8.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, जबकि इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इसी तरह दो मई को खुले वैगन्स लर्निंग के 38.38 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 78 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, वहीं इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। सबसे पहले मंगलवार छह मई को आईवरे सप्लाई चेन सर्विसेज के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी दिन एथर एनर्जी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी। इसके अगले दिन सात मई को अरुणाया ऑर्गेनिक्स के शेयर और एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इनके अलावा नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर केनरिक इंडस्ट्रीज और वैगन्स लर्निंग के शेयर लिस्ट होंगे।

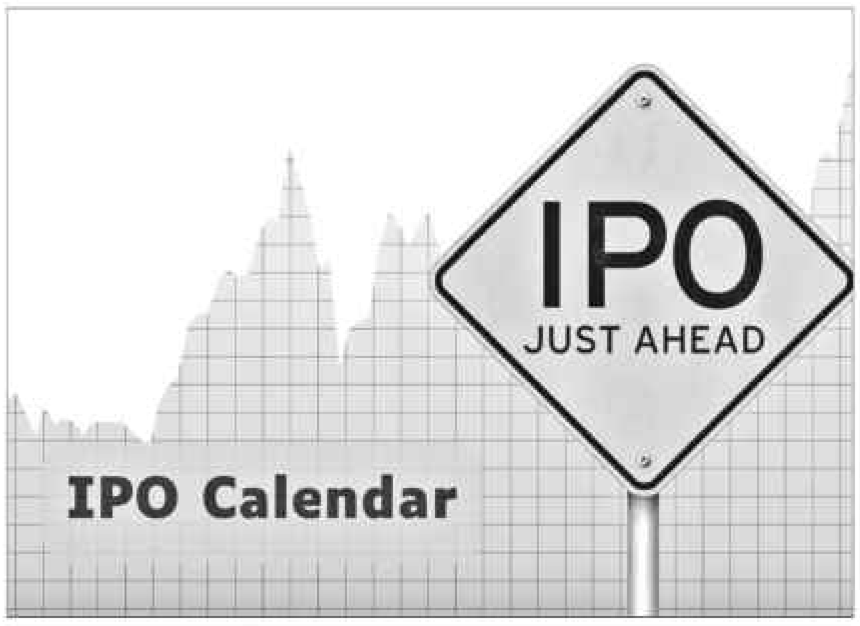

विंडसर ईवी के नए वेरिएंट की टेस्टिंग प्रारंभ, आई तस्वीरें

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक एसयूवी विंडसर ईवी के बड़े बैटरी पैक वाले वेरिएंट पर एमजी मोटर इंडिया काम कर रही है। इस नए वेरिएंट की टेस्टिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। इसकी टेस्टिंग के दौरान तस्वीरें सामने आई है। इन तस्वीरों में देखा गया कि इस नए वेरिएंट में पीछे की तरफ अडास बैज और फ्रंट विंडशील्ड पर एक रडार मौजूद है, जो कि इसके ऑटोनोमस ड्राइविंग फीचर्स की पुष्टि करता है। नई विंडसर ईवी का लंबा रेंज वेरिएंट 50.3 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक लेकर आएगा, जिसे पहले झेडएस ईवी मे देखा गया है और यह 460 किमी की रेंज देता है। इस नए वेरिएंट मे वी2एल (व्हीकल टू लोड) फीचर की शुरुआत की जा सकती है, जो इसे भारतीय बाजार मे टाटा नेक्सन ईवी के मुकाबले एक मजबूत विकल्प बना सकता है। इसमे लेवल 2 अडास सुइट शामिल होने की संभावना है, जिसमें एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, और इंटेलिजेंट हाई बीम असिस्ट जैसे एडवांस्ड फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा, विंडसर ईवी के स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, 360 डिग्री कैमरा और इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक शामिल होंगे। एमजी विंडसर ईवी में कई हाई-एंड फीचर्स भी होंगे जैसे 18-इंच डायमंड कट एलॉय व्हील, स्मार्ट फ्लश डोर हैंडल, पैनोरमिक ग्लास रूफ, और 15.6-इंच ग्रैंड व्यू टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम।

टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ की वृद्धि

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 18,740.33 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें बजाज फाइनेंस को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 2,31,177.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई।

28 अप्रैल से 2 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,755.67 करोड़ रुपये उछल कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़ कर के 10,20,200.69 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,514.78 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 14,73,356.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,902.31 करोड़ रुपये उछल कर 6,25,668.37 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 2,502.82 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,38,294.86 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,160.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,470.50 करोड़ रुपये कम होकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये के स्तर पर और आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,985.41 करोड़ रुपये घट कर 5,45,845.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,284.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,996.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अप्रैल 2025 में होंडा को मिले केवल 3,360 नए ग्राहक

अप्रैल 2025 में होंडा कंपनी को डोमेस्टिक मार्केट में केवल 3,360 नए ग्राहक मिले, जो कि पिछले साल की तुलना में 22.78 प्रतिशत की गिरावट है। अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 4,351 यूनिट था। इसके अलावा, होंडा के एक्सपोर्ट मे भी भारी गिरावट देखी गई। अप्रैल 2025 मे होंडा ने कुल 1,511 यूनिट कारों का एक्सपोर्ट किया, जो कि अप्रैल 2024 के 6,516 यूनिट से 76.81 प्रतिशत कम है। इसके परिणामस्वरूप, कंपनी की कुल कार बिक्री (डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट मिलाकर) 4,871 यूनिट रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 10,867 यूनिट था। मासिक आधार पर भी होंडा की बिक्री मे गिरावट आई है। मार्च 2025 में कंपनी ने डोमेस्टिक मार्केट में 7,228 नए ग्राहक प्राप्त किए थे, और अप्रैल मे यह आंकड़ा 53.51 प्रतिशत घटकर 3,360 पर आ गया।

भारत की उदार एफडीआई नीति वैश्विक निवेशकों को देती है बड़ा अवसर: परामर्शक कंपनी

नई दिल्ली

भारत की उदार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति ऐसे वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर उपलब्ध कराती करती है। एक परामर्शक कंपनी ने रविवार को यह बात कही है। कंपनी ने कहा कि फार्मास्युटिकल्स, वाहन और पर्यटन जैसे क्षेत्र न केवल एफडीआई के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि रोजगार, निर्यात और नवोन्मेषण के इंजन भी हैं, जो भारत की वृद्धि की अगली लहर को गति दे रहे हैं।

भारत ने बीमा, बीमा मध्यस्थ, पर्यटन निर्माण, अस्पताल और चिकित्सा उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वत: मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर महत्वपूर्ण प्रगति की है।

कंपनी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि यह कदम न केवल खुलेपन बल्कि स्थिरता का संकेत देता है, जो वैश्विक निवेशकों को भारत की विशाल और बढ़ती अर्थव्यवस्था में उतरने के लिए एक अनुकूल अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने यह भी कहा कि 70 अरब अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन और 100 से अधिक शहरों में औद्योगिक गलियारे के विकास के समर्थन से, भारत वैश्विक निवेशकों को निवेश के लिए तैयार (प्लग-एंड-प्ले) क्षेत्र प्रदान कर रहा है।

देश में डीजल की मांग अप्रैल में चार प्रतिशत बढ़ी

31 मार्च, 2024 को डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी

नई दिल्ली

देश में डीजल की मांग में अप्रैल में करीब चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। कई माह की नकारात्मक या कम वृद्धि के बाद अप्रैल में गर्मियों की शुरुआत के साथ डीजल की खपत बढ़ी है। डीजल देश में सबसे ज्यादा उपभोग किया जाने वाला ईंधन है। डीजल, देश में सबसे अधिक उपभोगित ईंधन है, इसलिए इस मांग की बढ़ोतरी का आर्थिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में, डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इसके मुकाबले, अप्रैल में डीजल की खपत में 82.3 लाख टन की बढ़ोतरी हुई, जो एक साल पहले की समयावधि से लगभग चार प्रतिशत अधिक है।

यह कोविड-पूर्व की अवधि यानी 2019 से तुलना में डीजल की खपत में 10.45 प्रतिशत की वृद्धि है। गर्मियों की शुरुआत के साथ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डीजल की मांग बढ़ गई है। अप्रैल, 2025 में डीजल की मांग में चार प्रतिशत की वृद्धि, जो इस महीने के लिए दर्ज की गई सबसे ऊंची मात्रा है। उद्योग के अधिकारी बता रहे हैं कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग में सुस्ती रही है, लेकिन अब वृद्धि के साथ इसकी मांग बढ़ गई है। इसके बावजूद देश में कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में डीजल का हिस्सा करीब 38 प्रतिशत है।

अधिकारियों के अनुसार, डीजल की मांग में कोविड-पूर्व की अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और अगले कुछ साल तक डीजल की मांग समायोजित रूप से बढ़ती रहने की संभावना है। अप्रैल, 2025 में पेट्रोल की खपत में भी वृद्धि हुई है, जो इस समयावधि में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इसे पिछले साल चुनाव प्रचार के कारण 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तुलना की जा सकती है। घरेलू रसोई गैस की खपत में भी लगभग पांच महीनों के बराबर की वृद्धि हुई है, जबकि विमान ईंधन एविएशन टर्बाइन फ्यूल की खपत में वृद्धि घटकर 3.25 प्रतिशत रही है। अप्रैल में एटीएफ की कुल मांग 7,66,000 टन रही। इससे पहले से बढ़ते उपभोग से पेट्रोल, सीएनजी, और बिजली का उपयोग बढ़ता जा रहा है, हालांकि डीजल के उपभोग में भी बढ़ोतरी हुई है। आगे के वर्षों में देश में डीजल की मांग में और वृद्धि की संभावना है।

ओरेकल फाइनेंशियल 1 शेयर पर 265 रुपये का देगी डिविडेंड

मुंबई। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने तय किया है कि एक शेयर पर 265 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा, जिसकी समयसीमा भी तय कर दी गई है। ओरेकल के डिविडेंड के साथ कंपनी की हालत भी स्थिर है, क्योंकि इस समय उसके शेयरों की कीमतें एक महीने मे 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। हालांकि, 2025 मे इसके शेयरों में 31 प्रतिशत की डिप्रेशन देखने को मिली थी, लेकिन इसे पिछले साल का उछाल देखकर फिर से उत्सुकता बन सकती है। ओरेकल के शेयरों में पिछले 5 साल मे 271 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि बाजार के मुकाबले काफी तेजी है। कंपनी मे प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 72.59 प्रतिशत है, जिसमें वे अपनी हिस्सेदारी में कमी कर रहे हैं। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के लिए यह एक फायदेमंद घोषणा है, जिसे वे ध्यान से निहार सकते हैं और डिविडेंड योजना का लाभ उठा सकते हैं।

इंग्लैंड में नहीं स्कॉटलैंड में हुआ फुटबॉल का जन्म

स्कॉटलैंड

दुनिया भर में लोकप्रिय खेल फुटबॉल को लेकर अब तक धारणा थी कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन नई ऐतिहासिक खोज ने अवधारणा को बदल दिया है। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों की टीम ने स्कॉटलैंड में ऐसा प्रमाण खोजा है, जिससे साबित होता है कि फुटबॉल की शुरुआत दरअसल इंग्लैंड में नहीं, बल्कि स्कॉटलैंड में हुई थी। यह खोज न सिर्फ फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक है, बल्कि दो सदी पुराने खेल इतिहास में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। ऐतिहासिक खोज का नेतृत्व कर रहे खेल इतिहासकार गेड ओ ब्रायन ने बताया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के एन्वांध इलाके के पास एक पुराने फार्म मॉसरॉबिन में ऐसी जमीन खोजी, जो कि दुनिया की पहली फुटबॉल पिच हो सकती है। यह मैदान 17वीं सदी का है, जब वहां के लोग नियमित रूप से फुटबॉल खेला करते थे। इस पिच का जिक्र सबसे पहले रेवरेंड सैमुअल रदरफोर्ड द्वारा 1627 से 1638 के बीच लिखे गए एक खत में मिलता है। उस पत्र में उन्होंने स्थानीय लोगों के खेल से नाराजगी जताकर खेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैदान में पत्थरों की कतार लगाने का आदेश दिया था। ब्रायन की टीम ने खोज में उन पत्थरों की वास्तविक लोकेशन का पता लगाया और पाया कि वहां कुल 14 पुराने कटे हुए पत्थर एक सीधी कतार में मौजूद हैं। मिट्टी की जांच में साबित हुआ कि ये पत्थर रदरफोर्ड के समय में ही वहां लगाए गए थे। स्कॉटिश पुरातत्व विशेषज्ञ फिल रिचर्डसन ने खोज को 'आधुनिक फुटबॉल का दादा' बताकर कहा कि इससे यह साफ होता है कि फुटबॉल का जन्म संगठित ढंग से स्कॉटलैंड में ही हुआ था। गौरतलब है कि अब तक माना जाता रहा था कि आधुनिक फुटबॉल की शुरुआत 1863 में इंग्लैंड के स्कूलों-इटॉन और हॉरो - के पुराने छात्रों द्वारा की गई थी। लेकिन यह नई खोज इंग्लैंड की बजाय स्कॉटलैंड को फुटबॉल की असली जन्मस्थली साबित करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

पंजाब किंग्स ने चोटिल मैक्सवेल की जगह मिच ओवेन को चुना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच जारी है। इस बीच पंजाब किंग्स ने अपने साथ एक नए खिलाड़ी को जोड़ा है। फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी मिच ओवेन को अपने स्क्वाड में शामिल किया है। ओवेन को चोटिल ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया है। आईपीएल की ओर से रविवार को दिए गए बयान के अनुसार पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑलराउंडर मिच ओवेन को चुना है, मैक्सवेल उंगली में चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। मिच ओवेन 3 करोड़ रुपये में पीबीकेएस में शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया के मिच ओवेन ने 34 टी20 मैच खेले हैं और 646 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 108 का उच्चतम स्कोर शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के नाम 10 टी20 विकेट भी है। किंग्स अभी आईपीएल 2025 की अंक तालिका में 10 मैचों में 6 जीत के साथ चौथे स्थान पर है। पंजाब का रात लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला है।

जडेजा ने लगाया सत्र का सबसे लंबा छक्का

बेंगलुरु। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 77 रनों की शानदार पारी खेली। जडेजा हालांकि इस पारी के बाद भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस पारी के दौरान उन्होंने सत्र का सबसे लंबा छक्का लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। जडेजा ने 45 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इनमें से एक छक्का तो 109 मीटर लंबा था, जो अभी तक इस सत्र का सबसे लंबा छक्का है। जडेजा ने इस प्रकार सत्र में सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन को पछाड़ा है जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 107 मीटर लंबा छक्का लगाया था। जडेजा ने यह छक्का 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लुंगी एनगिडी को लगाया था। सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची- रवींद्र जडेजा 109 मीटर, हेनरिक क्लासेन 107 मीटर, आंद्रे रसेल 106 मीटर , अभिषेक शर्मा 106 मीटर , फिल सॉल्ट 105 मीटर , ट्रैविस हेड 105 मीटर।

खलील के नाम दर्ज हुआ एक शर्मनाक रिकार्ड

बेंगलुरु। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाज खलील अहमद यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे। उनके एक ही ओवर में 33 रन बने। यह इस आईपीएल सत्र का सबसे महंगा ओवर बना है। वहीं टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरा सबसे महंगा ओवर भी रहा। आरसीबी की पारी के 19वें ओवर में शेफर्ड के खिलाफ खलील को गेंद दी गयी। शेफर्ड ने इस ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाकर खलील को जमकर पीटा। इस ओवर में खलील ने एक नो-बॉल भी फेंकी इस ओवर में खलील ने 33 रन दिये। इस प्रकार किंग्स इलेवन के एक खिलाड़ी परविंदर अवाना के एक रिकॉर्ड की उन्होंने बराबरी की, अवाना किंग्स इलेवन की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक ओवर में इतने ही रन दिए थे। खलील का ओवर आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। वहीं आईपीएल में सबसे महंगे ओवर का रिकॉर्ड पी. परमेश्वरन के नाम है, जिन्होंने कोच्चि टस्कर्स केरल के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 37 रन बनाये थे। खलील शेफर्ड ने खलील की गेंद पर डीप मिडविकेट पर एक छक्का जड़ा, फिर लॉन्ग-ऑन पर एक विशाल हिट लगाई, और फिर एक धीमी गेंद को शॉर्ट थर्ड पर उड़ाया। यही नहीं, उन्होंने एक फुल गेंद को लॉन्ग-ऑन पर मारा, एक नो-बॉल पर शॉट को डीप एक्स्ट्रा कवर पर उड़ाया, और ओवर को शॉर्ट फाइन-लेग पर एक शॉट के साथ खत्म किया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन शार्लेट बेसबॉल खिलाड़ी एलेक्स को कर रही डेट

शार्लेट ने की शादी के दो साल बाद तलाक की घोषणा, फैंस हैरान

नई दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई की सुपरस्टार शार्लेट फ्लेयर जो 2025 में डब्ल्यूडब्ल्यूई रॉयल रंबल मैच जीते थे। उनको हाल ही में लास वेगास में हुए शो ऑफ शोज में टिफनी स्ट्रैटन ने उन्हें हरा दिया। घुटने की चोट के कारण एक साल के ब्रेक के बाद शार्लेट ने 2025 विमेंस रॉयल रंबल जीतकर डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की थी। हालांकि, टिफनी स्ट्रैटन के खिलाफ उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियन का खिताब बरकरार रखने में हार का सामना करना पड़ा।

शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक की घोषणा की है। जिसके बाद फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि वह पूर्व बेसबॉल शॉर्टस्टॉप एलेक्स रोड्रिगेज को डेट कर रही हैं। शार्लेट फ्लेयर और एंड्राडे ने 2019 में अपने रिश्ते की घोषणा की थी। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद दोनों ने 2020 में सगाई की थी और 2022 में शादी की थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई की यह जोड़ी एक पावर कपल लग रही थी जब एंड्राडे ने 31 जुलाई 2022 को अपने महान लास्ट मैच के लिए रिक फ्लेयर के साथ साझेदारी की।

एंड्राडे को शार्लेट फ्लेयर की घुटने की चोट से उबरने के दौरान भी उनका समर्थन करते हुए दिखे थे, लेकिन किसी को पता नहीं था कि पर्दे के पीछे रिश्ते में दरारें पड़ रही थीं। जिसके कारण उनकी शादी खत्म हो गई। शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक की ऐलान किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने जुलाई 2024 में अपनी शादी समाप्त कर दी, कोर्ट के रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि तलाक अक्टूबर 2024 में हो गई थी। इस चौंकाने वाले अलगाव ने फैंस और रेसलिंग समुदाय के बीच एक नई चर्चा को जन्म दिया, क्योंकि जब उन्होंने अपनी शादी के अंत की घोषणा की तो वे काफी हैरान थे।

शार्लेट फ्लेयर की प्रेम जीवन अपडेट के मुताबिक एंड्राडे और फ्लेयर के अलगाव के कारण का उल्लेख करने वाले कोई आधिकारिक अदालती रिकॉर्ड नहीं मिले हैं। हालांकि जोड़ी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन अटकलें हैं कि व्यभिचार ने अचानक ब्रेक में भूमिका निभाई होगी, भले ही आधिकारिक कारण अभी भी सामने नहीं आया है।

पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया अब, ऐसा लगता है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन ने पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने और नई शुरुआत करने का फैसला कर लिया है।

सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन के पास है करोड़ों की संपति, महंगी कारों की हैं शौकीन, इस आईपीएल में थी एसआरएच से उन्हें काफी उम्मीद जो अब हो गई खत्म

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2025 से तकरीबन बाहर हो हो चुकी है। अब उनका प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना बहुत मुश्किल है। टीम की मालकिन काव्या मारन को काफी उम्मीदें थी लेकिन वह खत्म हो गई। आपको बता दें काव्या मारन के पास कितनी संपत्ति है और वह इतनी कमाई कहां कहां से करती हैं। उनकी कार कलेक्शन में कौन कौन सी गाड़िया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन की कुल संपत्ति करीब 400 करोड़ की बताई जाती है। उनके कार कलेक्शन में फेरारी रोमा, बेंटले बेंटायगा, रोल्स-रॉयस फैंटम और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां है। काव्या को इतनी संपत्ति अपने पिता के कारण मिली है। उनके पिता कलानिधि मारन सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, जिनकी नेटवर्थ करीब 25000 करोड़ से भी ज्यादा है। काव्या मारन सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक हैं। वह अपने पिता का कामकाज देखती है। इसके अलावा वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ और सह-मालिक है। वह द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स समेत अन्य प्रोफेशनल खेल टीमों में सन ग्रुप के निवेश की भी देखरेख करती हैं। सनराइजर्स इस्टर्न केप की मालकिन भी काव्या मारन ही हैं। चेन्नई में जन्मी काव्या मारन ने अपनी पढ़ाई यूके के वारविक बिजनेस स्कूल से एमबीए करने से पहले चेन्नई के स्टेला मैरिस कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

अब सोशल मीडिया के जरिये अपने को पेश कर रहे युवा क्रिकेटर : कुंबले

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच अनिल कुंबले ने कहा है कि आजकल सोशल मीडिया के जरिये हर खिलाड़ी अपने को बाजार में पेश कर ब्रांड बनना चाहता है। दिग्गज स्पिनर रहे कुंबले के कहा, क्रिकेट में जो भी बदलाव आए हैं, उनमें से ज्यादातर प्रसारण मामलों से जुड़े हैं। पहले खिलाड़ी इनका उपयोग नहीं करते थे पर अब जमाना बदल गया है। जिससे इनका अधिक से अधिक उपयोग हो रहा है।

उन्होंने कहा कि साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत से लेकर अभी तक कई प्रकार के बदलाव आये हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया के कारण ये परिवर्तन आये हैं। आजकल सभी लोगों का जोर सोशल मीडिया के जरिये अपने को पेश करने पर रहता है। जीवन में क्या चल रहा सभी उसके बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसलिए किसी को भी कैमरों का सामना करने में परेशानी नहीं है। वहीं हमारे समय में ड्रेसिंग रूम में कैमरा ले जाना भी संभव नहीं था। अब जश्न के लिए भी ड्रेसिंग रूम में कैमरा ले जाने के लिए इजाजत देनी पड़ती थी। उसपर भी अनुमति नहीं मिलती थी।

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

बेंगलुरु। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते है। इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी।

टेनिस स्टार आर्यका सबालेंका

मैड्रिड में जीत के बाद ट्रॉफी उठाये हुए बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यका सबालेंका।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहर : गावस्कर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बार कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है।

गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे।

गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है। भारतीय टीम ने इससे पहलेचैंपियंस ट्रॉफी में भी पाकिस्तान का दौरा न करते हुए तटस्थ स्थल पर अपने मैच खेले थे।

आखिरी ओवर के रोमांच पर यश दयाल ने की बात, बोले-आत्मविश्वास था कि मैं यह कर सकता हूं

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच बीती रात शनिवार को रोमांचक मैच देखने को मिला। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में आरसीबी ने सीएसको को 2 रन से हरा दिया। यह मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 52वां मैच था। मैच में सीएसको को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने केवल 12 रन दिए और अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद आरसीबी के इस तेज गेंदबाज ने अपने उस आखिरी ओवर के रोमांच के बारे में बात की है। दयाल ने आईपीएल की वेबसाइट पर जारी एक वीडियो में कहा, उस समय मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि अगली गेंद कैसे एग्जीक्यूट करना है। जैसा कि मैं पहले भी कर चुका हूं, इसलिए मेरे दिमाग में आत्मविश्वास था कि हां, मैं यह कर सकता हूं। पिछले साल भी दयाल ने इसी मैदान पर

सीएसके के खिलाफ आखिरी ओवर फेंका था और एमएस धोनी का विकेट लिया था। उस समय उनकी टीम सीएसके को नेट रन रेट के आधार पर पछाड़कर प्लेऑफ में पहुंची थी। अब दयाल ने फिर वही कारनामा किया है। इस बार भी धोनी मैदान पर थे। ऐसे में दयाल ने धैर्य दिखाते हुए शानदार गेंदबाजी की और धोनी का विकेट भी अपने नाम किया। दयाल ने कहा कि पिछले साल का विकेट और इस साल के विकेट में ज्यादा कुछ अंतर नहीं था। उस मैच में वे (धोनी) कैच आउट हुए थे। इसमें यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू हुए। मेरे लिए बस यही था कि मुझे एग्जीक्यूट करना है। विकेट लेने का ऐसा कोई इंटेंट नहीं था। विकेट मिल गया, जो मेरे लिए लकी था। तेज गेंदबाज ने कहा कि जश्न भी वैसा ही था क्योंकि मुझे खुद इसका एहसास नहीं था। मैं उससे (जैकब बेथेल) से बात कर रहा था जो वहां पर था। मैं उससे कह रहा था, %भाई थ्रो कर दे।% इसलिए मेरा दिमाग वहां (जश्न) नहीं था। मैं बस इतना चाहता था कि पूरी चीज ठीक से खत्म हो जाए। उसके बाद मुझे एहसास हुआ (क्या हुआ), तो सेम (हाथ फैलाकर जश्न)। कैसा रहा आखिरी ओवर- आखिरी ओवर में सीएसके को जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। क्रिज पर रवींद्र जडेजा और एमएस धोनी थे। आरसीबी के लिए यश दयाल आखिरी ओवर लेकर आए। पहली गेंद पर सिर्फ एक रन आया। दूसरी गेंद पर भी सिर्फ एक रन मिला। अब सीएसके को 4 गेंदों में 13 रन चाहिए थे। यश दयाल की तीसरी गेंद पर धोनी शॉट से चूक गए और गेंद सीधे पैड से टकराई। अंपायर ने एल्बीडब्ल्यू दे दिया। धोनी ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले में दिखा कि गेंद स्टंप्स पर जा रही थी। धोनी एल्बीडब्ल्यू हो गए। अब सीएसके को 3 गेंदों में 13 रन बनाने थे। शिवम दुबे क्रीज पर आए। यश दयाल ने चौथी गेंद हाई फुल टॉस डाल दी जिसे दुबे ने छक्के के लिए भेज दिया। रिव्यू में नो बॉल की पुष्टि हुई। अब समीकरण हो 3 गेंदों में 6 रन हो गया और फ्री हिट भी थी।

कलेर मत्स्य जीवी सहयोग समिति के चौथी वर्षगांठ पर अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए भाजपा के जिला प्रवक्ता शंकर साहनी

अरवल। मत्स्य जीवि सहयोग समिति कलेर प्रखंड के ग्राम कमता में बिहार में पहली बार मत्स्य जीवि सहयोग समिति का चौथी वर्षगांठ कलेर प्रखंड के मत्स्य जीवी सहयोग समिति के मंत्री सियाराम चौधरी कोषाध्यक्ष डॉ त्रिभुवन जी के द्वारा संयुक्त नेतृत्व में हर्ष और उल्लास के साथ अतिथि के रूप में आए हुए भाजपा के जिला प्रवक्ता शंकर साहनी एवं मत्स्यजीवी सहयोग समिति के जिला पदाधिकारी सुनील कुमार और उनके सहयोगी अजय कुमार सहित एवं कलेर के मत्स्य जीवी सहयोग समिति के सभी सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलित एवंम केक काटकर कर इसकी शुरुआत की गई इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नंदलाल चौधरी के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम को संबोधन करते हुए शंकर साहनी ने कहा कि हमने पूर्वजों से सुनते आ रहे है कि जलकर जल जलाशय तालाब है हमारे पूर्वज से सरकार के सहमति से हमारे समाज को धरोहर के रूप में जीवन यापन करने के लिए मिलता आ रहा है इसी से हमारे पूर्वज का अपने परिवार का जीवकोपार्जन करने का यही सबसे बड़ा साधन था वह योजना सरकार के द्वारा इसलिए चलाया गया था कि इस योजना के माध्यम से एक समिति बनाकर निषाद (मल्लाह) समाज अपने सदस्यों का सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति सुधारने एवं अपने वाल बच्चे को शिक्षित स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों बढ़ावा मिले अरवल मत्स्य विभाग के जिला पदाधिकारी सुनील कुमार सरकार के द्वारा चलाए जा रहे मछली पालन करने का तौर तरीका एवं सरकार के द्वारा सब्सिडी एवं अनुदान जैसे सारी योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दीए और इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए अरवल प्रखंड मत्स्य जीवी सहयोग समिति के मंत्री रंजीत कुमार प्रभु चौधरी संतोष कुमक्षा ग्रामीण जनता सैकड़ों की संख्या में सम्मिलित हुए

किसानों के लिए खुशखबरीः कृषि मंत्री ने लॉन्च की दो नई जीनोम-संपादित चावल की किस्में, लागत घटेगी और पानी बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राजधानी दिल्ली में दो नई जीनोम-संपादित चावल की किस्में लॉन्च कीं। इन किस्मों का नाम है – डीआरआर राइस 100 (कमला) और पूसा डीएसटी राइस 1। इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि ये दोनों किस्में खेती में क्रांति ला सकती है। इनसे उत्पादन बढ़ेगा, कम पानी में फसल होगी और लागत भी घटेगी। साथ ही, ये किस्में बदलते मौसम में भी अच्छी पैदावार देंगी।

इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए 6 बिंदुओं पर काम कर रही है। जिसमें उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत घटाना, फसल का सही दाम दिलाना, नुकसान की भरपाई करना, खेती में विविधता लाना और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना शामिल है। उन्होंने कहा कि आज जो दो नई चावल की किस्में लॉन्च हुई हैं, वे उत्पादन लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने में मदद करेंगी। इससे न सिर्फ किसानों को फायदा होगा, बल्कि आम जनता को भी सस्ते और पोषक अनाज मिलेंगे। मंत्री ने बताया कि इन नई किस्मों से फसल जल्दी तैयार होगी, जिससे अगली फसल की बुवाई समय पर हो सकेगी। साथ ही, चावल की खेती में सिंचाई का पानी भी कम लगेगा। उन्होंने कहा, 'इससे करीब 7500 मिलियन घन मीटर पानी की बचत होगी। यह देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कृषि मंत्री ने आगे कहा कि आने वाले समय में हमें भारत को दुनिया का फूड बास्केट यानी खाद्यान्न भंडार बनाना है। उन्होंने बताया कि भारत हर साल 48,000 करोड़ रुपये का बासमती चावल विदेशों में बेचता है, जो हमारे किसानों की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि अब जरूरत है कि हम सोयाबीन, अरहर, मसूर, उड़द, तिलहन और दूसरी दालों का उत्पादन भी तेजी से बढ़ाएं।

इन चावल की किस्मों को सीआरआईएसपीआर-सीएएस नाम की तकनीक से तैयार किया गया है। इसमें पौधे के जीन में बेहद सूक्ष्म बदलाव किए जाते है, लेकिन कोई बाहरी (विदेशी) जीन नहीं डाला जाता। यह तकनीक सुरक्षित मानी जाती है और भारत में इसे खेती के लिए मंजूरी मिल चुकी है। इस तकनीक के जरिए विकसित इन किस्मों में दो मुख्य फायदे हैं। जिसमें पहला ये है कि फसल जल्दी तैयार होती है। जबकि दूसरा फायदा ये है कि कम पानी में भी अच्छी पैदावार मिलती है।

स्वस्थ और सुंदर के लिए योग करने की है जरूरतः सर्वेश कुमार

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। रविवार को सर्वोदय नगर स्थित योग संस्थान में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विधान पार्षद सर्वेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिये। इस अवसर पर जेपी सेनानी व संपूर्ण क्रांति मोर्चा बिहार के अध्यक्ष व शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य रहने के लिए योग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महीने में 1 से 5 तक हर महीने में शिविर का आयोजन सुबह 7 बजे से लेकर 9 बजे तक होता है। मुख्य अतिथि विधान पार्षद सर्वेश कुमार ने कहा कि योग करने से जितना दूर रोग भागता है, उतना ही लोग सुंदर देखने में लगते हैं। क्योंकि योग से शरीर का रक्त संचार होता है। जिसके कारण लोग स्वस्थ और सुंदर लगते हैं।

डॉ एके रॉय ने कहा कि महिलाओं को योग में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। जिससे उनको स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में पिंकी देवी, डॉ शशि भूषण सिंह शिशु विशेषज्ञ, प्रो डीपी चौधरी समाजसेवी, विश्वनाथ सिंह, राजीव सिंह, धर्मेंद्र सिंह सहित करीब 50 लोगों ने शिविर में भाग लिया।

स्वर्गीय लोजपा नेता अनिल उरांव की चौथी पुण्य तिथि पर लोजपा नेता माधव सिंह के नेतृत्व में हुई श्रृद्धांजलि सभा

सीमांचल। गत 3 मई को कटिहार जिले के मनिहारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व लोजपा प्रत्याशी स्व. अनिल कुमार उरांव के चतुर्थ पुण्य तिथि के अवसर पर उनके निवास (जे.पी.नगर) पूर्णिया कोर्ट में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

लोजपा के वरिष्ठ नेता माधव सिंह ने स्व अनिल उरांव के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय अनिल उरांव हमारे छोटे भाई के समान थे और डॉ भीमराव अम्बेडकर एवं लोजपा के संस्थापक नेता रामविलास पासवान के विचार धारा के अनुयायी थे।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोजपा नेता माधव सिंह ने कहा कि वे दलितों, शोषितों एवं आदिवासी समाज के हक एवं अधिकार के लिए लड़ने वाले ऐसे युवा नेता थे जो हमेशा गरीबों, दलितों, शोषितों एवं आदिवासी समाज को सेवा को ही अपना धर्म समझते थे।

लोजपा नेता माधव सिंह ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्णिया के भूमाफिया और अपराधी के गठजोड़ ने आदिवासी समाज के हक और अधिकार के लिए लड़ने वाले युवा नेता को छीन लिया।

पृथ्वीराज ट्रस्ट पहुंचे माननीय मंत्री नीरज कुमार बबलू, किया गया भव्य स्वागत

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट पृथ्वीराज चौक ब्लॉक मोड़ के प्रांगण में बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के माननीय मंत्री नीरज कुमार बबलू जी का आगमन हुआ।पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह,उपाध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, कोष सदस्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, रामप्रवेश सिंह चंद्रप्रकाश विकास,पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता रामभजन सिंह, सरपंच संघ के प्रांतीय नेता रविंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य सदस्यों द्वारा पुष्पहार एवं अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया गया। पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल पहुंचने पर माननीय मंत्री द्वारा पृथ्वीराज चौहान एवं चंद्रवरदाई जी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने मंत्री जी को बताया कि औरंगाबाद भारत का पहला जिला है जहां पृथ्वीराज चौहान के प्रतिमा के साथ-साथ चंद्रवरदाई जी की भी प्रतिमा लगी हुई है।स्मृति स्थल पहुंचने पर मंत्री जी काफी हर्षित दिखे एवं उन्होंने आगामी महाराणा प्रताप जयंती पटना में होने वाले भव्य एवं दिव्य समारोह में सभी लोगों को आमंत्रित किया।

पूर्णिया सदर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय समाजसेवी राजद नेत्री कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने जनता से विधान सभा चुनाव के मद्देनजर एकजूट होने की अपील की

कहा लुभावने वायदे की आड़ में सीमांचल की परंपरागत गंगा जमुनी तहजीब वाले वोट बैंक की ठगी करने वाले राजनीतिक दलों से सचेत रहें

कटाक्ष करते हुए कहा कि चुनावी समय में उत्पन्न वक्फ कानून की त्रासदी और पहलगाम की आतंकी घटना से पस्त जनता के बीच राजनीतिक पार्टियां मस्त है

सीमांचल। पूर्णिया सदर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय समाजसेविका सह राजद की उभरती हुई नेता कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमांचल की जनता को एकजूट होने का आह्वान करते हुए कहा है कि वर्तमान विषम परिस्थितियों के बीच राजनीतिक दलों की तिकड़मों का शिकार होने से बचने की कोशिश करें।

उन्होंने कहा कि बिहार में विधान सभा चुनाव की घड़ी निकट आती जा रही है और उक्त चुनाव की तैयारी के क्रम में राजनीतिक पार्टियां इस सीमांचल की परंपरागत गंगा जमुनी तहजीब पर कुठाराघात पहुंचाने की कोशिशों में जी जान से लग गई है, जिन्हें क्षेत्र की एकता, भाईचारगी, खुशहाली और विकास की जगह सिर्फ वोट बैंक की ठगी करने की चिंता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान विषम परिस्थिति में सीमांचल क्षेत्र को तिकड़मी राजनीतिक दलों की बजाय ऐसे सदाचारी चरित्रवान नेतृत्व की आवश्यकता है, जो सीमांचल के स्वर्गवासी सीमांचल गांधी तस्लीमुद्दीन साहब के किरदार को निभाने का प्रयास करें और उन्ही की तर्ज पर समाजसेवा और मानवता की सेवा भावना से सीमांचल क्षेत्र को नेतृत्व प्रदान करने की कोशिश करें।

उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक पार्टियां सीमांचल की परंपरागत गंगा जमुनी तहजीब और सामाजिक भाईचारगी को खत्म करने पर आमादा हो गई है और इन पार्टियों के झांसे में आने वाली जनता सदैव ठगी की शिकार हुई है।

उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र की बहुसंख्यक समुदाय की जनता ने अपनी परंपरागत गंगा जमुनी तहजीब के अंतर्गत दलीय प्रतिबद्धताओं और दलीय भावनाओं सहित जातपात की राजनीति से ऊपर उठकर लगातार ऐसे नेता को भी तरजीह दी है जिन्हें इस सीमांचल में जातिवादी राजनीति के अंतर्गत तरजीह देने की कोई जरूरत नहीं थी। लेकिन, सीमांचल वासियों ने वैसे नेता को मानवता के सेवक के रूप में तमाम भावनाओं से ऊपर उठकर लगातार तरजीह दिया।

राजद नेत्री कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने कहा कि सीमांचल क्षेत्र की ऐसी भाईचारगी के बावजूद किसी नेता ने सीमांचल क्षेत्र का समुचित विकास नहीं किया और न इस क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने की कोई व्यवस्था की।

पूर्णिया सदर विधानसभा क्षेत्र से राजद की राजनीति में तेजी से उभरती हुई समाजसेवी नेत्री कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि सीमांचल में मुस्लिम समुदाय की तायदाद भले ही अधिक दिखाई देती है, लेकिन, इनकी सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति काफी दयनीय है।

उन्होंने कहा कि आज भी 90 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम समुदाय के लोग साक्षर नहीं हैं और ये घास-फूस की झोपड़ियों और कच्चे मकान में रहने को मजबूर हैं।

इस क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की आधी आबादी भूमिहीन है और ना इन्हें रोजगार उपलब्ध है।

राजद नेत्री कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने जोर देकर कहा कि पूरे सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के लोग जानवरों से बदतर जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही राजनीतिक पार्टियों ने सीमांचल की जनता को जाति-धर्म के नाम पर ठगने का काम किया है। लेकिन, अब ऐसी किसी भी राजनीतिक ठगी को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने जोर देकर कहा कि अब जब हम जैसे युवा वर्ग समाज सेवा के क्षेत्र से राजनीति के क्षेत्र में आगे आ रहे है तो दलाल व स्वार्थी नेताओं की ठगी वाली गंदी राजनीति को चलने नहीं देंगे और सीमांचल के हर मजबूर बेसहारा भूमिहीन बेरोजगार को उसका हक दिलाने की लड़ाई लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि कैसी अजीबोगरीब विडंबना है कि सीमांचल क्षेत्र की जनता के बीच व्याप्त बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी की समस्याओं के बीच भी राजनीतिक दलों के नेतागण वहां से हर पल वोट बैंक की ठगी करने की जुगत में लगे रहते हैं।

यही कारण है कि राजद के बैनर तले जुझारू राजनीति करती हुई राजद नेत्री कनीज फातमा उर्फ चांदनी ने जनता को सचेत करना शुरू कर दिया है।

विदित है कि बिहार में होने वाले विधान सभा आम चुनाव की तैयारी के मद्देनजर सीमांचल भर में इन दिनों राजनीतिक दलों के नेताओं की धमाचौकड़ी प्रारंभ हो चुकी है और सारे नेता जात पात और धार्मिक भावनाओं को भड़का कर वोटों की लूट करने की कोशिश में लगे हुए हैं और इस क्रम में लगातार बढ़ती राजनीतिक नेताओं की सक्रियता को तेज होते देखकर सीमांचल की चुनावी सरगर्मी भी तेज होती जा रही है।

राहुल आनंद के स्वामित्व, प्रकाशकत्व, मुद्रकत्व एवं संपादकत्व में **संवाद संचार** (हिन्दी दैनिक), प्रातः कमल आफसेट प्रिंटर्स, हाउस नं. MN–040–0232, प्रातः कमल लेन, छोटी कल्याणी, साहू रोड मुजफ्फरपुर, बिहार– 842001 में मुद्रित होकर **संवाद संचार** (हिन्दी दैनिक) कार्यालय, हाउस नं. MN-040- 0232, प्रातः कमल लेन, छोटी कल्याणी, साहू रोड मुजफ्फरपुर, बिहार–842001 से प्रकाशित।
फोन नं.–2242633
मो.– 9113470066
E.Mail : samvad sanchar @gmail.com
समस्तीपुर कार्यालय : मनोरमा भवन, मनोरमा लेन, अमीरगंज (धर्मपुर) आजाद चौक, ताजपुर रोड, समस्तीपुर।
मो.– 8287264633
पटना कार्यालय : इंडियन पंच हाउस, आई.आई.बी.एम. कैम्पस, मयुजियम के सामने, बुद्ध मार्ग, पटना।
फोन नं.–2242633
मो.– 8287264633
E.Mail : sanjayjhulan 186@gmail.com
दिल्ली/नई दिल्ली कार्यलयः पालम गाँव (केला गोदाम के पास), नई दिल्ली।
मो.– 9113470066
E.Mail : samvadsanchar @gmail.com

पृष्ठ 1 का शेष

पहलगाम के गुनहगारों को सबक सिखाने...

माकूल जवाब दे रही है। वायुसेना प्रमुख के साथ प्रधानमंत्री की रविवार को बैठक की पुष्टि करते हुए सूत्रों ने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान सैन्य नेतृत्व संग यह पीएम की दूसरी बैठक थी।

शनिवार को नौसेना प्रमुख से भी पीएम ने पहलगाम हमले के परिप्रेक्ष्य में उनसे मंत्रणा की थी। जबकि बीते हफ्ते ही प्रधानमंत्री की रक्षामंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ तथा तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ लंबी बैठक हुई थी।

विपक्षी पार्टियां भी इस मुद्दे पर एक सुर से पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सरकार का पूरा समर्थन करने की घोषणा कर चुकी हैं।

पाक से तनातनी के बीच भारत को मिला...

गौरतलब है कि कॅ-र, पुराने कॅ मिसाइल सिस्टम का एडवांस वर्जन है, जो 1990 के दशक से भारतीय सेना में उपयोग में रहा है। सेना ने अपने पुराने मिसाइल स्टॉक को भी भारत की एक कंपनी के माध्यम से अपग्रेड और मरम्मत करवाया है।

पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान सेना द्वारा ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए भारतीय सेना को बेहतर ड्रोन पहचान और नष्ट करने की तकनीक की आवश्यकता है।

इसी कड़ी में सेना ने स्वदेशी इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (कठ्ठक्र) मार्क-1 को तैनात किया है, जो 8 किलोमीटर से अधिक दूरी तक ड्रोन को पकड़, जाम और नष्ट कर सकता है।

इस सिस्टम में लेजर तकनीक भी लगी हुई है, जो ड्रोन को जलाकर गिरा सकती है। हाल ही में जम्मू क्षेत्र के 16 कॉर्प्स एरिया में सेना ने इसी तकनीक से एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था।

इसके साथ ही, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने भी एक नई और लंबी दूरी की डायरेक्ट एनर्जी वेपन विकसित की है, जो बड़े ड्रोन, क्रूज मिसाइल और विमानों को युद्ध के समय नष्ट कर सकती है। सेना को जल्द ही कम ऊंचाई पर उड़ने वाले दुश्मन के विमानों और ड्रोन को जल्दी पकड़ने वाले रडार सिस्टम भी मिलने हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्सः पीएम मोदी ने...

राज्यों की सहभागिता और उत्साह से ही संभव होगा। इस दिशा में बिहार का भी महत्वपूर्ण योगदान है। पीएम मोदी के सपनों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहल की है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सात हजार खेल मैदानों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। उन्होंने बिहार जैसे गरीब राज्यों को समृद्ध बनाने का प्रयास किया है। श्री चौधरी ने राज्य के लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें, ताकि बिहार के हर घर में एक वैभव सूर्यवंशी पैदा हो सके और राज्य का नाम रोशन हो। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी अपने विचार साझा किए और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया, जबकि खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने स्वागत भाषण दिया।

बिहार में कांग्रेस को 70 नहीं 100 सीट...

पहलगाम से ध्यान हटाने के लिए उठाया गया है. उन्होंने पीएम मोदी और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मंडल आयोग लागू होने के बाद बीजेपी ने इसका सबसे ज्यादा विरोध किया था. पीएम मोदी ने जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को "अर्बन नक्सल" कहा, जो उनके रवैये को दर्शाता है. वे कुर्सी के लिए कुछ भी कर सकते हैं, उनका नाम "कुर्सी मोदी" रख देना चाहिए क्योंकि वे सत्ता के बिना नहीं रह सकते.

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पीएम मोदी निजी क्षेत्र में आरक्षण की वकालत करेंगे? क्या बीजेपी देश का अगला पीएम ईबीसी, एससी या एसटी समुदाय से बनाएगी. पप्पू यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए संकल्प जताया और कहा कि बिहार में एनडीए को पूरी तरह खत्म किया जाएगा. कांग्रेस के हर निर्णय के साथ वे मजबूती से खड़े रहेंगे.

पहलगाम हमलाः राजनाथ सिंह की पाक को वॉर्निंग, बोले- 'देश जैसा चाहता है, पीएम मोदी उसी भाषा में देंगे जवाब'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के कसूरवार पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करूं और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को करारा जवाब दूं। साथ ही कहा कि देश जो चाहता है, वह जरूर होगा। उनकी यह टिप्पणी हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है। दिल्ली में सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव में सिंह ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। उनकी कार्यशैली, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से उन्होंने अपने जीवन में जोखिम उठाना सीखा है, उससे लोग भली-भांति परिचित हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जैसा आप चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के अगले दिन एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा था कि सरकार हर वह कदम उठाएगी जो जरूरी और उचित होगा। उन्होंने कहा था कि हम न केवल इस घटना को अंजाम देने वालों का पता लगाएंगे, बल्कि हम उन लोगों तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारतीय धरती पर इस नापाक कृत्य को अंजाम देने की साजिश रची है।

कार्यक्रम में सिंह ने 'देश की आत्मा की रक्षा' में संतों और आध्यात्मिक लोगों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक जवान रणभूमि में लड़ता है जबकि एक संत जीवनभूमि में लड़ता है। भारत की शक्ति केवल उसकी सशस्त्र सेनाओं में ही नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति और आध्यात्मिकता में भी निहित है। उन्होंने कहा कि यह वह भूमि है जो अर्जुन जैसे योद्धा के लिए जानी जाती है, लेकिन इसने दुनिया को भगवान बुद्ध जैसा संत भी दिया है। यह एक ऐसा राष्ट्र है जहां तलवार को ध्यान (तपस्या) से शुद्ध किया जाता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए देश को हर तरह से मजबूत बनना होगा। उन्होंने कहा कि हम तभी सच्चे अर्थों में विकसित भारत बनेंगे जब हम आर्थिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से मजबूत बनेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों पक्ष वर्तमान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के अलावा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर भी विमर्श करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये बैठक ऐसे समय हो रही है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है। रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच रक्षा आदान-प्रदान को बल मिला है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण से इसका महत्व बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह और जनरल नाकातानी के बीच छह महीने में यह दूसरी मुलाकात होगी। पिछले साल नवंबर 2024 में लाओ पीडीआर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के मौके पर राजनाथ सिंह और नाकातानी की पहली बातचीत हुई थी। पिछले साल हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्व को दोहराया था। उस बैठक में सिंह और जनरल नकातानी ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर अंतर-संचालन के लिए आपूर्ति और सेवा समझौते के पारस्परिक प्रावधान पर विचार-विमर्श किया था।

बीएसएफ को मिलेंगी 16 नई बटालियन और दो क्षेत्रीय मुख्यालय, पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर बढ़ेगी चौकसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार जल्द ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 16 नई बटालियन और दो नए क्षेत्रीय मुख्यालय स्थापित करने की अंतिम मंजूरी देने वाली है। ये मुख्यालय भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा के लिए बनाए जाएंगे। इससे बीएसएफ को करीब 17 हजार नए जवान मिलेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

योजना को पहले ही सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। एक बार इसे अंतिम मंजूरी मिल जाने के बाद यह बीएसएफ के लिए फायदेमंद होगी। बीएसएफ ने पिछले साल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन और 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़े खतरों के चलते सीमाओं पर अपनी चौकसी तेज कर दी है।

सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने बताया किय बीएसएफ को जल्द ही 16 नई बटालियन बनाने की पूरी मंजूरी मिल सकती है। ये बटालियन अगले कुछ सालों में बनाई जाएंगी। कुछ आखिरी मंजूरी बाकी हैं, जिनमें केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय की मंजूरी भी शामिल है। लेकिन उम्मीद है कि ये मंजूरी जल्दी ही मिल जाएगी।

उन्होंने बताया, इस समय बीएसएफ के पास पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ सीमाओं पर सुरक्षा के लिए कुल 193 बटालियन हैं। हर बटालियन में 1,000 से ज्यादा जवान होते हैं। इसलिए जब 16 नई बटालियन बनाई जाएंगी, तो उनमें करीब 17,000 जवान और जुड़ जाएंगे। इन नई बटालियन से बीएसएफ को अपनी मुख्य जिम्मेदारी (पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं की रक्षा) निभाने में और मजबूती मिलेगी। इसके लिए बीएसएफ एक योजना भी तैयार कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ के लिए दो क्षेत्रीय कमान बेस को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। इनमें से एक जम्मू में स्थापित किया जाएगा, जो जम्मू और पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करेगा। दूसरा, मिजोरम में स्थापित किया जाएगा, ताकि बांग्लादेश सीमा की निगरानी बेहतर हो सके।

बेंजामिन नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को दी अंजाम भुगतने की चेतावनी, बोले- कई धमाके होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के तेल अवीव में हुए मिसाइल हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बैठक कर हूती विद्रोहियों को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है. इजरायल के मुख्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद रविवार को बेंजामिन नेतन्याहू ने आपात बैठक बुलाई.

नेतन्याहू ने एक्स पर अपना एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि हूती हमले के लिए इजरायल की जवाबी कार्रवाई एक बार में ही समाप्त हो जाने वाली स्थिति में नहीं होगी. हमले के जवाब में हमले किए जाएंगे. इजरायल के प्रधानमंत्री ने इजरायली डिफेंस फोर्स (IDF) की तरफ से यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि हम उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं.

उन्होंने बताया कि हमने पूर्व में भी हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई की है और आगे भी ये कार्रवाई जारी रहेगी. मैं इसे लेकर पूरी जानकारी नहीं दे सकता. नेतन्याहू ने बताया कि अमेरिका भी हमारे साथ समन्वय कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहा है. यह एक बार में होने वाली कार्रवाई नहीं है, लेकिन अब हूती विद्रोहियों पर और ज्यादा प्रहार किया जाएगा.

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ जोरदार जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है. उन्होंने कहा कि जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, हम उसे 7 गुना ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगे. हूती विद्रोहियों की तरफ से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 से सिर्फ 75 मीटर की दूरी पर गिरी. कथित तौर पर इसने हवाई रक्षा की चार परतों को पार कर लिया और हवाई अड्डे की परिधि के भीतर एक पहुंच मार्ग से सटे एक ग्रोव से टकराई, जो देश के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है. बैलिस्टिक मिसाइल गिरने के कारण उस जगह 25 मीटर गहरा गड्ढा हो गया. मिसाइल हमले को रोकने के लिए इजराइल के पास अमेरिका निर्मित सिस्टम के साथ-साथ स्वदेशी एरो सिस्टम भी है, लेकिन आज दोनों ही हमले को रोकने में विफल रहे. अधिकारियों ने इजराइल की वायु रक्षा के उल्लंघन और मिसाइल के प्रभाव स्थल की पूरी तरह से जांच शुरू कर दी है. इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने कहा कि हमले में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं.

'हमें सहयोगियों की जरूरत, उपदेश देने वालों की नहीं', पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच आखिर किस पर भड़के जयशंकर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव का माहौल है। दोनों देश युद्ध की कगार पर आ खड़े हुए हैं। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए हैं।

इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोप समेत पूरी दुनिया को एक सीधा और साफ संदेश दिया है। विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत सहयोगियों की तलाश में है। हमें सहयोगी चाहिए केवल उपदेश देने वाले लोग नहीं चाहिए। उन्होंने कहा ऐसे लोगों की कोई आवश्यकता नहीं है जिनके कहने और करने में फर्क हो।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत ऐसे देशों के साथ काम करना चाहता है जो आपसी सम्मान और समझ दिखाएं। विदेश मंत्री ने यूरोप पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ यूरोपीय देश अभी भी अपने मूल्यों और कार्यों के बीच के अंतर से जूझ रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज के अमेरिका के साथ जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका हितों की पारस्परिकता खोजना है, न कि वैचारिक मतभेदों को सामने रखना और फिर इसे साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं को धुंधला होने देना।

यूरोप से भारत की अपेक्षाओं के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि उसे उपदेश देने से आगे बढ़कर पारस्परिकता के ढांचे के आधार पर काम करना शुरू करना होगा। उन्होंने कहा, "जब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम भागीदारों की तलाश करते हैं; हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते, खासकर ऐसे उपदेशकों की जो घर पर अभ्यास नहीं करते और विदेश में उपदेश देते हैं।"

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि यूरोप का कुछ हिस्सा अभी भी उस समस्या से जूझ रहा है। इसमें कुछ बदलाव आया है।" उन्होंने कहा कि यूरोप "वास्तविकता की जांच के एक निश्चित क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है।" उन्होंने कहा, "अब वे इस पर कदम उठा पाते हैं या नहीं, यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा

उधर, भारत और रूस के संबंधों के एक सवाल पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संसाधन प्रदाता और संसाधन उपभोक्ता के रूप में "महत्वपूर्ण तालमेल और पूरकता" है। जहां तक ??रूस का सवाल है, हमने हमेशा यह दृष्टिकोण अपनाया है कि एक रूसी यथार्थवाद है जिसकी हमने वकालत की है।

उन्होंने आगे कहा कि जब 2022 और 2023 में भावनाएं बहुत अधिक थी, अगर उस अवधि को देखा जाए, तो जिस तरह की भविष्यवाणियां और परिदृश्य सामने रखे गए थे, वे सही साबित नहीं हुए। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान, नई दिल्ली मास्को के साथ जुड़ी रही और पश्चिम में बढ़ती बेचैनी के बावजूद रूसी कच्चे तेल की खरीद में वृद्धि की।

दिल्ली में अवैध तरीके से रह रहीं छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर बिना वैध दस्तावेजों के राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में रह रहीं छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया के अनुसार, मंडावली पुलिस थाने को मिली सूचना के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई।

एक टीम ने सबसे पहले अवैध प्रवासी होने के संदेह में एक महिला को पकड़ा। पुलिस उपायुक्त ने कहा, "पूछताछ करने पर उसने पहाड़गंज इलाके में छिपे पांच अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के ठिकाने का खुलासा किया। सूचना के आधार पर टीम ने बाकी महिलाओं को हिरासत में लिया।" छह महिलाओं की पहचान मीम अख्तर (23), मीना बेगम (35), शेख मुन्नी (36), पायल शेख (25), सोनिया अख्तर (36) और तानिया खान (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इनमें से किसी भी महिला के पास देश में रहने के लिए आवश्यक कोई वैध वीजा, पासपोर्ट या परमिट नहीं था।

विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को महिलाओं को उनके देश वापस भेजने के लिए प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। महिलाओं को फिलहाल हिरासत में रखा गया है। यह कार्रवाई शहर में रह रहे अवैध प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने के लिए जारी अभियान के हिस्से के रूप में की गई है।

'पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र की किसी भी कार्रवाई का समर्थन करेगी कांग्रेस', प्रियंका गांधी का बयान

वायनाड (केरल) (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रविवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में केंद्र सरकार जो भी कदम उठाएगी, कांग्रेस पार्टी उसका पूरी तरह समर्थन करेगी। इस हमले में 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी।

प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) इस मामले पर पहले ही एक प्रस्ताव पारित कर चुकी है। प्रस्ताव के जरिए स्पष्ट किया गया है कि विपक्षी पार्टी सरकार के हर कदम के साथ खड़ी है। अपनी दो दिवसीय वायनाड यात्रा पर पहुंची प्रियंका ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी। हमने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि हम सरकार की किसी भी कार्रवाई का पूरा समर्थन करते हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार जल्द कार्रवाई करेगी।

कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्र से अपील की थी कि वह पाकिस्तान को सजा देने के लिए सख्त कदम उठाए। पार्टी ने कहा था कि पाकिस्तान लगातार आतंकवाद का समर्थन और निर्यात कर रहा है। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी मांग की कि देश के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक में हुई इस चूक को लेकर समयबद्ध जांच और जवाबदेही तय की जाए। यह प्रस्ताव कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में सीडब्ल्यूसी की बैठक में पारित हुआ। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और जयराम रमेश व केसी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे।

पंजाब में नशे के खिलाफ जन आंदोलन, गांव-वार्ड स्तर पर कमेटियां सक्रिय

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में चल रही नशे के खिलाफ मुहिम अब जनआंदोलन का रूप लेती नजर आ रही है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों के लोग इस लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सरकार का साथ देने के लिए गांव और वार्ड स्तर पर गठित समितियों से जुड़ रहे हैं।

इसी सिलसिले में रविवार को पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा पटियाला पहुंचे, जहां उन्होंने गांव और वार्ड स्तर पर गठित नशा विरोधी कमेटियों को सौगंध दिलाई कि वे अपने क्षेत्रों को नशामुक्त बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के साथ-साथ कई विधायक भी मौजूद रहे।

वित्त मंत्री चीमा ने इस अवसर पर कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब पंजाब पूरी तरह से नशामुक्त होगा। पंजाब की सीमाओं से आने वाले नशे पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और अब सरकार देश के बंदरगाहों के जरिए आने वाले नशे पर भी कार्रवाई करने के लिए केंद्र सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों से तालमेल कर रही है।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि नशा छोड़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं के इलाज के लिए राज्य के सभी अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं और सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ऐसे युवाओं का इलाज कर उन्हें पुनः सामान्य जीवन और रोजगार से जोड़ने का काम कर रहा है।

'संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी', अमित शाह बोले- भारतीय भाषाओं को सशक्त बनाने के लिए कर रहे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि अब संस्कृत के इतिहास पर नहीं, बल्कि इसके पुनरुत्थान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे कि 'अष्टादशी' योजना के तहत 18 प्रोजेक्ट्स और दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के प्रकाशन में आर्थिक मदद। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में भी भारतीय ज्ञान परंपरा को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें संस्कृत एक मुख्य स्तंभ है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि किसी भी भाषा का विरोध नहीं है क्योंकि कोई भी अपनी मातृभाषा से दूर नहीं रह सकता, और संस्कृत लगभग सभी भारतीय भाषाओं की मां है। यह बात अमित शाह ने दिल्ली में आयोजित 1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि संस्कृत का प्रचार-प्रसार सिर्फ इसके पुनरुत्थान का सवाल नहीं है, बल्कि यह भारत की समग्र प्रगति का भी माध्यम है।

अमित शाह ने कहा, 'जब संस्कृत समृद्ध और सशक्त होगी, तब देश की हर भाषा और बोली को ताकत मिलेगी।' उन्होंने संस्कृत को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा बताया और कहा कि इसकी व्याकरण संरचना अद्वितीय है। गृह मंत्री ने संस्कृत भारती संगठन की तारीफ करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर शिविर आयोजित करना साहसिक काम है। उन्होंने कहा कि संस्कृत का पतन तो उपनिवेश काल से पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन अब इसके पुनरुद्धार में समय और निरंतर प्रयास लगेंगे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में संस्कृत के पुनर्जागरण का अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि सरकार, जनता और समाज का सामूहिक मानस संस्कृत के उत्थान के लिए पूरी तरह समर्पित है। अमित शाह ने बताया कि 1981 से संस्कृत भारती दुनिया भर में संस्कृत ज्ञान को फैलाने और लाखों लोगों को संस्कृत बोलने और सीखने के लिए प्रशिक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई बड़े विद्वान भी संस्कृत को सबसे वैज्ञानिक भाषा मानते हैं।

गृह मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को अब केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है और 'सहस्र चूड़ामणि योजना' के तहत वरिष्ठ संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश भर में बिखरे हुए संस्कृत और प्राकृत के पांडुलिपियों को इकट्ठा करने के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक 52 लाख से ज्यादा पांडुलिपियां दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से 3.5 लाख का डिजिटलीकरण और 1.37 लाख को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

अमित शाह ने कहा कि संस्कृत में छिपे गहरे ज्ञान में दुनिया की कई समस्याओं का समाधान मौजूद है। उन्होंने बताया कि संस्कृत भारती ने अब तक एक करोड़ से ज्यादा लोगों को संस्कृत बोलना सिखाया है, एक लाख से ज्यादा शिक्षक तैयार किए हैं और देश में 6,000 परिवार आज भी सिर्फ संस्कृत में बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अब 4,000 गांव हैं, जहां पूरा संचार संस्कृत में होता है।

संस्कृत भारती ने दुनिया के 26 देशों में 4,500 केंद्र बनाए हैं और 2011 में दुनिया का पहला विश्व संस्कृत पुस्तक मेला भी आयोजित किया था। अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भारत की आस्था, परंपरा, सत्य और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वेद, उपनिषद और हजारों संस्कृत ग्रंथों में छिपा ज्ञान अब पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। इस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।